रजि. नं. महा./८४२०/सातारा.

एफ / ८३८५/ सातारा

स्थापना वर्ष २००४

सातारा शैक्षणिक आणि सांस्कृतिक सोसायटी

कच्छी क्लासिक, ३६, दुर्गा पेठ, पोलीस करमणूक केंद्रासमोर, सातारा.

9422641579

Website : www.sataraeducation.org E-mail : sataraecs@gmail.com

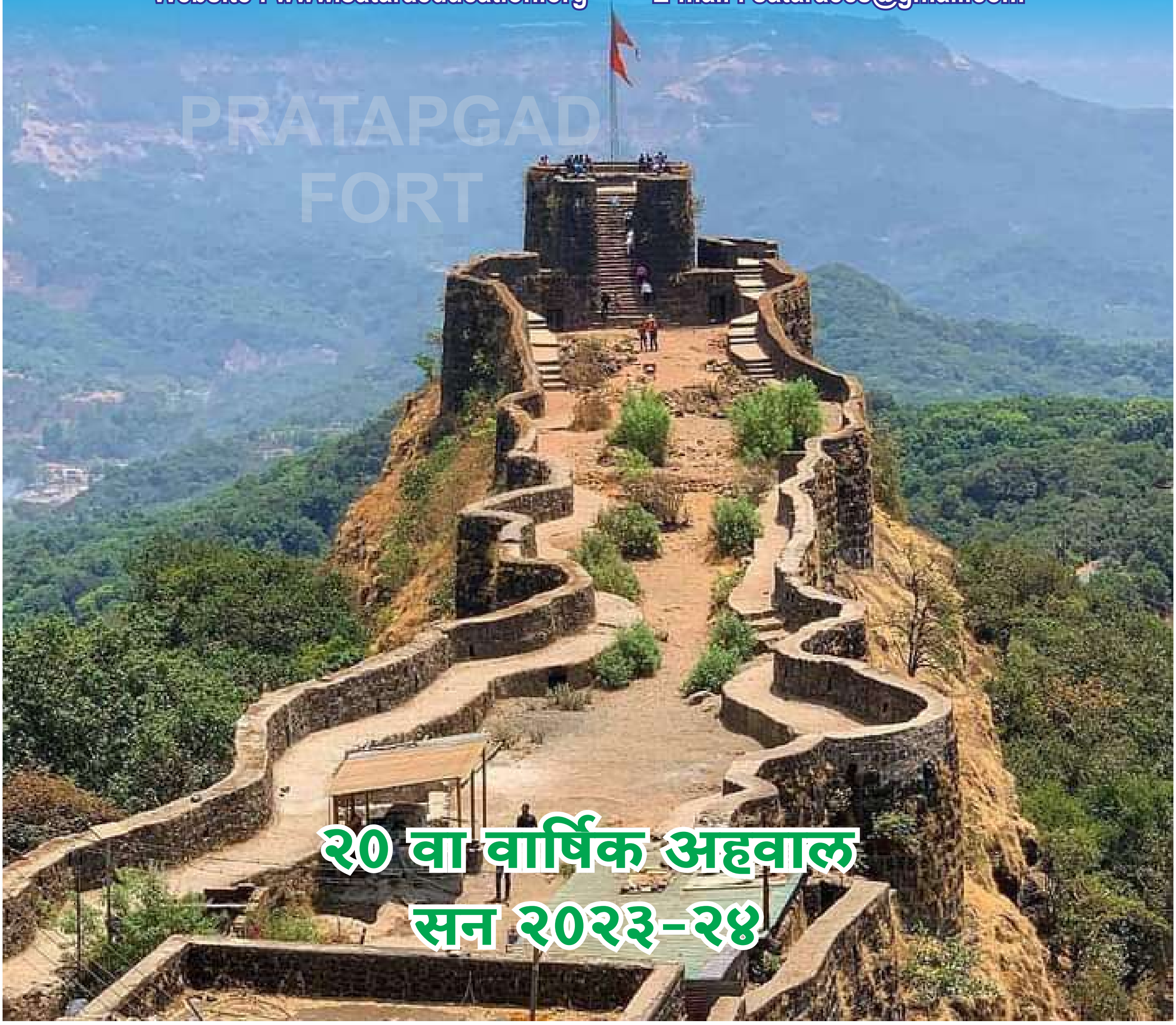

२० वा वार्षिक अहवाल
सन २०२३-२४

संचालक मंडळ सदस्य सन २०२३-२४

संस्थापक

पै. हाजी अ.कदीर शेख
(रि. पोस्ट मास्टर)

संस्थापक सल्लागार

हाजी डॉ. एम. ए. शेख
(रि. प्राचार्य)
9850861018

संस्थापक अध्यक्ष

हा.अ.रहिमान बाबाशा सय्यद
(रि. उपअभियंता) संचालक
9226443090

संस्थापक उपाध्यक्ष

अ.मजीद फरीद शेख (खजिनदार)
(रि. तहसिलदार)
9272381880

चेअरमन

डॉ.लियाकत अ. कदीर शेख
(रि. उप आयुक्त पशुसंवर्धन विभाग)
9822021579

मा.अध्यक्ष व संचालक

हाजी गुलाब बापू शेख
(रि. स्टेट बँक मॅनेजर)
9422039845

उपाध्यक्ष

हाजी शमशुद्दीन अब्दुल बागवान
(रि. जी. एम. जनता बँक)
9421574404

सचिव

मुबारक हा.इनायतुल्ला मुल्ला
(रि. बी.एस.एन.एल.,सातारा)
9422401786

संचालक

गुलाबहुसेन नूरमहंमद मुजावर
(रि. प्राध्यापक)
9325291900

संचालक

हाजी जाहीद ए. सय्यद
(रि. लघुलेखक जि.प.)
9226985504

संचालक

रियाज सत्तार खान
(ट्रान्सपोर्ट व्यवसाय)
9403945538

संचालक

अलनसीर महंमदहनीफ शेख
(कर सल्लागर)
9960187297

संचालक

शफी अब्बास बागवान
(स्विकृत सदस्य)
9271361037

संचालक

मुज्जफर महामूद शेख
9850849944

संपादकीय मंडळ २०२३-२४

हाजी पापाभाई लालखान तडसरकर
8600082720

हाजी हारुन बागवान
8788854626

फैय्याज सुतार
9326730955

इरफान इब्राहिम शेख
9028467975

रजि. नं. एफ/ ८३८५ / सातारा
सातारा शैक्षणिक आणि सांस्कृतिक सोसायटी . सातारा
कच्छी क्लासिक, ३६ दुर्गा पेठ, पोलीस करमणूक केंद्रा समोर, सातारा
गुणवंत विद्यार्थी सत्कार समारंभ
2023 - 24

सातारा बैतूलमाल कमिटी आयोजित मस्जिद परिचय कार्यक्रमात मा. खा.श्री.छ. उदयनराजे भोसले आणि मा. आ. श्री. छ. शिवेंद्रसिंहराजे भोसले यांची उपस्थिती व मार्गदर्शन.

संस्थेच्या वार्षिक अहवाल प्रकाशन करताना मौलाना नुरूद्दीन सय्यद रियाजी व उपस्थित संचालक

संस्थेच्या वार्षिक अहवाल प्रकाशन प्रसंगी प्रमुख पाहुणे यांच्या समवेत संचालक व मान्यवर

अहवाल प्रकाशन प्रसंगी प्रमुख पाहुणे मौलाना नुरूद्दीन सय्यद रियाजी यांचा संस्थेचे खजिनदार हाजी मजिदभाई शेख यांच्या हस्ते सत्कार

गुणवंत विद्यार्थी सत्कार प्रसंगी प्रमुख पाहुणे मा .डॉ. तसद्दुक पटवेकर यांचा सत्कार करताना संस्थेचे अध्यक्ष डॉ. लियाकत शेख

आय.टी. तज्ञ मा. अशपाक सुतार यांचा सत्कार करताना संस्थेचे उपाध्यक्ष हाजी शमशुद्दीन बागवान, संस्थापक सदस्य हाजी ए.बी. सय्यद व हाजी मजिदभाई शेख

सकाळचे ज्येष्ठ वार्ताहर मा. दिलीप कुमार चिंचकर सत्कार स्विकारताना

गुणवंत विद्यार्थी सत्कार समारंभ प्रसंगी मार्गदर्शन करताना प्रमुख पाहुणे मा. डॉ. तसद्दुक पटवेकर

मार्गदर्शन करताना आय. टी. तज्ञ मा. अशपाक सुतार

अध्यक्षीय मनोगत व्यक्त करताना मा. डॉ. लियाकत शेख

गुणवंत विद्यार्थीनींचा सत्कार करताना प्रमुख पाहुणे डॉ. तसद्दुक पटवेकर व इतर मान्यवर

ऐशियन तारपोलीन
फॅक्टरी आऊटलेट

BABBAR
ISO 9000:2015

बब्बर मूरघास बॅग ३/५ टन

- मूरघासमुळे दूधाच्या फॅटमध्ये ३.५% वाढ होते.
- कमी जागेमध्ये जास्तीत जास्त खाद्य साठवता येते.
- दूधाचा दर्जा उत्तम राहतो.
- मूरघास बॅग झाकण्यासाठी ताडपत्री मोफत दिली जाई.

कांदा आयर्नसाठी लागणारी ताडपत्री

पोल्ट्री कागद / ब्रुडिंग कागद

सरकारी अनुदानित व विनाअनुदानित शेततळे ३००/४००/५०० मायक्रॉनमध्ये कागद उपलब्ध होईल.

खास वैशिष्ट्ये :

- बब्बर ताडपत्री ताणली तरी फाटत नाही.
- पावसाळा, हिवाळा, उन्हाळा या तिन्ही ऋतूमध्ये शेतकऱ्यांची साथ देते
- कंपनी डिफेक्ट असेल तर ३ वर्षांच्या वॉरंटीसह बदलून दिले जाते.
- तुकडे पडणे किंवा पापडी निघणे हे प्रकार होत नाहीत.
- मजबूतीने बांधणीसाठी चारीही बाजूला प्लॉस्टिकचे कॉर्नर दिले आहेत.

रिटेल ताडपत्री रु.२०००/- च्या खरेदीवर १ ताडपत्री मोफत

6x6, 200GSM

कांदा बटाटा गोनी

वर्मी बेड

सेडनेट

२५ किलो कॅरेट

सोयाबीन बारदान मिळेल

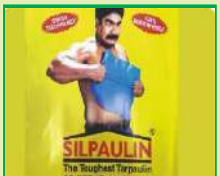

सिसपॉलीन ताडपत्री

कापडी ताडपत्री

काळा कागद

पत्ता – ३६/१४+१५, जे. आय. प्लाझा, एन.एच.४, गोडोली, सातारा.
अधिक महितीसाठी संपर्क : मो.: ८६०००७९६५ / ८६०००७९६७

रफिकभाई बागवान
मो. ९८२२००१०८७

शोहेबभाई बागवान
मो. ९८८१९८६१७७

अजित ट्रेडिंग

अधिकृत विक्रेते : ग्रिव्हज पॉवर लिमिटेड, होंडा पॉवर इक्विपमेंटस्, किर्लोस्कर जनसेट, उषा मोटार व कन्स्ट्रक्शन मशिन विक्री व रिपेअरी तसेच कमर्शियल बिल्डींग, मॉल, हॉटेल, अपार्टमेंटकरिता लिफ्ट बसवून मिळेल.

सेल्स ॲण्ड आफ्टर सर्व्हिस

२८३/१, राधाकृष्ण कॉम्प्लेक्स, सातारा सिटी बिझनेस सेंटर समोर,
न्यू राधिका रोड, सातारा - ४१५ ००२.

अजित ॲग्रो एजन्सीज

प्लॉट नं. ६०९/सी, हॉटेल मेजवानी रेस्टो शेजारी, NH-4 हायवे, वाढे फाटा, सातारा.

• फोन नं. (०२१६२) २२७७४८ • ई-मेल : ajittrading5@gmail.com

6½" बोअर मारुन मिळेल. सर्व प्रकारच्या एच.डी. पाईप मिळतील.

बोअर मारलीय ना?
मोटरची चिंता नको.
फक्त एकच नाव
झारी मशिनरी

प्रोप्रा.झारी बंधू

न्यु झारी मशिनरी

आमचे येथे सर्व प्रकारच्या नवीन मोटारी, इलेक्ट्रीक मोटारची दुरुस्ती, रिवायर्डीग, ॲटो टायमर व सेन्सर कंट्रोलची खात्रीशीर कामे केली जातील.

५५ रविवार पेठ, गिते बिल्डींगशेजारी, सातारा.
रिजवान मो.: ९८२२०६४०२८ रईस मो.: ९८५०७८९४०४

अधिकृत वितरक : DECCAN® SUBMERSIBLE PUMPSETS, SILVER® CONSUMER ELECTRICALS, LE LAKSHMI WATER PUMPS, CRI C.R.I. PUMPS Pumping trust. Worldwide.

हॉटेल
चंद्र विलास

TM

* मिसळ * दहि मिसळ * पुरीभाजी * फरसाण * जिलेबी

* साऊथ इंडियन *

सर्व प्रकारची मिठाई मिळण्याचे एकमेव ठिकाण....

१७६, सदाशिव पेठ, पंचमुखी गणपतीसमोर, सातारा.

भारत जनरल स्टोअर्स

हमारे यहाँ आईस्क्रीम डब्बे, आईस्क्रीम मशीन, बर्फ गोला मशीन, पेप्सीकोला मशीन,
आईस बॉक्स, थर्माकोल बॉक्स, कस्टर्ड पावडर, बेकींग पावडर, बेकरी ईस्ट, लिक्विड ग्लुकोज,
चिली सॉस, सोया सॉस, टोमॅटो केचप, टिन फुडस्, आईस्क्रीम कोन,
चॉकलेट बनाने की सामग्री, कलर, इसेंस, प्लास्टीक पिशवी द्रोण, प्लास्टीक ग्लास,
रेडी केक मिक्स पावडर, मालाज् जाम, शरबत

किफायती दामपर मिलेगा...

शाखा १ – कर्मवीर सोसायटी, तालुका पोलीस स्टेशन समोर, राधिका रोड, सातारा
फोन : ९८२२०२९०८८/ ९४२०४८७३९८
शाखा २ – गाळा क्र.४, गुरुवार परज शॉपिंग सेंटर, सातारा. फोन : ९४२२४०३९८६

अंतरंग

*	नजम	०१
*	आखरी खुत्बा	०२
*	संचालक मंडळ	०३
*	शुभसंदेश	०४
*	अध्यक्षीय मनोगत	०५
*	संस्थेचा वार्षिक ताळेबंद पत्रक	०७
*	संस्थेला जकात व सदका स्वरूपात मिळालेली मदत	१०
*	मासिक वर्गणीदार	१३
*	मदतीचा विनियोग	
	- उच्च शिक्षणासाठी शैक्षणिक मदत	१४
	- शॉर्ट टर्म कोर्सेस साठी मदत	१७
	- १० वी व १२ वी गुणवंत विद्यार्थी सत्कार	१८
	- महिलांना व्यवसायिक कोर्स व रमजान ईदसाठी मदत	२१
*	शैक्षणिक कर्ज मंजूरी	२२
*	व्याज अनुदानित शैक्षणिक कर्ज योजना	२३
*	शैक्षणिक कर्ज विद्यालक्ष्मी पोर्टल	२५
*	मुस्लीमांचे शैक्षणिक वास्तव	२७
*	तालीम	२८
*	सातारा बैतुलमाल कमिटी	३०
*	एन. आर. सी. बेदारी मूहिम	३२
*	महाराष्ट्र मायनॉरिटी एन. जी. ओ. फोरम	३५
*	स्वातंत्र्यसेनानी असफ अली	३८
*	नेक काम की ओर एक कदम	४१
*	माणूसकीचा झरा मोहम्मद रफी	४२
*	शिक्षणाच्या प्रत्येक पैलूशी जोडलेली समरसता	४५
*	सफीना हुसेन यांचा वाईज तर्फे सन्मान	४६
*	विद्यार्थी अभिप्राय	४७
*	हौसला और मेहनत - मंझील दूर नही	४८
*	माध्यमांच्या नजरेतून	४९
*	सातारा शैक्षणिक आणि सांस्कृतिक सोसायटी सदस्यत्वासाठी अर्ज	
*	शैक्षणिक कर्ज व्याज अनुदान अर्ज नमूना	

हदिस

हज़रत अबू क़तादा (रज़ि.) का बयान है, कि सहावा (रजि.) ने आपस में सोने की ज़्यादती ज़िक्र किया कि (ये बहुत बुरी चीज़ है क्योंकि नमाज़ों को कज़ा करा देती है) क्योंकि लोग सूरज उगने तक सोते रहते थे। हुजूर ने फ़र्माया, सोने में ज़्यादती नहीं, ज़्यादती ये है कि इंसान जागता हो और नमाज़ कज़ा हो जाये। तुम लोगों में अगर कोई शख़्स भूल जाये या सो जाये तो जिस वक़्त उसको याद आये फ़ौरन नमाज़ क़ज़ा पढ़ ले। ख़्वाह दूसरे दिन जिस वक़्त की नमाज़ हो उस वक़्त में क़ज़ा करें। **(अबू दाऊद-४३७)**

नज़्म

Munawwar Rana
Nov 26, 1952 - Jan 14, 2024

हम कुछ ऐसे तेरे दीदार में खो जाते हैं
जैसे बच्चे भरे बाज़ार में खो जाते हैं
परिंदों के लिए शहरों में पानी कौन रखता है
नये कमरों में अब चीजें पुरानी कौन रखता है
परिंदों के लिए शहरों में पानी कौन रखता है
मोहाजिरो यही तारीख है मकानोंको बनानेकी
बनानेवाला हमेशा बरामदों में रहा
इससे पहले मेरा कमरा भी ग़ज़ल जैसा था
तुझसे बिछड़ा तो पसंद आ गयी बे-तरतीबी
इससे पहले मेरा कमरा भी ग़ज़ल जैसा था
किसी भी मोड़ पर तुमसे वफ़ादारी नहीं होगी
हमें मालूम है तुमको यह बीमारी नहीं होगी
मैं चाहता हूँ कि तुझ पर किसी का हक न रहे
तुझे अकेले पढूँ कोई हम-सबक न रहे
मैं चाहता हूँ कि तुझ पर किसी का हक न रहे
तलवार तो क्या मेरी नज़र तक नहीं उठी
उस शख़्स के बच्चों की तरफ देख लिया था.
फरिश्ते आके उनके जिस्म पर ख़ुश्बू लगाते हैं
वो बच्चे रेल के डिब्बे में जो झाडू लगाते हैं
किसी को घर मिला हिस्से में या कोई दुआँ आई
मैं घर में सबसे छोटा था मेरी हिस्से में माँ आई
मिट्टी को भी माँ कहते हैं
सिरफिरे लोग हमें दुश्मन-ए-जां कहते हैं
हम तो इस मुल्क की मिट्टी को भी माँ कहते हैं ।।

आखरी खुत्बा

१४३३ साल पहले मैदान-ए-अराफात (मक्का) में ९ ज़िल्हिज्, १० हिजरी को मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने हज का आखरी खुत्बा दिया था। बहुत अहम पैगाम दिया था। गौर से पढ़े, हर बात बार बार पढ़ें सोचें कि कितना अहम पैगाम है जिसे हमने भुला दिया है...

१. ऐ लोगो। सुनो, मुझे नहीं लगता कि अगले साल मैं तुम्हारे दरमियान मौजूद होऊंगा, मेरी बातों को बहुत गौर से सुनो, और इनको उन लोगों तक पहुंचाओ जो यहां नहीं पहुंच सके।

२. ऐ लोगों। जिस तरह ये आज का दिन ये महीना और ये जगह इज़्ज़त ओ हुरमत वाले हैं, विल्कुल उसी तरह दूसरो की ज़िंदगी, इज़्ज़त और माल हुरमत वाले हैं। (तुम उसको छेड़ नहीं सकते)

३. लोगों के माल और अमानतें उनको वापस करो।

४. किसी को तंग न करो, किसी का नुकसान न करो, ताकि तुम भी महफ़ूज़ रहो।

५. याद रखो, तुम्हे अल्लाह से मिलना है, और अल्लाह तुम से तुम्हारे आमाल के बारे में सवाल करेगा।

६. अल्लाह ने सूद (ब्याज) को खत्म कर दिया, इसलिए आज से सारा सूद खत्म कर दो। (माफ कर दो)

७. तुम औरतों पर हक़ रखते हो, और वो तुम पर हक़ रखती है, जब वो अपने हुकूक़ पूरे कर रही हैं तो तुम भी उनकी सारी ज़िम्मेदारियाँ पूरी करो।

८. औरतों के बारे में नरमी का रवय्या अख्तियार करो, क्योंकि वो तुम्हारी शराकत दार (पार्टनर) और बेलौस (बगैर नफा के) खिदमत गुज़ार रहती हैं।

९. कभी ज़िना (बलात्कार) के करीब भी मत जाना।

१०. ऐ लोगों !! मेरी बात गौर से सुनो, सिर्फ अल्लाह की इबादत करो, ५ फ़र्ज़ नमाज़े पूरी रखो, रमज़ान के रोज़े रखो, और ज़कात अदा करते रहो, अगर इस्तेताअत हो तो हज करो।

११. तुम सब अल्लाह की नज़र में बराबर हो। बरतरी सिर्फ तक़्वे की वजह से है।

१२. याद रखो ! तुम सब को एक दिन अल्लाह के सामने अपने आमाल की जवाबदेही के लिए हाज़िर होना है, खबरदार रहो। मेरे बाद गुमराह न हो जाना।

१३. याद रखना। मेरे बाद कोई नबी नही आने वाला, न कोई नया दीन लाया जाएगा, मेरी बातें अच्छी तरह समझ लो।

१४. मैं तुम्हारे लिए दो चीजें छोड़ के जा रहा हूँ, कुरआन और मेरी अहले बैत, अगर तुमने उनकी पैरवी की तो कभी गुमराह नहीं होंगे।

१५. सुनो ! तुम लोग जो मौजूद हो, इस बात को अगले लोगों तक पहुंचाना, और वो फिर अगले लोगों तक पहुंचाए। और ये मुमकिन है कि बाद वाले मेरी बात को पहले वालों से ज़्यादा बेहतर समझ (और अमल) कर सकें। फिर आपने आसमान की तरफ चेहरा उठाया और कहा-

१६. ऐ अल्लाह ! गवाह रहना, मैंने तेरा पैगाम तेरे बंदों तक पहुंचा दिया
हम पर भी फ़र्ज़ है इस पैगाम को सुने, समझें, अमल करें और इसको आगे दुसरों तक भी भेजें ताकि अहम बातें सीखें।

Reference;
(सही अल-बुखारी, हदीस न. १६२३)
दुआ के तलबगार

संचालक मंडळ सन २०२३-२४

अध्यक्ष
डॉ. लियाकत हा.अ.कदीर शेख
(सेवानिवृत्त उप आयुक्त पशुसंवर्धन)
मो. 9822021579

उपाध्यक्ष
हा. शमशुद्दीन अब्दुल बागवान
(सेवानिवृत्त मॅनेजर, जनता बँक, सातारा)
मो. 9421574404

खजिनदार
हा. अब्दुलमजीद फरीद शेख
(सेवानिवृत्त तहसिलदार)
मो. 9272381880

सचिव
मुबारक हा.इनायतुल्ला मुल्ला
(सेवानिवृत्त, बी.एस.एन.एल. सातारा.)
मो. 9422401786

संचालक
हा. अ. रहिमान बाबाशा सय्यद
(सेवानिवृत्त उपअभियंता)
मो. 9226443090

कार्यकारी अध्यक्ष
हा. गुलाब बापू शेख
(सेवानिवृत्त ब्रँच मॅनेजर, स्टेट बँक)
मो. 9422401786

संचालक
हा. जाहिद अ.लतीफ सय्यद
(सेवानिवृत्त लघुलेखक,शिक्षण विभाग,जि.प.)
मो. 9226985504

संचालक
अलनसीर महंमदहनिफ शेख
(कर सल्लागार)
मो. 9960187297

संचालक
गुलाबहुसेन नूरमहंमद मुजावर
(सेवानिवृत्त प्राध्यापक)
मो. 9325291900

संचालक
रियाज सत्तार खान
(व्यावसायिक)
मो. 9403945538

संचालक
शफी अब्बास बागवान
(व्यावसायिक)
मो. 9271361037

संचालक
मुजफ्फर महामूद शेख
(वरिष्ठ लिपीक)
मो. 9850849944

सन २०२३-२४ चे संपादक मंडळ

इरफान इब्राहिम शेख
फय्याज मोहम्मद इकबाल सुतार
शफी अब्बास बागवान
हाजी हारूण रसुल बागवान
मो. शमीम नुरमोहम्मद शेख

पत्रव्यवहारासाठी पत्ता

बी १२, बेसमेंट गाळा, कच्छी क्लासिक, ३६ दुर्गापेठ, पोलीस करमणूक केंद्रासमोर,
सातारा - ४१५००२. मो. 9422641579

टीप : या अंकातील लेखातील विचारांशी संपादक मंडळ सहमत असेलच असे नाही
लेखक/संकलक यांचे ते व्यक्तिगत विचार आहेत.

ॲड हाजी डी. आय. एस. मुल्ला
कायदा सल्लागार, रयत शिक्षण संस्था, सातारा
माजी जिल्हा सरकारी वकील, सातारा
दि. २२ जानेवारी २०२४

शुभसंदेश

सातारा शैक्षणिक आणि सांस्कृतिक सोसायटीच्या माध्यमातून मुस्लिम समाजातील काही सेवानिवृत्त लोकांनी सामाजिक बांधिलकीची जाणीव ठेवून मुस्लिम समाजातील गरीब, गरजू विद्यार्थी व पिडीत महिलांना आर्थिक मदत करून त्यांचे जीवनमान सुधारणेसाठी उचललेले पाऊल मोठे दिशादर्शक असे आहे, त्याबद्दल प्रथमत: त्यांचे अभिनंदन.

वास्तविक पाहता मुस्लिम समाज केवळ अशिक्षित नव्हे तर आर्थिक दृष्ट्या देखील तो बराच मागासलेला आहे आणि याचे मुख्य कारण म्हणजे आजदेखील समाजातील मोठा वर्ग शिक्षणापासून वंचित आहे. बऱ्याच लोकांना सरकारने अल्पसंख्याकांसाठी कोणकोणत्या शासकीय योजना चालू केल्या आहेत याची जाणीव नाही व जाणून घेण्याची त्यांची मानसिकताही नाही. या पार्श्वभूमीवर, सातारा शैक्षणिक व सांस्कृतिक सोसायटीमार्फत अशा गरजू व गरीब विद्यार्थ्यांना त्याबद्दल सखोल माहिती व त्यांच्या हक्काची जाणीव करून देवून सोसायटीमार्फत भरघोस आर्थिक मदतही केलेली आहे ही उल्लेखनीय बाब आहे.

माझ्यातर्फे सातारा शैक्षणिक व सांस्कृतिक सोसायटी व त्यामध्ये निस्वार्थी, निरपेक्ष भावनेने काम करणाऱ्या संचालक मंडळास हार्दिक शुभेच्छा

(ॲड. हाजी डी. आय. एस. मुल्ला)

अध्यक्षीय मनोगत

संस्थापक सदस्य मरहूम हाजी अब्दुल कदीर शेख व त्यांच्या सहकारी सेवानिवृत्त सदस्यांनी २००४ साली स्थापन केलेली सातारा शैक्षणिक आणि सांस्कृतिक सोसायटी २१ व्या वर्षात पदार्पण करीत आहे. यानिमित्ताने सोसायटीचा २० वा वार्षिक अहवाल आपणासमोर मांडताना मला आनंद होत आहे.

अहवाल काळात प्रसिद्ध शायर मुनव्वर राणा यांचे दु:खद निधन झाले. यामुळे देश प्रतिभावान व संवेदनशील कवीस मुकला आहे. तसेच सामाजिक, राजकीय व शैक्षणिक क्षेत्रातील ज्या ज्ञान अज्ञात मान्यवरांचे निधन झाले या सर्वांना मी श्रद्धांजली अर्पण करतो.

गेली २० वर्षे ही संस्था गरीब विद्यार्थी, विधवा व तलाकपिडीत महिला यांना आर्थिक मदत देण्याचे कार्य सातत्याने करीत आहे. यातून चांगले विद्यार्थी घडत आहेत. याचे समाधान या कार्यामधून आम्हाला मिळत आहे. यासाठी समाजातून जकात, सदका, फितरा, इमदाद च्या माध्यमातून आम्ही निधी जमा करीत आहोत. समाज या कार्यामध्ये आमच्यावर विश्वास ठेवीत आहे. याबद्दल सर्व समाज बांधवांचे मी हार्दिक आभार मानतो. समाजातील विविध स्तरातील व्यक्तिंच्याकडून या कार्यामध्ये योगदान लाभत आहे. ही उल्लेखनीय बाब!

यावर्षी गुणवंत विद्यार्थी सत्कार प्रसंगी गारगोटी जि. कोल्हापूर येथील स्त्री रोग तज्ञ मा. डॉ. तसद्दुक पटवेकर हे प्रमुख पाहुणे उपस्थित होते. याप्रसंगी आय.टी. तज्ञ मा. आशपाक सुतार यांची प्रमुख उपस्थिती होती. गुणवंत विद्यार्थ्यांचा रोख रक्कम, प्रशस्तीपत्र व स्मृतीचिन्ह देवून सत्कार करणेत आला. यावर्षाअखेर ९०३ विद्यार्थ्यांना. ५१,९३,८७० व गरीब विधवा ६७३ महिलांना रू. ६,८३,९५०/- इतकी आर्थिक मदत

देणेत आलेली आहे.

संस्थेचे क्रियाशील ज्येष्ठ संचालक हाजी गुलाबभाई शेख यांनी राष्ट्रीयकृत बँकांकडून रू. ३,७३,३५,११८/- इतके शैक्षणिक कर्ज उपलब्ध करून देण्यासाठी विद्यार्थ्यांना मदत केलेली आहे. याबद्दल त्यांना मी धन्यवाद देतो.

हाजी हाइमभाई एज्युकेशन ट्रस्टचे अध्यक्ष व सामाजिक कार्यात नेहमी अग्रेसर असणारे हाजी अल्लमशेठ तांबोळी आमच्या विविध कार्यक्रमासाठी हॉल उपलब्ध करून मोलाची मदत करतात याबद्दल संस्था त्यांची ऋणी आहे.

संस्थेचे मार्गदर्शक माजी प्राचार्य डॉ. एम. ए. शेख यांचे मार्गदर्शनाबद्दल आभार.

विद्यार्थ्यांना शिष्यवृत्ती प्राप्त करून देणेसाठी मार्गदर्शन केले जाते. यावर्षी २२ विद्यार्थ्यांचे फॉर्मस् ऑनलाईन भरणेत आले. या कामी संस्थेचे सचिव मुबारक मुल्ला यांची सक्रीय मदत होत आहे. याबद्दल त्यांचे आभार मानतो. अहवाल प्रकाशन कामी संस्थेचे संचालक प्रा. गुलाबहुसेन मुजावर यांनी योगदान दिले याबद्दल त्यांचे आभार मानतो.

सातारा शहरातील सकाळ, पुढारी, लोकमत आदी वृत्तपत्रांनी आमच्या कार्यक्रमांना योग्य ती प्रसिद्धी दिली याबद्दल त्यांना धन्यवाद

यावर्षी संस्थेने स्पर्धा परिक्षा देणाऱ्या विद्यार्थ्यांना प्राधान्याने आर्थिक मदत करणेचा संकल्प केलेला आहे. गरजूंनी याचा फायदा घ्यावा, असे आवाहन मी करीत आहे.

संस्थेचे सर्व संचालक मंडळ व सदस्य यांच्या सहकार्याबद्दल मन:पूर्वक धन्यवाद !

जजाकल्लाह खैर!

आपला विश्वासू,

डॉ. लियाकत हा. अ. कदीर शेख

अध्यक्ष

Registration No. :- F/8385/SATARA
THE BOMBAY PUBLIC TRUST ACT, 1950
SCHEDULE IX [Vide Rule 17 (1)]
Name of the Public Trust :- SATARA SHAIKSHANIK ANI SANSKRUTIK SOCIETY
67/4 Malhar Peth, Tal & dist Satara
Income & Expenditure Account
for the year ended 31-3-2023

EXPENDITURE	Rs.	Rs.	INCOME	Rs.	Rs.
TO Expenditure in respect properies- Rates, Taxes , Cesses Repairs and maintenance		0.00	By Rent [accrued] ---------------- * [realised]		
To Establishment Expenses		0.00	By Interest [accrued] ------------ *		0.00
To Remuneration to Trustees			[realised] On Bank account	10164.00	72121.00
			On FD	61957.00	
To Remuneration (in the case of math) to the head of the math, including his house-hold expenditure, if any			By Dividend		
To Legal expenses		0.00	By Donations in cash or kind		873044.00
To Audit Fees		5200.00	By Grants		0.00
To Charity Commission Fees					
To Contrubution and fees			By Income from other sources		0.00
To Amount written of		0.00	- Advertisement	0.00	
(a) Bad Debts			- Members Subscription	0.00	
(b) Loan	0.00				
(c) Irrecoverable rents					
(d) Other items	0.00				
To Miscellaneous Expenses					
To Depreciation		3310.61			
To Amounts transferred to Reserve or specific Funds		148820.00			
To Expenditure on objects of the trust-		788850.00			
(a) Religious					
(b) Educational	788850.00				
(c) Medical Relief					
(d) Relief of poverty					
(e) Other charitable objects					
To Surplus carried over to Balance Sheet			By Deficit carried over to Balance Sheet		1015.61
Total Rs.		946180.61	Total Rs.		946180.61

As per our report of even date

* Strike off whichevar is not applicable.

Auditors Dated :-

Dated TRUSTEE

HEENA SHAIKH AND ASSOCIATES Chartered Accountants

खजिनदार सचिव चेअरमन
सातारा शैक्षणिक आणि सांस्कृतिक सोसायटी

Registration No. :- F/8385/SATARA

SATARA SHAIKSHANIK ANI SANSKRUTIK SOCIETY
RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT
For the year ended 01/04/22 To 31/03/23

RECEIPT	Rs.	PAYMENT	Rs.
To Opening Balance		By Salary Expenses	42500.00
- Cash In Hand	7050.00		
- Uco Bank	16591.98	By Travelling Expnses	2850.00
- State Bank of India	16584.61		
		By Printing & Stationery	50575.00
		By Audit Fee	5200.00
To Bank interest			
- Saving A/c	10164.00	By Educational Expenses	671150.00
- FDR Interest	61957.00		
		By Office Expenses	10619.00
To Income from other sources			
- Advertisement		By Other Expenses	9850.00
- Donation & Contribution	873044.00		
- Members Subscription		By Bank Charges	1306.00
		By FD Interest Accrual	61957.00
		By Closing Balance	
		- Cash In Hand	3001.00
		- Uco Bank	67089.98
		- State Bank of India	59293.61
Total	**985391.59**	**Total**	**985391.59**

For

HEENA SHAIKH AND ASSOCIATES
Chartered Accountants
M.No. 154835
Date:-

Trustee

खजिनदार सचिव चेअरमन
सातारा शैक्षणिक आणि सांस्कृतिक सोसायटी

Registration No. :- F/8385/SATARA
THE MAHARASHTRA PUBLIC TRUST, ACT 1950
SCHEDULE VIII [Vide Rule 17 (1)]
Name of the Trust:- **SATARA SHAIKSHANIK ANI SANSKRUTIK SOCIETY**
67/4 Malhar Peth, Tal & dist Satara
Balance Sheet
As on 31-03-2023

FUNDS & LIABILITIES	Rs.	Rs.	PROPERTY AND ASSETS	Rs.	Rs.
Trust Funds or Corpus -			**Immovable properties - [at cost]**		
Balance as per last Balance Sheet					
Adjustment during the year	0	0.00			
			Gift Land		10020.00
			Balance as per last Balance Sheet	10020.00	
			Additions during year		
Other Earmarked Funds -		161264.00	Less- Sales during year		
(Created undr the provisions of the trust			Depreciation up to date	0.00	
deed or scheme or out of the income)					
Sinking Fund					
Reserve Fund	2424.00		**Furniture & Equipment**		9716.50
Building Fund	148820.00		Balance as per last Balance Sheet	10796.11	
Land Fund	10020.00		Additions during year		
			Less- Sales during year		
Loans (Secured or Unsecured)			Depreciation	1079.61	
From trustees		0.00			
From others	0		**Printer**	14875.00	12644.00
Less: repayment	0		Balance as per last Balance Sheet	0.00	
Anamat			Additions during year		
Liabilities -			Less- Sales during year		
For expenses			Depreciation	2231.00	
			Investments		888001.00
For rent and other deposits			**Fixed Deposit**	888001.00	
For Sundry credit Balances					
Income and expenditure Account -		1239039.09	**Current Assets**		
Balance as per last Balance Sheet	1240054.70		TDS Receivable		7358.00
Less - Appropriation if any					
	1240054.70		Advances		
Add Surplus as per income and	0.00		- To Lawyers		60000.00
Less deficit Expenditure Account	1015.61		Income outstanding		
			Interest		283179.00
			Cash and Bank Balance –		129384.59
			(a) In State Bank of India	59293.61	
			- Uco Bank	67089.98	
			(b) Cash in Hand	3001.00	
			(c) With the Manager		
			Income and Exenditure Account -		
			Balance as per Balance Sheet		
			Less - Appropriation if any		
			Add Deficits as per Income and		
			Less Surpluse Expenditure Account		
Total Rs.		1400303.09	**Total Rs.**		1400303.09

As per our report of even date

The above Balance Sheet to the best of my/our belief contains a true account of the Funds and Liabilities and the Property Assets of the & trust.

Dated at :-

Auditors

HEENA SHAIKH AND ASSOCIATES
Chartered Accountants

TRUSTEE

खजिनदार सचिव चेअरमन
सातारा शैक्षणिक आणि सांस्कृतिक सोसायटी

सातारा शैक्षणिक आणि सांस्कृतिक सोसायटी, सातारा

संस्थेला जकात व सदका या माध्यमातून मिळालेली मदत २०२३-२४

दिनांक १ एप्रिल २०२३ ते दिनांक ३१ जानेवारी २०२४ अखेर

अ.न.	नाम	देणगी
१	हाजी ताहेरखान कासमखान मुल्ला हज्जन डॉ. सईदा ताहेरखान मुल्ला	६००००.००
२	म. खुशनुमा इस्माईल ईनामदार पंढरपूर	५००००.००
३	ज. सरफराज शेरखान खान (अजन्ठा रेडीएटर्स, मुंबई)	२५००३.००
४	डॉ.. तय्यब शहाबुद्दीन शेख	२५०००.००
५	ज. अल्लाह का बंदा	२५०००.००
६	म. अब्दुल कदीर शेख	२५०००.००
७	म. खलील मुबारक खान	२५०००.००
८	ज. अशपाक मोहम्मदईकबाल सुतार	२१००१.००
९	ज. जाकिर बाबूलाल सय्यद (कोंढवा पुणे)	२००००.००
१०	म. खुदबुद्दिन हाजी अब्दुल मुल्ला	२००००.००
११	मो. अंजुमन खुदबुद्दिन मुल्ला	२००००.००
१२	म. गणीभाई नूरमहंमद शेख	२००००.००
१३	म. अब्दुल करीम फरीद शेख	२००००.००
१४	ज. दाऊद ,जाहिद, मिनाज (शेख फॅमिली)	१५०००.००
१५	म. मुबारक हैदर मुल्ला	१५०००.००
१६	म. सुरैय्या बाबालाल शेख	१५०००.००
१७	प्रा. शौकतअली गौसमोहिद्दीन शेख	११०००.००
१८	मो. सलमा मोहम्मद मौलवी	१००००.००
१९	म. असदखान पापामिया खान	१००००.००
२०	डॉ. शकील शिकलगार	१००००.००
२१	मो. नाजनीन अश्पाक सुतार	१००००.००
२२	मो. शाहिस्ता शोएब शेख	१००००.००
२३	हाजी जहूर अहमद शरफुद्दीन सराफ	१००००.००
२४	प्रा. तबस्सुम सलीम मुजावर	१००००.००
२५	मो. मुमताज सत्तार खान	१००००.००
२६	मो. नगमा मुलाणी	१००००.००
२७	मो. आफ़रीन शब्बीर मुजावर	१००००.००
२८	ज. मुख्तार खलील खान	१००००.००
२९	म. पापामिया बन्नुमिया खान	५५५५.००
३०	म. खातुनबी पापामिया खान	५५५५.००
३१	म. शमशाद बेगम मेहमूद खान	५५५५.००
३२	म. परवेज असद खान	५५५५.००
३३	म. सरवर इफ्तिकार खान	५५५५.००
३४	डॉ. जावेद इस्माईल शेख	५००१.००
३५	ज. अल्लाह का बंदा	५०००.००
३६	प्रा. अजित आप्पासाहेब पाटील	५०००.००
३७	हाजी युसूफ गफ्फार कच्छी	५०००.००
३८	ज. मोहम्मद अली	५०००.००
३९	मो. तरन्नुम शेख	५०००.००
४०	हाजी अबुल कलाम खान	५०००.००
४१	ज. मोहसिन जमीर खान	५०००.००
४२	ज. मोहम्मद अली (वाशी तुर्भे)	५०००.००
४३	ज. नजमल हुसेन खुदबुद्दिन मुल्ला	५०००.००
४४	ज. रिजवान मुल्ला	५०००.००
४५	ज. फयाज मोहम्मदईकबाल सुतार	५०००.००
४६	मो. जबीन शेख	५०००.००
४७	ज. सलीम हसन मेटकरी	५०००.००
४८	रामचंद्र	५०००.००
४९	ज. सबीर सलीम सय्यद	४०००.००
५०	हाजी अयुब मुबारक पटेल	४०००.००
५१	ज. अब्दुल रहमान शेख	३०००.००
५२	ज. मोहम्मद बाबर अहमद सिद्दीकी	३०००.००
५३	ज. शौकत यासीन मुजावर, कुपवाड	३०००.००
५४	ज. हाजी गुलाब मोहम्मदहनीफ मुजावर,कुपवाड	३०००.००
५५	ज. जहांगीर गुलाब पठाण (देशमुख कॉलनी)	३०००.००
५६	मो. शिरीन जहांगीर पठाण (देशमुख कॉलनी)	३०००.००
५७	ज. अब्दुल हमीद शेख	३०००.००
५८	मो. मेहरून्नीसा गुलाब शेख	२५००.००
५९	ज. इर्शाद मुबारक पानसरे	२५००.००
६०	ज. ताहेर इसा अली मणेर (जरंडेश्वर)	२५००.००
६१	मो. शमिना ताहेर मणेर	२५००.००
६२	ज. दस्तगीर याकुब मुल्ला	२५००.००

सातारा शैक्षणिक आणि सांस्कृतिक सोसायटी, सातारा

संस्थेला जकात व सदका या माध्यमातून मिळालेली मदत २०२३-२४

दिनांक १ एप्रिल २०२३ ते दिनांक ३१ जानेवारी २०२४ अखेर

अ.न.	नाम	देणगी	अ.न.	नाम	देणगी
६३	हाजी साजिद गुलाबहुसेन बागवान	२५००.००	९५	ज. समीर मकानदार (कोहिनूर गॅरेज)	११००.००
६४	मो. शगुफा अब्दुल हमीद शेख	२२५०.००	९६	मो. तबस्सुम खाजू	११००.००
६५	प्रा. आसीफ मुजावर	२१००.००	९७	ज. नदीम शेख	१०००.००
६६	प्रा. मेहबूब दावलसाहेब सोमजाल	२०००.००	९८	ज. सर्फराज सलीम शेख	१०००.००
६७	ज. यासीन हाजी सलीम बागवान	२०००.००	९९	हाजी दिलावर गुलाब बागवान	१०००.००
६८	मो. जमेलाबी मोहम्मद इकबाल सुतार	२०००.००	१००	ज. अबूखैर दिलावर मुजावर, कुपवाड	१०००.००
६९	हाजी झुंबरलाल आमिर हमजा मुजावर, कुपवाड	२०००.००	१०१	ज. शकील	१०००.००
७०	ज. रशीद गुलाब सय्यद	२०००.००	१०२	हाजी मोहम्मदअली मौलाअली मुल्ला	१०००.००
७१	ज. जमीर अन्वर खान	२०००.००	१०३	ज. शब्बीर मौलाअली मुल्ला	१०००.००
७२	ज. इम्रान इकबाल मुलाणी स्वरूप कॉलनी	२०००.००	१०४	ज. कादर इब्राहीम शेख	१०००.००
७३	डॉ. शाहीन मोहम्मद आसिफ मणेर	२०००.००	१०५	हाजी डॉ. दाऊद निजामुद्दीन मोमीन	१०००.००
७४	ज. मुश्ताक रहमान शेख	२०००.००	१०६	प्रा. शफिक अब्दुलमुतल्लीक नायकवडी	१०००.००
७५	ज. रियाज हाजी गौसभई बागवान	२०००.००	१०७	हाजी शाहीद हसन मुजावर विक्रांतनगर	१०००.००
७६	हाजी इकबाल अब्दुलगणी शेख (नीलम कोर्नेर)	२०००.००	१०८	हाजी शकील हाजी हारुण शेख बारावकरनगर	१०००.००
७७	हाजी सलीम हाजी अब्दुल गफुर बागवान	२०००.००	१०९	हाजी बादशाहभाई हारुणभाई बागवान	१०००.००
७८	ज. सिकंदर दाऊदखान पठाण	२०००.००	११०	म. याकुब नबीभाई बागवान	१०००.००
७९	मो. अलमास साजिद शेख	२०००.००	१११	ज. मोहम्मदरफिक हाजी अब्दुलसत्तार बागवान	१०००.००
८०	ॲड. अंजुम रुकडीकर	२०००.००	११२	ज. फारुख मो.हनीफ बागवान	१०००.००
८१	डॉ. गुलनार मोहमद रफीक बागवान	२०००.००	११३	हाजी अब्दुलगनी महताब शेख आज़ादनगर	१०००.००
८२	हाजी हारुण गफुरभाई मुल्ला	२०००.००	११४	ज. हनीफ रसूल मुलाणी	१०००.००
८३	ज. सबीर बागवान	२०००.००	११५	ज. यास्मीन शकील सय्यद	१०००.००
८४	ज. नुरुद्दीन शमसुद्दीन काझी	२०००.००	११६	ज. आफताब शकील सय्यद	१०००.००
८५	ॲड. शाहीन शिंदे	२०००.००	११७	ज. मंजूर हाजी बशीर अहमद बागवान	१०००.००
८६	ज. अदिल	२०००.००	११८	मे. सातारा टायर्स	१०००.००
८७	ज. अदिल	२०००.००	११९	ज. अकबरभाई नबीभाई शेख	१०००.००
८८	हाजी मुश्ताक ए सत्तार शेख	२०००.००	१२०	ज. शहानवाज बशीर बागवान	१०००.००
८९	ज. मुबारक इनायतुल्ला मुल्ला	२०००.००	१२१	मो. शाहीन मोहम्मद हनिफ सय्यद सय्यद	१०००.००
९०	ज. नासीर इब्राहीम शेख	१५००.००	१२२	ज. असदभाई, के. आयर्न सातारा	१०००.००
९१	हाजी इस्माईल लालखान तड़सरकर (पापाभाई)	१५००.००	१२३	हाजी जाफ़रखान गफ़ूरभाई मुल्ला	८००.००
९२	म. असदखान पापामिया खान	१२००.००	१२४	ज. अबू तालिब अजमलखान सिद्दीकी	५०१.००
९३	ज. ताजुद्दीन अकबर शेख	१२००.००	१२५	ज. गफ्फार हाजी अब्दुलकदिर शेख	५००.००
९४	ज. ज़ाकीरहुसेन इब्राहीम शिकलगार	१२००.००	१२६	ॲड. मेहबूब जमादार	५००.००

सातारा शैक्षणिक आणि सांस्कृतिक सोसायटी, सातारा

संस्थेला जकात व सदका या माध्यमातून मिळालेली मदत २०२३-२४

दिनांक १ एप्रिल २०२३ ते दिनांक ३१ जानेवारी २०२४ अखेर

अ.न.	नाम	देणगी
१२७	ॲड. अकबर अमिनूद्दीन शेख	५००.००
१२८	मो. सायरा अमिनूद्दीन शेख	५००.००
१२९	मो. जबीन जे सय्यद	५००.००
१३०	ज. इसाक कादर मुल्ला	५००.००
१३१	ज. मोहम्मद जलील हाजी ए. कादिर शेख	५००.००
१३२	हाजी मुबारक इस्माईल मुल्ला (बारावकरनगर)	५००.००
१३३	हाजी नसीम हाजी मुबारक मुल्ला बारावकरनगर	५००.००
१३४	ज. आसिफ खान (मीम ऑटो बॉडी)	५००.००
१३५	ज. रफीक अजीज बागवान	५००.००
१३६	हाजी आतिफ भाई हैदर अली कागदी	५००.००
१३७	हाजी शौकतभाई रसुलभाई बागवान	५००.००
१३८	ज. इकबालभाई बागवान	५००.००
१३९	मो. जावेदा अल नसीर शेख	५००.००
१४०	ज. मोहसिन अलनसीर शेख	५००.००
१४१	मो. सूमैय्या मोहसिन शेख	५००.००
१४२	म. यासीन इब्राहीम शेख	५००.००
१४३	म. जैनबबी यासीन शेख	५००.००
१४४	म. महंमदहानिफ यासीन शेख	५००.००
१४५	म. खुदेजान महंमदहानिफ शेख	५००.००
१४६	हाजी मोहम्मद भाई हनिफभाई	५००.००
१४७	डॉ. गफ्फार मूसा मोमीन	५००.००
१४८	ज. आफताब इसाक मुल्ला	५००.००
१४९	ज. अय्याजअहमद अब्दुलगणी शेख	५००.००
१५०	ज. रियाज अब्दुल गणी शेख	५००.००
१५१	ज. मुबारक नरवडे (जुना मोटार स्टँड)	४००.००
१५२	हाजी इस्माईलभाई अब्दुलभाई बागवान	३००.००
१५३	ज. वजीरभाई कुरेशी (मार्केट यार्ड)	३००.००
१५४	ज. समीर शब्बीर बागवान	३००.००
१५५	ज. इम्तियाज इलाही बागवान	२००.००
१५६	ज. इम्रान/इफ्तेकार अबू बकर बागवान	२००.००
१५७	ज. अब्दुल माजिद अमीरभाई बागवान	२००.००
१५८	हाजी यासीनभाई हाजी अब्दुलरहिमान बागवान	२००.००
१५९	मे. रसूल मोहम्मद आणि कं	२००.००
१६०	ज. शाकिरभई अलीभाई बागवान	२००.००
१६१	ज. आसिफ खालिद शेख	२००.००
१६२	ज. सलमान अयूब बागवान	२००.००
१६३	ज. आसिफ सय्यद	२००.००
१६४	मे. गोल्डन मटन शॉप	२००.००
१६५	ज. लियाकत शेट गुलाबभाई बागवान	२००.००
१६६	हाजी लालमोहम्मद हाजी अब्बासभाई बागवान	२००.००
१६७	ज. नजीर इस्माईल मुल्ला	१००.००
१६८	ज. अज़हर इफ्तेकर बागवान	१००.००
१६९	ज. मुन्नाभाई बागवान	१००.००
१७०	ज. फिरोज इस्माइल बागवान	१००.००
१७१	ज. अकिल रशिदभाई बागवान	१००.००
१७२	मे. हाफिज कलेक्शन निसारभाई	१००.००
१७३	ज. अमजद बागवान (लेमन किंग)	१००.००
१७४	ज. मोहमद साजिद	१०.००
१७५	ज. हामिद मलिक	१०.००
		७७४६५१.००

आपण सर्वांनी संस्थेला जकात, सदका, फितरा, इमदाद, अतिया देऊन संस्थेच्या सामाजिक कार्यात सहभागी व्हावे तसेच संस्थेचे मासिक वर्गणीदार व्हावे, ही नम्र विनंती.

सभासद फॉर्म या अंकात शेवटी जोडला आहे.

सातारा शैक्षणिक आणि सांस्कृतिक सोसायटीचे मासिक वर्गणीदार

अ.नं.	नाव	अ.नं.	नाव
१	डॉ. लियाकत हाजी अब्दुलकदीर शेख	२३	हाजी जाफरखान गफुरभाई मुल्ला
२	हाजी मोहम्मदजलील हाजी अब्दुलकदीर शेख	२४	ज. फैयाज मोहम्मदइकबाल सुतार
३	ज. अय्याज हाजी अब्दुल गणी शेख	२५	मो. जमेलाबी मोहम्मदइकबाल सुतार
४	हाजी अब्दुल मजीद फरीद शेख	२६	ज. इरफान इब्राहीम शेख
५	हाजी अब्दुलरहमान बाबाशा सय्यद	२७	ज. शफी अब्बास बागवान
६	हाजी इस्माईल लालखान तडसरकर (पापाभाई)	२८	ज. ज़ाकीरहुसेन इब्राहीम शिकलगार
७	हाजी गुलाब बापू शेख	२९	ज. असदखान पापामियाँ खान
८	ज. रियाज सत्तार खान	३०	हाजी इसाक करीम मुजावर
९	मो. मुमताज सत्तार खान	३१	हाजी मोहम्मदशरीफ गुलाब खान
१०	ज. अलनसीर महंमदहनीफ शेख	३२	हाजी डॉ. दाऊद मोमीन
११	हाजी शमसुद्दीन हाजी अब्दुल बागवान	३३	ज. मुबारक इनायतुल्ला मुल्ला
१२	ज. मुजफ्फर हाजी महामूद शेख	३४	मो. शमीम नुरमोहम्मद शेख
१३	हाजी जाहिद अब्दुललतीफ सय्यद	३५	रिगल जनरल स्टोअर्स
१४	ज. आकीब हाजी झाहिद सय्यद	३६	हाजी शफिक मोहम्मद पठाण
१५	हज्जन रजिया हाजी जाहिद सय्यद	३७	ज. हैदर साजिद झारी
१६	प्रा.गुलाबहुसेन नुरमोहम्मद मुजावर	३८	मो. मेहरुन्निसा गुलाब शेख
१७	प्रा. अमीरहामजा रसूल संदे	३९	हाजी सलीम निसार बागवान
१८	प्रा. मेहबूब दावलसाहेब सोमजाल	४०	हाजी दिलावर सरदार मुल्ला
१९	प्रा. शफिक अब्दुलमुतल्लीक नायकवडी	४१	हाजी यासीन अब्बास बागवान
२०	प्रा. शौकतअली गौसमोहिद्दीन शेख		
२१	ज. फिरोज मुबारक मेटकरी		
२२	हाजी हारुन रसूल बागवान		

उच्च शिक्षण- शैक्षणिक मदत- सन २०२३-२४, लाभार्थी विद्यार्थी

अ.न	लाभार्थी नाव व पत्ता	कॉलेज / विद्यालय	शिक्षण	रक्कम
६३५	आरजू इसरार सय्यद	St Paul	XII	५०००.००
६३६	रितू महंमद शरीफ मुलाणी		CDD	८०००.००
६३७	असद जाकीर बागवान		Cliwing	१०००.००
६३८	तमन्ना अब्दुल गणी शेख		M. P. Ed.	१००००.००
६३९	शेख आयमान आसिफ	Savitribai Phule Mahila Mahavidyalaya Satara	B.C.A.-III	८०००.००
६४०	शेख मुलानी तसनीम जावेद	Govt Polytechnic Karad	Dip Computer III	८०००.००
६४१	आरजू अलीम इनामदार	Suman Dhekane Pharmacy College	D. Pharm II	८०००.००
६४२	अबू हुरेरा उजैर शेख	K.B.P College of Management Varye	B.B.A.-III	८०००.००
६४३	शेख महेक आयुब	Y.C Institute of Science Satara	B. Sc CS-II	८०००.००
६४४	शेख सादिया युनूस	K.B.P College of Management Varye	B.C.A.-II	८०००.००
६४५	नाझ सलीम शेख	Y. C, Institute of Science Satara	XII (Sc)	३०००.००
६४६	नाझनीन समीर शेख	Vishwaraj College of Nursing	B. Sc Nursing	१००००.००
६४७	शाहिस्ता असिफ शेख	K.B.P College of Management	BC-I	८०००.००
६४८	शिकलगार अमर आकिल	Govt Engg College Karad	B.E IV	१००००.००
६४९	फरहा जमीर अहमद हयातखान	Maharaj Sayajirao Vidyalaya	XII (Sc)	५०००.००
६५०	मो. कय्युम जमीर अहमद हयातखान	D.G college Satara	B com	३०००.००
६५१	महात रेहान समीर	Singhgad Institute Lonavala	B.E Comp -IV	१००००.००
६५२	साईफा नुरुद्दीन सय्यद	Shridevo College of Pharmacy Tumkur	B. Pharm-I	१००००
६५३	पटनी अर्शिया युसूफ	Savitribai Phule Mahila Mahavidyalaya Satara	B.C.A. II	८०००.००
६५४	शेख दानिश चौंद	K.B.P College of Management Varye	B.C.A. II	१००००.००
६५५	मुजावर आफताब जहांगीर	Y.C Institute of Science Satara	B.Sc Comp-II	८०००.००
६५६	मुजावर आसिया जहांगीर	Govt Polytechnic Tasgaon	Dip IT-II	८०००.००
६५७	इस्माईल अल्ताफ सुतार	K.B.P College of Management	B.C.A.-II	१००००
६५८	सैफ हनीफ सय्यद	Y.C Institute of Science Satara	B.Sc II	८०००.००
६५९	उमर फारुख मोहम्मद मिया हाश्मी	L.B.S College Satara	B. Sc Comp	१००००.००
६६०	शेख अनम अहमद	KBP Polytechnic Satara	Dip Computer	१००००.००
६६१	खान मुजीब परवेज	K.B.P College of Management Varye	BC III	८०००.००
६६२	शेख उमर तय्यब	Govt Engg College Kolhapur	B.E Comp-I	१००००.००
६६३	मोमीन सोलेहा अश्पाक	D.G College Satara	B. Com-II	३०००.००
६६४	मोमीन अर्शिया शौकत	Y.C Institute of Science Satara	M.Sc-I	८०००.००
६६५	सारा अलीम मुलाणी			३०००.००
६६६	पटेल सानिया मेहबूब	Savitribai Phule Mahila Mahavidyalaya Satara	B.C.A.-III	५०००.००

उच्च शिक्षण- शैक्षणिक मदत- सन २०२३-२४, लाभार्थी विद्यार्थी

अ.न	लाभार्थी नाव व पत्ता	कॉलेज / विद्यालय	शिक्षण	रक्कम
६६७	असीम अजीम मुजावर	Disha Jr College Wai	FYJC	५०००.००
६६८	मुल्ला सानिया अक्रम	Savitribai Phule Mahila Mahavidyalaya Satara	B. Com-III	२०००.००
६६९	सय्यद मुफिदा रमजान	Chabada Pharmacy College	B. Pharm II	८०००.००
६७०	सय्यद आसिया रमजान	LBS College Satara	B.Sc II	३०००.००
६७१	आयेशा इकबाल मुलाणी	College of Comp pp for Woman	B.C.A.-III	५०००.००
६७२	अमान समद इनामदार	Pune institute of Comp Sc	BE IT-I	८०००.००
६७३	मेहजबीन इम्तियाज शेख	Y.C Institute of Science Satara	M. Sc I	२०००.००
६७४	लुब्ना इम्तीयाज शेख	Y.C Institute of Science Satara	B.Sc.-I	३०००.००
६७५	रूबीना अमन खान	Sushiladevi Jr College Satara	HSC	२०००.००
६७६	सायमा असिफ शेख	LBS College Satara	FYJC	३०००.००
६७७	रुकैय्या अमीर बागवान	LBS College Satara	FYJC	१०००.००
६७८	जोया रियाज बागवान	KBP Polytechnic Satara	Dip-I	५०००.००
६७९	सुलेम शकील मुल्ला	rvind Gavali College of Engg Satara	B. Voc II	७०००.००
६८०	कागदी जोया जकेरिया	Y.C Institute of Science Satara	B. Sc CS-II	५०००.००
६८१	बागवान निदा फिरोज	Vidyapratishtan Baramati	B.E Civil-IV	१००००.००
६८२	खान सुफियान जफर	Yashoda Tech Campus Satara	B.E Comp	१००००.००
६८३	अबरार अय्याज खातीब	KBP Polytechnic Satara	Diploma-1	१००००.००
६८४	बागवान नाझ रियाझ	K.B.P College of Engineering	B.E Cvl-III	१००००.००
६८५	फहीम फारूक मोकाशी	Delight College of Pharmacy Bhima Koregaon	B. Pharm-I	८०००.००
६८६	अलिशा अल्ताफ बागवान	Y.C Institute of Science Satara	B. Sc II	५०००.००
६८७	बिलाल फिरोज बागवान	Dnyashri Institute of Engg Satara	Dip Mech-II	८०००.००
६८८	यासिर अजीज पटेल	Singhgad cadamy of Engg Kondhawa Pune	B. Tech Civil-II	१००००.००
६८९	मोहंमद अब्बास इम्तीयाज डांगे	adarsh Institute os Tech Vita	Dip Comp-II	८०००.००
६९०	शाहिद अल्ताफ बागवान	SPS Satara	D. Pharm-I	८०००.००
६९१	मुबिम रफिक सय्यद	Institute of Technology Management	M.S (Optometry)	१००००.००
६९२	मुजावर मुस्कान चौंद	Bhivarabai Sawant College of Engg Pune	BE ETC IV	१००००.००
६९३	कौसर नसयुम मुल्ला	rvind Gavali College of Pharmacy Satara	B. Pharm-II	१००००.००
६९४	महेक सलीम अख्तर शेख	HenryHarvin Education Pune	Medical Coding	१००००.००
६९५	अना अतिक शेख	K.B.P College of Engineering	B.E Civil-I	१००००.००
६९६	अल्फिया जमीर बागवान	K. B. P Polytechnic Satara	Dip IT-I	८०००.००
६९७	फरहत जमीर शेख	Y.C Institute of Science Satara	XI Sc	२०००.००
६९८	सूफियाना इक़बाल अफगाण	Poona College Pune	M.B.A.	१००००.००

उच्च शिक्षण- शैक्षणिक मदत- सन २०२३-२४, लाभार्थी विद्यार्थी

अ.न	लाभार्थी नाव व पत्ता	कॉलेज / विद्यालय	शिक्षण	रक्कम
६९९	अदनान शाहिद बागवान	Y.C.M.O.U	B. Sc Media	५०००.००
७००	साजिद अहमद शेख	L.B.S College Satara	B.Sc Comp-II	६०००.००
७०१	मिस्बाह अक्रम बागवान	Patil Ayurvedic College Hathkanagale	B..M.S-I	१००००.००
७०२	महक अब्दुल रहीम शेख	K.B.P Engg College Satara	B. Tech Civil-II	१००००.००
७०३	बुशरा सलीम तांबोळी	Savitribai Phule Mahila Mahavidyalay	B.C.A.-II	८०००.००
७०४	उजैर फारुक खान मोकाशी	IBMR Chakan	MB	१००००.००
७०५	मोहम्मद साद नासिर शिकलगार	Y.C Institute of Science Satara	B.C.S-III	८०००.००
७०६	अर्श जमीर शेख	zad College Satara	B. Ed- II	८०००.००
			Total	५२१०००.००

तपशील	लाभार्थी	रक्कम रू
मार्च २०२३ अखेर	६३४	४२३९३७०
१ एप्रिल २३ ते ३१ जाने. २४ अखेर	७२	५२१०००
३१ जाने. २०२४ अखेर एकूण	७०६	४७६०३७०

सातारा शैक्षणिक आणि सांस्कृतिक सोसायटीच्या स्थानिक व परगावचे देणगीदार यांचे सोयीकरिता देणगी जमा करणेसाठी स्टेट बँक ऑफ इंडिया (सदरबझार शेती शाखा, सातारा) येथे अकौंट नं. **31044833769** उपलब्ध असून बँकेचा **IFSC** कोड **SBIN0001809** असा आहे. याद्वारे प्राप्त देणगीची पावती संबंधीतांना पाठवली जाते. या सोयीचा देणगीदारांनी लाभ घ्यावा.

UPI ID: 20340110034378@ucobank

सातारा शैक्षणिक आणि सांस्कृतिक सोसायटीचा युको बँकेचा क्यु आर कोड वर दिला आहे. तो स्कॅन करुन आपण देगणी पाठवू शकता.

सातारा शैक्षणिक आणि सांस्कृतिक सोसायटी, सातारा

शॉर्ट टर्म कोर्सेससाठी मदत २०२३-२४
३१ जानेवारी २०२४ अखेर एकूण विद्यार्थी

संस्थेकडून MSCIT/Tally/CC Course साठी आर्थिक मदत सन २०२३-२४

अ.न.	नाम	पत्ता व संपर्क	कोर्स	रक्कम
१८७	जैनब शौकत अली कातरकी	Laxmi Tekadi Sadar Bazar Satara	MS CIT	३०००.००
१८८	साफिया आसिफ खान	Karandwadi	MS CIT	३०००.००
१८९	मुस्कान फिरोज शेख	574, Shaniwar Peth Satara	Typing	३०००.००
१९०	मिजबा शौकत शेख	Lharsurne	Typing	३०००.००
१९४	मुस्कान जमीर शेख	Tandulwadi, Tal Koregaon	Typing	३०००.००
१९१	तय्यबा नजीर शेख	244 Budhwar Peth Satara	MSCIT	३०००.००
१९२	आयशा अकबरशेख	67 Malhar peth Satara	MSCIT	३०००.००
१९३	मसीरा हमीद मोकाशी	Vechale Tal-Satara	MSCIT	३०००.००
१९५	राजिया फिरोज शेख	Shirambe, Tal-Koregaon	Typing	३०००.००
१९६	शिरीन आसिफ इनामदार	Kashil	Comp.	३०००.००
१९७	सानिया अक्रम मुल्ला	Chandannagar Satara	Comp.	३०००.००
				३३०००.००

तपशील	लाभार्थी	रक्कम रू
मार्च २०२३ अखेर	१८७	४००५००
१ एप्रिल २३ ते ३१ जाने. २४ अखेर	११	३३०००
३१ जाने. २४ अखेर एकूण	१९८	४३३५००

सातारा शैक्षणिक आणि सांस्कृतिक सोसायटीच्या कार्यास हार्दिक शुभेच्छा !

मुस्लीम मॅरेज ब्युरो कमिटी, सातारा

शमसुद्दीन लांडगे
अध्यक्ष मो.: ९८२२४९३०५४

रफिक शेख
सचिव मो.: ९४२११८०२३५

हाजी जाफरखान मुल्ला
उपाध्यक्ष मो.:९८५०९५९४८५
७७९८९७१७३८

हाजी निजाम बारगीर
खनिजदार मो.: ९४०५५४३७८३

हाजी हारूण बागवान
उपाध्यक्ष मो.:८७८८८५४६२६

गौसपाक लांडगे
सहसचिव मो.:९८२३८१०५९५

फ्री सर्व्हिस ६४, मल्हार पेठ, विमल आर्केड, गिते बिल्डींग समोर, सातारा **फ्री सर्व्हिस**

गुणवंत विद्यार्थी सत्कार २०२३-२४

१२ वी बोर्ड परीक्षा -२०२३ गुणवंत विद्यार्थी पारितोषिक वितरण

मरहूम हाजी हाशमभाई तांबोळी पारितोषिक योजना (तांबोळी ट्रस्ट तर्फे)

अ. नं	नाव	टक्केवारी	बक्षीस रक्कम
१	अन्जलना हमीद तांबोळी	९०.३३%	रू. ५०००/-
२	उमर तय्यब शेख	६८.१७%	रू. ५०००/-
			रू. १००००/-

सातारा शैक्षणिक आणि सांस्कृतिक सोसायटी तर्फे विशेष पारितोषिक

अ. नं	नाव	टक्केवारी	बक्षीस रक्कम
३	अर्शिया गफूर काझी	९५.८३	रू. ३०००/-
			रू. ३०००/-

इ. १२ वी बोर्ड परीक्षा-२०२३ (मुली)

अ. नं	नाव	टक्केवारी	बक्षीस रक्कम
४	नाज अल्ताफ हकीम	७५.३३%	रू. ३०००/-
५	उज्मा समीर शेख	७१.३३%	रू. २०००/-
६	शाहिस्ता असिफ शेख	७०.६७%	रू. २०००/-
७	मिसबाह फिरोज सय्यद	६३.८३%	रू. २०००/-
			रू. ९०००/-

इ. १० वी बोर्ड परीक्षा-२०२३ (मुली)

अ. नं	नाव	टक्केवारी	बक्षीस रक्कम
१६	जोया फय्याज शिकलगार	९६.४०%	रू. २०००/-
१७	साफिया असिफ खान	९२.४०%	रू. १०००/-
१८	युसरा अख्तर बागवान	९१.८०%	रू. १०००/-
१९	जुवेरीया अबीद सिद्दिकी	९१.२०%	रू. १०००/-
२०	जुवेरीया असिफ बागवान	९०.४०%	रू. १०००/-
२१	खतीजा इम्रान बागवान	८९.६०%	रू. १०००/-
			रू. ७०००/-

इ. १० वी बोर्ड परीक्षा-२०२३ (मुले)			
अ. नं	नाव	टक्केवारी	बक्षीस रक्कम
२२	सुफीयान फय्याज शिकलगार	९५.४०%	रू. २०००/-
२३	फैझान इर्शाद नदाफ	९१.००%	रू. १०००/-
२४	रेहान सलीम शेख	८९.००%	रू. १०००/-
२५	मुजम्मील असिफ शेख	७१.२०%	रू. १०००/-
			रू. ५०००/-

इ. १२ वी बोर्ड परीक्षा-२०२३ प्रोत्साहनपर बक्षीस (मुली)			
अ. नं	नाव	टक्केवारी	बक्षीस रक्कम
२८	जिया अख्तर बागवान	५८.८३%	रू. १०००/-
२९	नाझिया अब्दुल रहीम इनामदार	५२.६७%	रू. १०००/-
			रू. २०००/-

इ. १२ वी बोर्ड परीक्षा-२०२३ प्रोत्साहनपर बक्षीस (मुले)			
अ. नं	नाव	टक्केवारी	बक्षीस रक्कम
३०	अरीन असिफ बागवान	५०.६७%	रू. १०००/-
			रू. १०००/-

इ. १० वी बोर्ड परीक्षा-२०२३ प्रोत्साहनपर बक्षीस (मुली)			
अ. नं	नाव	टक्केवारी	बक्षीस रक्कम
३१	इरम साबीर बागवान	८९.००%	रू. ५००/-
३२	फरहत जमीर शेख	८८.२०%	रू. ५००/-
३३	तझमीन समीर सय्यद	८५.४०%	रू. ५००/-
३४	सकीना दीदार अली शेख	८५.४०%	रू. ५००/-
३५	फरहा जमीरअहमद हयातखान	८४.६०%	रू. ५००/-
३६	साबिला अन्वर पटवेकर	८१.६०%	रू. ५००/-
३७	आसिया शमसुद्दीन सय्यद	८१.४०%	रू. ५००/-
३८	अक्सा इकबाल बागवान	८१.००%	रू. ५००/-
३९	सायमा असिफ बागवान	८१.००%	रू. ५००/-
४०	असबाह इख्तीयार सिद्दिकी	८०.८०%	रू. ५००/-
४१	बुशरा फिरोज कसाई	७९.००%	रू. ५००/-

अ. नं	नाव	टक्केवारी	बक्षीस रक्कम
४२	फातिमा इम्तियाज मुल्ला	७७.२०%	रू. ५००/-
४३	अर्शिया मकसूद शेख	७५.८०%	रू. ५००/-
४४	अनम झकेरिया कागदी	७५.६०%	रू. ५००/-
४५	कायनात हारून मुल्ला	७४.६०%	रू. ५००/-
४६	रुकसार इम्रान शेख	७४.६०%	रू. ५००/-
४७	जोया रियाज बागवान	६८.६०%	रू. ५००/-
४८	आलिया निजाम मुलाणी	६१.८०%	रू. ५००/-
			रू. ९०००/-

इ. १० वी बोर्ड परीक्षा-२०२३ प्रोत्साहनपर बक्षीस (मुले)

अ. नं	नाव	टक्केवारी	बक्षीस रक्कम
४९	आफी असलम शेख	५७.६०%	रू. ५००/-
५०	नूरअश्रफ अबीद शेख	५६.८०%	रू. ५००/-
			रू. १०००/-
			रू. ४७०००/-

तपशील	विद्यार्थी	रक्कम रू.
मार्च २०२३ अखेर	३८१	४३५२५०/-
१ एप्रिल २३ ते ३१ जाने. २४ अखेर	४०	४७०००/-
३१ जानेवारी २०२४ अखेर	४२१	४८२२५०/-

विद्यार्थ्यांना आवाहन

सर्व विद्यार्थ्यांना आवाहन करणेत येत आहे की, जे विद्यार्थी M.P.S.C./U.P.S.C. चे कोर्सेस करू इच्छितात अशा विद्यार्थ्यांची फी भरणेची व्यवस्था सातारा शैक्षणिक व सांस्कृतिक सोसायटीमार्फत करणेत येईल. सातारा येथे वाय. सी. कॉलेज, छ. शिवाजी कॉलेज, डी. जी. कॉलेज, व एस.जी. एम. कॉलेज कराड आदी महाविद्यालयात या कोर्सेसची सोय आहे. आपण आपल्या सोयीनुसार प्रवेश घेवू शकता. इच्छूक विद्यार्थ्यांनी विहित नमुन्यामध्ये अर्ज करावेत. अर्ज सोसायटीच्या कार्यालयात सोमवार, बुधवार व रविवार या दिवशी उपलब्ध होतील. अर्जासोबत आधार कार्ड, प्रवेश घेतल्याची पावती, उत्तीर्ण परीक्षेचे गुणपत्रक, उत्पन्न दाखला, फी स्ट्रक्चर इ. कागदपत्रे जोडावीत. (पदवी परिक्षेत किमान ६०% गुण आवश्यक)

महिलांसाठी कोर्सेस

अ.नं.	योजना	एप्रिल २००९ ते मार्च २०२३ पर्यंत लाभार्थी	एप्रिल २०२३ ते मार्च २०२४ पर्यंत लाभार्थी	एप्रिल २००९ ते मार्च २०२४ पर्यंत लाभार्थी	झालेला खर्च
१)	फॅशन डिझायनिंग कोर्स (महिलांसाठी)	५१९	०१	५२०	५,००,९५०/-
२)	ब्युटीपार्लर व मेहंदी कोर्स (महिलांसाठी)	१५३	००	१५३	१,८३,०००/-
	एप्रिल २००९ ते ३१ जानेवारी २०२४ अखेर एकूण खर्च				६,८३,९५०/-

रमजान ईदसाठी मदत

अ.नं.	योजना	मार्च २०२२ अखेर	मार्च २०२३ अखेर	एकूण लाभार्थी	झालेला खर्च
१)	रमजान निमित्त गरीब, तलाकपिडीत, विधवा महिलांना शिरखुर्मा साहित्य वाटप	६६८	५१	७१९	४,२१,५००/-

सातारा शैक्षणिक आणि सांस्कृतिक सोसायटी संचलित
MDC (Minority Development Center) सातारा दृष्टीक्षेपात

वर्ष	NSP		प्रगती स्कॉलरशीप	महा DBT स्कॉलरशीप	RTE प्रवेश	NEET फॉर्म	एकूण
	बेगम हरजत महल स्कॉलरशिप	प्री/पोस्ट मॅट्रीक स्कॉलरशीप					
२०२०-२१	०५	११	-	-	-	-	१६
२०२१-२२	२१	२०	०१	१०	०२	-	५४
२०२२-२३	२२	१७	०२	-	०१	०२	४४
२०२३-२४	१९		०१	-	०१	०१	२२

सभी स्कॉलरशिप, एज्युकेशन लोन, आरटीई अॅडमिशन के मुफ्त ऑनलाईन प्रोसेस
के लिए MDC सातारा से राब्ता करे ९४२२६४१५७९

सन २०२२-२३ या आर्थिक वर्षात मंजूर करून घेतलेले शैक्षणिक कर्ज

अ.नं.	लाभार्थी नाव व पता	शिक्षण	कॉलेज / विद्यापीठाचे नाव	कर्ज रक्कम
99	Patel Yasir jij	B. E Computer	K.B.P College of Engg	**300000**
100	Muazzam Samir Patavekar	BAMS-I	Ayurvedic Hospital Medical College Jath	**399000**
101	Misba Akram Bagwan	BAMS-I	Dr. S.R.Patil Ayurvedic Medical College Hatkanangale	**395000**
102	Piyush Pradeep Shinde	B. Arch	Trinity College of Architecture	**600000**
				1694000

तपशील	लाभार्थी	रक्कम रुपये
मार्च २०२३ अखेर	९८	३५६४१११८
१ एप्रिल २३ ते ३१ जाने. २४ अखेर	४	१६९४०००
एकूण	१०२	३७३३५११८

शैक्षणिक कर्ज मंजूरीमध्ये संस्थेचे संचालक व स्टेट बँकेचे सेवानिवृत्त मॅनेजर हा. गुलाबभाई शेख यांचा मोलाचा वाटा आहे, इच्छुकांनी त्यांच्याशी संपर्क साधावा.
मो. नं. ९४२२०३९८४५

Documents Required for Educational Loan

1) Last qualifying Examination Marksheet, with 10th or 12th Marksheet
2) CET / NEET Result
3) College / Institute, where higher education admission sought, Bonafide Certificate
4) College / Institute Fee structure for Course period.
5) Copy of the fee receipt paid to college / Institute for admission
6) Copy of the prospectus of the college
7) Aadhar card copies of student & parent
8) PAN card copies of student & parent
9) Bank A/c details of the student & parent
10) I Card size photos of student & parent
11) Income certificate of parent

आपण सर्वांनी संस्थेला जकात, सदका, फितरा, इमदाद, अतिया देऊन संस्थेच्या सामाजिक कार्यात सहभागी व्हावे तसेच संस्थेचे मासिक वर्गणीदार व्हावे, ही नम्र विनंती.

सभासद फॉर्म या अंकात शेवटी जोडला आहे.

विद्यार्थ्यांसाठी भारत सरकारची व्याज अनुदानित शैक्षणिक कर्ज योजना

केवळ आर्थिक परिस्थिती नाही म्हणून उच्च शिक्षणापासून वंचित राहणाऱ्या विद्यार्थ्यांची संख्या लक्षात घेवून त्यांचे भवितव्य उज्ज्वल घडावे यासाठी केंद्र शासनाने व्याज अनुदानित शैक्षणिक कर्ज योजना लागू करून गरीब आणि मध्यमवर्गीय विद्यार्थी पालकांना दिलासाच दिला आहे. अशा कल्याणकारी योजनेविषयी....

अर्थमंत्री (भारत सरकार) यांनी २००९-१० च्या अर्थसंकल्पात ही योजना जाहीर केली आहे. सदरची योजना भारतीय बँक संघटना (I.B.A) ने "Model Education Loan Scheme" नावाने तयार केली असून सर्व सूचीबद्ध बँका, सर्व राष्ट्रीयकृत बँकामार्फत दिल्या जाणाऱ्या शैक्षणिक कर्जासाठी लागू आहे.

योजना (Scheme)

या योजनेला केंद्र सरकारी व्याज अनुदानित, समाजातील आर्थिक दृष्ट्या कमी उत्पन्न गटातील तांत्रिक/व्यावसायिक देशांतर्गत उच्च शिक्षण (Technical Professional Courses after 12th Class) घेणाऱ्या विद्यार्थ्यांसाठीची योजना असे संबोधण्यात यावे.

अ) आर्थिक निकष (Criteria for Economically Weaker Section)

ज्या विद्यार्थ्यांच्या पालकांचे/कुटूंबाचे ढोबळ वार्षिक उत्पन (Gross Annual) रूपये ४.५ लाख (रूपये चार लाख पन्नास हजार) पर्यंत आहे. उत्पन्नाचा दाखला शासनाने अधिकृत केलेल्या अधिकारी/तहसीलदार यांचा आवश्यक आहे.

ब) योजनेची व्याप्ती :

१) मान्यताप्राप्त तांत्रिक/व्यावसायिक भारतातील अभ्यासक्रम

२) संसदेने पारीत केलेल्या कायद्यांतर्गत स्थापीत शैक्षणिक संस्था,

३) इतर मान्यताप्राप्त संस्था ज्या शासनमान्य आहेत. (राज्य व केंद्र शासन) इंडियन इन्स्टिट्युट ऑफ मॅनेजमेंट (IIMA) आणि इतर राज्य व केंद्र सरकारने स्थापन केलेल्या संस्था.

क) व्याज अनुदान योजने अंतर्गत अभ्यासक्रमाचा कालावधी अधिक नोकरी मिळाल्यानंतर सहा महिने किंवा एक वर्षापैकी जे अधिक असेल त्या कालावधीचे शैक्षणिक कर्जावरील बँकांनी आकारलेले पूर्ण व्याज अनुदानास पात राहील. या कालावधीनंतर कर्ज पूर्ण फिटेपर्यंत कर्ज योजने अंतर्गत बँकांनी आकारलेले व्याज कर्जदार विद्यार्थी/पालक यांना नियमीत भरावे लागेल. याचा अर्थ असा की, विद्यार्थ्याला बँकेने कर्ज वितरीत केलेनंतर त्याचा कोर्स पूर्ण होण्याचा जो काही कालावधी असेल त्या कर्जावरील व्याजाची जबाबदारी केंद्र सरकारने घेतली आहे.

उदा. एका विद्यार्थ्याने चार वर्षांच्या मेकॅनिकल इंजि. डिग्री कोर्ससाठी पाच लाख कर्ज घेतले आहे.त्याच्या पालक/कुटूंबाचे वार्षिक ढोबळ उत्पन्न रूपये चार लाख दहा हजार आहे. त्यास बँकेने मंजूर

पाच लाखामधून दरवर्षी एक लाख पंचवीस हजार वितरीत केले असे गृहित धरले तर त्याच्या कर्जावरील १० टक्के दराने (प्रत्येक बँकेचा व्याज दर वेगळा असू शकतो.

पहिल्या वर्षी	रूपये १२५०० व्याज
दुसऱ्या वर्षी	रूपये २५००० व्याज
तिसऱ्या वर्षी	रूपये ३७५०० व्याज
चौथ्या वर्षी	रूपये ५०००० व्याज
एकूण रूपये	१,२५०,०००/-

एकूण रूपये एक लाख पंचवीस हजार मात्र व्याजाची रक्कम भारत सरकार विद्यार्थी कर्जदारासाठी अनुदान म्हणून कॅनरा बँकेमार्फत कर्जदार विद्यार्थ्यांच्या बँककर्ज खात्यात जमा करणार आहे.

ड) नोडल बँक :

या योजनेच्या अंमलबजावणीसाठी भारत सरकारच्या मनुष्यबळ विकास मंत्रालयामार्फत कॅनरा बँकेस अधिकृत केले आहे. याचा अर्थ असा की, शैक्षणिक कर्ज देणाऱ्या बँकेने विद्यार्थ्यांच्या कर्जावरील व्याजाची मागणी तिमाही कालावधीने कॅनरा बँकेकडे करावयाची असून कॅनरा बँक त्या व्याज रकमेची पूर्तता त्या बँकेला करणार आहे.

इ) शैक्षणिक वर्ष

सदरची योजना शैक्षणिक वर्ष २००९-१० ज्याची सुरूवात ०१/०४/२००९ पासून होते त्या वर्षात विपरित केलेल्या कर्ज रकमेपासून राहील. कर्ज मंजुरीची रक्कम या तारखेपूर्वी असली तरी १ एप्रिल २००९ पासून वितरित केलेल्या कर्जास या योजनेचा लाभ घेता येईल. एखाद्या कर्जदार पालक/विद्यार्थ्याने पुढे देय होणार व्याज कोसर्ज चालू असलेल्या कालावधीत भरलेस त्यास व्याजदरामध्ये १%ची सवलत उपलब्ध होईल. प्रत्येक राष्ट्रीयकृत/सुचीबद्ध बँकांनी सार्वजनिक प्रसिद्धीसाठी आपल्या शाखेमध्ये फलकावर विशिष्ट नमुन्यात लावणीची आहे.

- गुलाब शेख
(निवृत्त बँक व्यवस्थापक)
मो. ९४२२०३९८४५

KMM

K M MUJAWAR & CO.

TAX CONSULTANT

इन्कम टॅक्स रिटर्न, जी.एस.टी. रिटर्न, रजिस्ट्रेशन, कंपनी ऑडिट व नविन कंपनी रजिस्टेशन ट्रस्ट ऑडिट, को-ऑप. ऑडिट, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, बॅलन्सशील, अकौंटींग, इन्कम टॅक्स व जी. एस. टी. केसेस व अपिलची कामे करून मिळतील.

Office Address
Abhishek Appartment, Flat No. 5, First Floor Behind Pawan Hanuman Mandir, Pantacha Got. Satara. Ph : 02162-229786 Mob. : 7385229786

गुलाब शेख
9422039845

शैक्षणिक कर्ज : Education Loan योजना

उच्च शिक्षणासाठी भारत व परदेशांत बराच मोठा खर्च येतो. यासाठी भारत सरकारच्या www.vidyalakshmi.co.in या पोर्टलवर शैक्षणिक कर्ज व स्कॉलरशिप यांच्या विविध योजनासाठी ONLINE अर्ज करण्याची सुविधा आहे. भारत सरकारचे अर्थ मंत्रालय अंतर्गत Department of Financial service यांच्या मार्गदर्शनासाठी या पोर्टलची निर्मिती झाली आहे.

Vidyalakshmi Portal काही खास वैशिष्टे

१. ही एकच अशी वेबपोर्टल आहे. ज्यावर आपण शैक्षणिक कर्ज व स्कॉलरशिप यांचा शोध घेऊ शकतो.

२. यामध्ये ३६ राष्ट्रीयकृत बॅंकासहित ९६ शैक्षणिक कर्ज योजना पाहू शकता. हा एक प्रकारे शैक्षणिक कर्ज व स्कॉलरशिप साठी गेटवे आहे.

३. विद्यार्थ्यांना एकच सामुहिक Common Education Loan Application form (Celaf) व स्कॉलरशिप साठी भरावयाचा आहे.
विद्यार्थी एकच वेळी तीन वेगवेगळया बॅंकाना अर्ज करू शकतात.

Vidyalakshmi Portal वर रजिस्टर कसे करावे.

१. स्वतःच्या लॉगीन ID व पासवर्ड तयार करा.

२. यानंतर आपल्या रजिस्टर्ड Mail ID वर Link पाठविली जाईल. आपल्या Mailbox मध्ये चेक करून त्या लिंकवर Click करावे.

३. यानंतर आपण Vidyalakshmi Login page वर येतो. या पेजवर तुमची आवश्यक माहितीची नोंद करावी.
Vidyalakshmi portal वर विविध शैक्षणिक कर्जाचा शोध.
या पोर्टलवरील Login page वर तुमची नोंद झाल्यानंतर तुम्ही Student Login हा पर्याय निवडावा व स्वतःच्या माहिती बरोबर Captcha याची ही नोंद केलेची खात्री करावी.

शैक्षणिक कर्ज योजनांचा शोध घेताना.

- Search for loan scheme चा पार्याय निवडल्यावर आपणास तीन पर्याय दिसतील. त्यानंतर
- Select the country for study.

- Select the course,
- Select the loan amount required.

शैक्षणिक कर्ज योजना निवडताना कोणत्या गोष्टींचा विचार करावा.

१.अधिकतम कर्ज मर्यादा मागणी.
२.कमीतकमी कर्ज व्याज दर
३.कमीतकमी स्वतःचा हिस्सा
४.अधिकतम Moratorium Period (कर्जपरतफेड पुढे ढकलण्याचा अवधि)

शैक्षणिक कर्ज योजनेसाठी अर्ज Portal वर भरताना खालिल आवश्यक मार्गदर्शक नियमांचे पालन करावे.

१. प्रत्येक Login Session अंदाजे फक्त दहा मिनिटे टिकून राहते.
२.प्रत्येक बॅकेचा व्याजदर वेगळा असू शकतो.
३. अर्जातील प्रत्येक स्काना Field काळजीपूर्वक करावे.
४. एक पेज भरल्यावर दुस या पेजवर जाणेपूर्वी आधिची माहिती सुरक्षित ठेवावी. तसेच अधिकृत मोबाईल नं.द्यावा.
५.एकदा अर्ज भरून submit केलेनंतर बदल करता येत नाही.

CSIS – (Central Sector Interest Subsidy Scheme)काय आहे? त्याचा कोणास लाभ घेता येतो?

भारत सरकारच्या HR Dept द्वारा ही योजना राबविली जाते. ज्या विद्यार्थ्याचे पालकांचे वार्षिक उत्पन्न रूपये ४.५ लाख रू.साडे चार लाख आहे ते विद्यार्थी या योजनेचा फायदा घेऊ शकतात. या योजने अंतर्गत पाच विद्यार्थ्याच्या कोर्स कालावधीतील बॅकानी लावलेले व्याज विद्यार्थ्याच्या कर्ज खात्यावर दर तिमाही एका विहित योजनेअंतर्गत जमा केले जाते. याचा अर्थ त्या विद्यार्थ्यास Interest free शैक्षणिक कर्ज उपलब्ध होऊ शकते.

अधिक सखोल माहितीसाठी पोर्टलवर तपास घ्यावा.

१. https://www.vidyalakshmi.co.in
२. Also login www.iba.org.in
Link for interest subsidy
Toll free : १८००४२५३८००
१८००११२१११
०८०२६५९९९९०

महाराष्ट्र टाईम्स - दि. २६ नोव्हेंबर २०२३

हमीद दलवाई यांच्या पुढाकारातून कोल्हापूर येथे भरलेल्या पहिल्या 'मुस्लिम शिक्षण परिषदे'ला ५० वर्षे पूर्ण होत आहेत. त्या निमित्ताने देशातील मुस्लिमांच्या शिक्षणाबद्दलच्या सद्यस्थितीचा घेतलेला हा आढावा.

मुस्लिमांचे शैक्षणिक वास्तव

प्रा. शरद जावडेकर

mtedit@timesgroup.com

धर्मनिरपेक्षता, विज्ञाननिष्ठा, स्वातंत्र्य, समता या आधुनिक मूल्यांच्या आधारे मुस्लिम समाजाच्या समस्यांचे सत्यशोधन हमीद दलवाई यांनी केले. समाजाच्या अवनतीचे मूळ कारण 'अविद्या' आहे, हा महात्मा फुले यांचा विचार लक्षात घेऊन, दलवाई यांनी ३० व ३१ डिसेंबर १९७३ रोजी कोल्हापुरात 'मुस्लिम शिक्षण परिषद' आयोजित केली होती. त्याला यंदा पन्नास वर्षे पूर्ण होत आहेत. या काळात भारताचे राजकीय, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, पर्यावरण आमुलाग्र बदलले आहे; परंतु मुस्लिमांच्या शिक्षणाबद्दलची स्थिती काय आहे? स्वातंत्र्याच्या अमृत महोत्सवाच्या निमित्ताने व हमीदभाईंच्या परिषदेच्या अर्धशतकाच्या निमित्ताने मुस्लिमांच्या शैक्षणिक स्थितीचा वेध घेणे आवश्यक ठरते.

सन २०१७-१८मध्ये देशातील एकूण साक्षरता ७५.५ टक्के होती. पुरुष व स्त्रियांची साक्षरतेची टक्केवारी अनुक्रमे ८४ व ७०.३ होती. मुस्लिम समाजात एकूण साक्षरता ७४.७ टक्के होती. पुरुष व स्त्रियांच्या साक्षरतेची टक्केवारी अनुक्रमे ८०.६ व ६८.८ होती. मुस्लिम समाजातील साक्षरतेची टक्केवारी देशाच्या टक्केवारीच्या पुष्कळ जवळ आली आहे, ही आनंदाची गोष्ट आहे. ही साक्षरतेची टक्केवारी अनुसूचित जाती (एससी), अनुसूचित जमातीच्या (एसटी) टक्केवारीपेक्षाही जास्त आहे आणि इतर मागासवर्गीयांपेक्षा (ओबीसी) कमी आहे. शालेय स्तरावरच्या पट नोंदणीचा विचार केला, तर प्राथमिक स्तरावर एससी, एसटी, ओबीसी व मुस्लिम यांची पटनोंदणी शंभर टक्के आहे; पण मुस्लिम मुलांची पट नोंदणी उच्च माध्यमिक स्तरापर्यंत ४९ टक्क्यांपर्यंत घसरते, तर उच्च माध्यमिक स्तरापर्यंत एससी, एसटी व ओबीसी यांची पटनोंदणी अनुक्रमे ६०, ५२.८ व ७०.७ होती. प्रत्यक्ष विद्यार्थ्यांच्या उपस्थितीचा विचार केल्यास, प्राथमिक स्तरावर एससी, एसटी, ओबीसी व मुस्लिम गटामध्ये विद्यार्थ्यांची उपस्थिती अनुक्रमे ८६, ८६, ८४ व ८२ टक्के आहे, तर उच्च माध्यमिक स्तरावर ही उपस्थिती अनुक्रमे ३२, ३७, ४५ व ३० टक्के आहे. शिक्षणाचा स्तर जसा वाढत जातो; तसा मुस्लिम समाज एससी, एसटी आणि ओबीसी यांच्याहून मागे पडल्याचे दिसते.

उच्च शिक्षणातही असेच चित्र दिसते. सन २०२१-२२च्या च्या आकडेवारीनुसार २०१९-२०च्या तुलनेत २०२०-२१मध्ये एससी, एसटी आणि ओबीसी या वर्गांत उच्च शिक्षणातील विद्यार्थिसंख्या अनुक्रमे ४.२, ११.९ आणि चार टक्क्यांनी वाढली आहे, तर मुस्लिम मुलांची संख्या आठ टक्क्यांनी कमी झाली आहे. मुस्लिमेतर गटामध्ये उच्च शिक्षणात मुलग्यांची संख्या मुलींपेक्षा जास्त आहे, तर मुस्लिम गटात उच्च शिक्षणात मुलींची संख्या मुलग्यांपेक्षा जास्त आहे. (मुलगे ९.५४ लाख, मुली ९.६७ लाख) उच्च शिक्षणातील एकूण विद्यार्थ्यांमध्ये एससी, एसटी, ओबीसी व मुस्लिम यांची टक्केवारी अनुक्रमे १४.२८, ५.८, ३८.८ व ४.६ आहे. उच्च शिक्षणात मुस्लिम समाज खूपच मागे पडला आहे.

मुस्लिम प्राध्यापकांची टक्केवारी ५.६ टक्के असून, हे प्रमाण एससी, ओबीसी यांच्यापेक्षा कमी आणि एसटी वर्गीयांपेक्षा जास्त आहे. मात्र, मुस्लिम प्राध्यापकांची संख्या मुस्लिम संस्थांमध्येच जास्त असते. मुस्लिमेतर शिक्षण संस्थांमध्ये मुस्लिम प्राध्यापक नसतात किंवा असलेच तर अत्यल्प असतात. मुस्लिम मुलांचे उच्च शिक्षणातील एकूण नोंदणीचे प्रमाण २०२२मध्ये ८.९१ आहे. देशात हे प्रमाण २७.१ असून, एससी आणि एसटी यांच्यात ते अनुक्रमे २३ व १९ टक्के आहे. मुस्लिम मुलांची एकूण नोंदणी प्रमाण सर्वांत कमी आहे. यात मुलग्यांचे प्रमाण ८.४ टक्के, तर मुलींचे प्रमाण ९.४४ टक्के आहे, म्हणजे मुस्लिमांत मुली जास्त प्रमाणात उच्च शिक्षणात येतात, तर मुलगे रोजंदारीवर जातात, असाच याचा अर्थ.

उर्दू माध्यम आणि मदरसे

उर्दू माध्यमाचा प्रश्न ५० वर्षांपूर्वी हमीद दलवाई यांनी उपस्थित केला होता. आजही सर्वत्र असा समज आहे, की मुस्लिम मुले मोठ्या संख्येने मदरशात व उर्दू माध्यमाच्या शाळेत जातात; त्यामुळे आधुनिक कालखंडात ती मागे पडतात. सत्य मात्र संपूर्ण वेगळे आहे. टाटा समाजशास्त्र संस्थेतील प्रा. डॉ.अब्दुल शाबान यांनी २०१३मध्ये राज्यातील उर्दू माध्यमाच्या शाळांचा अभ्यास केला. त्यांच्या अभ्यासानुसार, राज्यात उर्दू माध्यमाच्या शाळांचे प्रमाण ४.७ टक्के होते. राज्यातील एकूण विद्यार्थ्यांच्या तुलनेत उर्दू माध्यमात शिकणाऱ्यांचे प्रमाण ५.७ टक्के होते. यात मुलींचे प्रमाण ७.२ व मुलग्यांचे प्रमाण ४.७ टक्के होते. सन २०११च्या जनगणनेप्रमाणे उर्दू भाषा बोलणाऱ्यांचे प्रमाण ४.३४ टक्के होते. सच्चर समितीच्या पाहणीनुसार केवळ चार टक्के मुस्लिम मुले 'मदरशात' जातात. मुस्लिम पालकांचा ओढा इंग्रजी माध्यमाकडे वाढत आहे, ही स्वागतार्ह बाब आहे. मुस्लिम समाजाच्या शैक्षणिक प्रगतीचे चित्र संमिश्र आहे. देशात १४ टक्के लोकसंख्या असलेल्या मुस्लिम समाजातून उच्च शिक्षणात विद्यार्थ्यांची टक्केवारी ४.६ टक्के आहे. 'नॅशनल क्राइम ब्यूरो'च्या २०२१च्या आकडेवारीनुसार, तुरुंगातील मुस्लिम कैद्यांची टक्केवारी त्यांच्या लोकसंख्येच्या दुप्पट, म्हणजेच ३० टक्के आहे. व्हिक्टर ह्युगो या विचारवंताने म्हटले आहे, 'शाळांचे दरवाजे बंद झाले, की तुरुंगाचे दरवाजे उघडावे लागतात.' शैक्षणिक मागासलेपणाचा परिणाम आर्थिक, राजकीय, सामाजिक मागासलेपणावर होत असतो, हेच मुस्लिम समाजाच्या संदर्भांत झाले आहे.

शैक्षणिक मागासलेपणा का?

मुस्लिम समाजाच्या शैक्षणिक मागासलेपणाला आर्थिक, राजकीय, सामाजिक, सांस्कृतिक कारणे आहेत. स्वातंत्र्यानंतर केंद्र सरकारने मुस्लिमांच्या शिक्षणासाठी जे भरीव काम करायला पाहिजे होते, ते केले नाही. मुस्लिम समाजाच्या अंतर्गत नेतृत्वाकडे पुरोगामी दृष्टीचा बराचसा अभाव आहे; त्यामुळे हा समाज मागे राहिला आहे, तरीही त्यात पुष्कळ सकारात्मक बदल होत आहेत. गेल्या तीन दशकांत देशात मुस्लिम विरोधी वातावरण तयार केले गेले. अल्पसंख्याकांच्या मनात असुरक्षिततेची भावना निर्माण केली गेली; त्यामुळे जगण्याच्या व अस्तित्वाच्या संघर्षात शिक्षणाचा प्रश्न मागे पडला आहे.

शिक्षणाचे खासगीकरण, बाजारीकरण, सार्वजनिक शिक्षण व्यवस्था उद्ध्वस्त करण्याचे धोरण देशात १९९०पासून अमलात येत आहे. याचा विपरीत परिणाम सर्वच कष्टकरी, मागास घटकांवर होत आहे, ते शिक्षणातून बाहेर फेकले जात आहेत. त्याला मुस्लिम समाज अपवाद नाही. मुस्लिम समाजातील मुलांसाठी शिक्षणातील अडथळा म्हणजे दारिद्र्य! शाळांमध्ये ९२ टक्के मुस्लिम मुलांची गळती गरिबीमुळे होते. ७८ टक्के गळती पालकांच्या निरक्षरतेमुळे, ३७ टक्के गळती मुलींची लवकर लग्न झाल्यामुळे होते. यावर उपाय म्हणजे, शिष्यवृत्ती देणे हाच आहे. पंतप्रधान १५ कलमी कार्यक्रमात मॅट्रिकपूर्वपासून पीएचडीपर्यंत शिक्षणासाठी शिष्यवृत्ती पूर्वी दिल्या जायच्या; पण २९ नोव्हेंबर २०२२पासून पहिली ते आठवीपर्यंतच्या शिष्यवृत्ती आणि ८ डिसेंबर २०२२पासून उच्च शिक्षणासाठीच्या 'मौलाना आझाद शिष्यवृत्ती' केंद्र सरकारने बंद केली. अल्पसंख्याक कार्य मंत्रालयावरचा खर्च केंद्र सरकारने कमी करत नेला आहे. सन २०१८-१९मध्ये केंद्र सरकारच्या एकूण सार्वजनिक खर्चाचा अल्पसंख्याक मंत्रालयावरचा खर्च ०.१९ टक्के होता, तो २०२२-२३ मध्ये ०.१२ टक्के झाला आहे.

उपाययोजना कोणत्या?

या साऱ्यामुळे सर्वच अल्पसंख्याक समाजाची मुले शिक्षणापासून अलग होण्याचा धोका आहे. यातून मार्ग काढण्यासाठी खालील उपाययोजना करणे आवश्यक आहे.

- समाजातील सर्वच घटकांना समान, मोफत व गुणवत्तापूर्ण शिक्षण देणे, ही सरकारची घटनादत्त जबाबदारी आहे. ती पार पाडली जावी.
- सार्वजनिक शिक्षण व्यवस्था कार्यक्षम असली पाहिजे; त्यासाठी शिक्षणात राष्ट्रीय उत्पन्नाच्या आठ टक्के खर्च झाला पाहिजे.
- बहुसंख्य मुस्लिम मुलांकडे तांत्रिक कौशल्य असते; तसेच अनेक जण स्वयंरोजगारात गुंतलेले असतात; त्यामुळे तांत्रिक कौशल्य विकास व उद्योजकता विकास यांवर भर देणे आवश्यक आहे. यासाठी बँकांनी सरळ अर्थ पुरवठा करण्याची गरज आहे.
- रंगनाथ मिश्रा समितीच्या सूचनेप्रमाणे मुस्लिम, इतर मागास वर्ग यांना आरक्षण द्यावे.
- मुस्लिम मुलांसाठी अतिरिक्त शिष्यवृत्ती द्याव्यात. मुलींसाठी वेगळ्या शिष्यवृत्ती असाव्यात. वसतिगृहांच्या सोयी हव्यात.
- शिक्षणाचा आशय व शैक्षणिक वातावरण हे धर्मनिरपेक्ष व विज्ञाननिष्ठ असलेच पाहिजे.
- इंग्लिश भाषा चांगल्या प्रकारे शिकविण्याची सोय सर्व शाळांमध्ये केली जावी. उर्दू ही तिसरी भाषा म्हणून शिकवली जावी व त्याचा लाभ मुस्लिमेतरांनादेखील मिळावा.

महात्मा गांधी म्हणत असत, की हिंदू व मुस्लिम माझे दोन डोळे आहेत; पण भारतीय समाजाचा एक डोळा अधू राहिला, तर कायमचा दृष्टी दोष राहील. हे टाळणे गरजेचे आहे. त्यासाठी होत असलेल्या सकारात्मक बदलांचे स्वागत करणे आणि नकारात्मक बदलाला विरोधच करणे आवश्यक आहे.

(लेखक अखिल भारतीय समाजवादी शिक्षण हक्क सभेचे ज्येष्ठ कार्यकर्ते आहेत.)

संवाद

तालीम

''अल हम्दुलिल्हाही वहदहू वस्सलातू वस्सलामू आला मल्ला नबीय बादहू'' अम्मा बआद

तमाम तारीफे अल्लाह के लिए है। जो यकता है। और दूरूद ओ सलाम उस पर जिसके बाद कोई नबी नही।

(सही अबू दाऊद जिल्द २/६९८)

''वकालल्लाहू तआला फिल कुराआनील हकीम'' अल्लाह तआला कुरआन हकीम मे फरमाता है।

''आऊजू बिल्ला हिमीनीश शैताँनिर्रजीम बिस्मीलाहीं रहमा निर्रहीम।''

मै पनाह चाहता हू शैतान मर्दुद से' अल्लाह के नामसे शुरू करता हूँ, जो रहमान और रहीम है।

''इक-रअ बिस्मी रब्बीकल्लजी खलक'' (१) (सुरह अलक आयत १ से ५)

अपने रबके नामसे पढीये जिसने पैदा किया

'ख-ल-कल इंसान मिन अ-लक'(२)

उसने इंसान को जमें हुए खुनसे पैदा किया।

इक्रअ व रब्बुकल-अक्रमू (३)

पढीए और आपका रब बड़ा करीम है।

''ल्लजी अल्ल-मा बिल क-लम'' (४)

वो जात जिसने कलम के जरीए इल्म सिखाया।

''अल्ल-मल इंसान मालम यअ-लम''(५)

उसने इंसान को वो इल्म सिखाया जो वो नही जानता था।

''व अल-ल-म आदमल अस्म-अ कुल्लहा
सुमम अ-रज-हुम अलल मला-ईकती
फ-का-ल अम्बीऊनी बि अस्मा-ई हा- उला-ई
इन कुन्तुम सादीकीन'' (सुरह बकराह आयत-३१)

और उसने आदम को सबके सब नाम सिखा दिए फिर उन्हे फरीश्तो के सामने पेश किया और कहा अगर तुम सच्चे हो तो मुझे इन चिजोंके नाम बताओं

अस्सलामो अलैकुम रहमतुल्लाहे बरकातूह

बिरादराने मिल्लते इस्लामिया के नाम एक अहम पैगाम

दिनी उलूम के साथ असरी उलूम की यक्सा बेहद अहमीयत और उसकी जरूरत है।

गरीबी, मुफलीसी तंगदस्ती पसेमंदमी से बाहर निकलने का एक ही रास्ता है। ''**वह तालीम है।**''

चाहे इंसान गरीब हो या अमीर, चाहे औरत हा या मर्द, हर किसी इंसान की बुनीयाद जरूरतो में से एक बुनीयादी जरूरत तालीम है। तालीम का मकसद है, मुल्क के दस्तुरे अमल (संवीधान) के तहत जानकारी हासील करना। इल्म, मुआल्लीन, तालीम वगैरा अल्फाज इन नेमत से जुडे हुए है। जिसको हम इल्मुल अस्मा, इल्मे हिदायत के नाम से भी जानते है। हर मोहज्ज़ब कौम में तालीम पर जोर दिया गया है। हर मोहज्ज़ब कौम चाहती है कि ज्यादा से ज्यादा तालीम हासील करे। तालीम का पहला फायदा ये है की, उससे इंन्सान अपने आपको पहचाने। तालीम ही के जरीए बंदे-ए- खुदा अपने खालीके कायनात की मारीफत हासील करता है। इसके अता करदा नियामतों पर शुक्र अदा करता है। और खालीके कायनात के कुदरते कामीला पर यकीन करता है। उसकी सनाख्वाँनी मे लब तर रखता है। इस वसी

कायनात से मुतास्सीर होकर उसकी बढ़ाई बयान करता है। मजीद तालीम की रोशनी में इंसान हक और ना हक मे फर्क करता है। हलाल को अपनाता है और हराम से परहेज करता है। तालीम का इंसानपर यहीं अजीम एहसान है। तालीम के जरीए इंसान मुखतलीफ मसाईल का हल तलाश करता है। दहशतगर्दी, महजबी तास्सुब, नस्ली तास्सुब, इलाख्वाही तास्सुब वगैरा बुराईयाँ से दूर रहता है। ईन बुराईयोका हल तलाश करनेमे सरगर्म हो जाता है। तालीम के जरीए पुरअमन माहौल बनता है। जिससे तरक्कीके मौके बढ़ जाते है। इससे तवारीख का भरपूर मुताअला किया जाता है। तवारीख के असबाब कि जिदंगी मे बरूएकार लाया जाता है। जिससे हाल और मुस्तकबील दोनो संवर जाते है। तालीम हर जमाने की जरूरत है। बल्की आज के दौर मे तालीम कि अहमीयत व जरूरत बहोतही जादा बढ़ गयी है। फि जमाना, फिलहाल सायन्स और टेक्नॉलॉजी का दौर है। पुरी दुनिया में इंटरनेट और मस्नई जहानत (Artificial intelegence) का बोल बाला है। आज अगर कोई अनपढ है तो उसका जिना और मरना एक जैसा है। आज छोटे से छोटे कामके लिए इल्म को हाजत है। ऑनलाईन निझाम ने हर किसी को तालीम के फवाईदसे रूशनास कराया है। अब मस्नोई इंसान इंन्सान का काम करते है। आइंदा इन्सान इतनी तरक्की करके मस्नोई जहानत वाले मस्नोई इंसान ले लेंगे। जबकी पुरी दुनिया (Digital World) बनने जा रही है। तालीम की अहमीयत और जरूरत बहुत ही जादा बढ़ते ही जा रही है। अब रिवायती तालीमको मौजूदा दौर के साथ बदलने की जरूरत का अहसास हो गया है,

तालीम कौमोंका बढ़ा एसासा (खजाना) है इस जेवर को संभालना बहूत जादा जरूरी है। तरक्कीके मनाजील तय करने के लिए हमे तालीम की तरफ बहुत ही जादा फिकरमंदी की जरूरत है। ''मुस्लीम कौम की जिदंगी, इल्म और अमल के वगैरे ना मुकम्मल है'' ''मुकम्मल इंसान और मुसलमान होने के लिए तालीम को हकीकी मानों मे हासील करना होगा।'' मुसलमानों की शनाख्त इल्म ओ अमल से है। ऐ अल्लाह मुसलमानों को इल्म ओ अमल व तकवे के जरीए तेरी रजा हासील करनेकी तौफीक इनायत फरमा

आमीन, सुम्मा आमीन.

अल्हाहुम्मा इन्नी असअलुक इल्मन नाफीओं व रिज्कन तय्यबौ व अमलम मुतकब्बला.

ऐ अल्लाह बेशक मै तुझसे नफा देणेवाले इल्म, पाकीजा रिज्क और कबुलीयतवाले अमल का सवाल करता है।

(सही इब्जेमाजा जील्द१/सफा १५२)

नोट : इस दौर मे गुरबा गरीब, तलबा और तालीबात को असरी उलूम हासील करना मुश्कील ही नही बल्के ना मुनकीन है। अल हमदु लिल्लाह सातारा शैक्षणिक और सांस्कृतिक सोसायटी एक ऐसा इदारा शहर सातारा में मौजूद है। जहाँ से कुछ तलबा और तालीबात को असरी तालीम हासील करने के लिए कुछ माली ताऊन हासील होता है। अलहमदुल्लील्लह यह इदारा बीस सालसे काम कर रहा है। यह इरादा तकरीबन सालाना ९-१० लाख रूपये असरी तालीम पर खर्च करता है। इस कारे खैर मे अहले खैर हाजरात का ताऊन है। अल्लाह तआला से दुआँ है की इस इदारे के अराकीन व मुंतजीमीन के इल्म ओ अमल व तकवे में खैर बरकत दे। ऐ अल्लाह इस इदोर के अहले खैर माँवीनीन के इल्म ओ अमल व तकवे में खैर ओ बरकत दे।

आमीन सुम्मा आमीन

दुआँगो: **सय्यद नुरूद्दीन रियाजी**
रायगांव, ता. जावली, जि. सातारा
फोन : ९७६६३९६४८९

सातारा 'बैतुलमाल कमिटी

एक प्रगतीशील सेवा संस्था

हाजी इब्राहिम बाबाशेट तांबोळी व त्यांचे सहकारी हाजी आमीन भाई कच्ची, हाजी शाकीरभाई बागवान, ज. मुख्तारभाई पालकर, ज. सादिकभाई बेपारी व साताऱ्यातील इतर सेवाभाई सहकाऱ्यांनी कोवीड या भयावह आपत्तीच्या वेळी समाजातील सर्व धर्मातील गरजू घटकांना मदतीचा हात देण्यासाठी ही सेवा भावी संस्था स्थापन केली. अत्यंत त्यागपूर्ण भावनेने, समाजाचे आपण देणे लागतो या विचाराने प्रेरीत होऊन अनेक नैसर्गिक संकटाचे वेळी समाजातील सर्व धर्मातील घटकांना मदतीचा हात, भावनिक आधार देऊन त्यांच्या जीवनात प्रकाश निर्माण करणेचा कृतीशिल प्रयत्न केला आहे. धर्मापलिकडे जाऊन केवळ माणुसकीचे नाते जपण्यासाठी कमीटीचे सेवाभावी काम अविरत चालू आहे. त्यांच्या सामाजिक कामाचे स्वरूप बहुआयामी आहे. निराधार, भुकेल्या, अन्नासाठी कोणाच्या तरी मदतीची वाट पाहणाऱ्या दरिद्री नारायणासाठी दररोज शंभर लोकांचे अन्न शिजवून त्यांचेपर्यंत ते पोहोचवले जाते. शहरातील विविध भागातून अशा लोकांचा कार्यकर्त्यांच्या मार्फत शोध घेतला जातो व त्यांना जागेवर अन्नदान केले जाते. हे पवित्र काम सामाजिक उत्तरदायित्व व अल्लाहची आज्ञा मानून केले जाते.

हे अन्नदान रोज महिन्याचे तीस दिवस व वर्षाचे तीनशे पासष्ट दिवस, पाऊस, पाणी, थंडी, ऊन, वारा याचा विचार न करता अव्याहत चालू आहे. मानव सेवा हीच अल्लाची सेवा हा भाव जपला जात आहे.

दोन वर्षापुर्वी चिपळूण– कोकणात अतिवृष्टीने आलेल्या संकटाने लोकांची घरे पडली. जीव वाचविण्यासाठी लोक घराबाहेर पडले व पावसाने आकाशाखाली निराधार झाले. शासकीय मदतीची वाट न पाहता संकटग्रस्त चिपळूण भागातील लोकांच्या मदतीला बैतुलमाल कमिटीचे सर्व कार्यकर्ते धावून गेले व त्यांनी ४२७ घरातील गरजूंना त्यांच्या रोजच्या गरजेच्या सर्व वस्तुंचा पुरवठा करून मानवतेचा आदर्श निर्माण केला. अंगावरील कपडे, पांघरून, स्वयंपाकाचे सर्व सामान, अन्नधान्य आटा, शिधा ते अगदी टूथपेस्टपर्यंत त्यांची गरज पूर्ण केली. कोरोना संकटाचे वेळी लोकांची मोफत चाचणी करून त्यांना आरोग्य सुविधा व मानसिंक आधार देण्याचे सामाजिक कार्य या संस्थेने केले आहे. पाचशेपेक्षा जास्त गरजूंना त्याचा लाभ झाला.

झोपडपट्टीत राहणारे, अपंग, निराधार, परित्यक्ता, विधवा आदी समाजातील दुलर्क्षित घटकातील दीडशे कुटूंबाना दरमहा गरजेचा शिधा व इतर जीवनाआवश्यक वस्तुंचे कीट त्यांच्या घरी पोहोच केले.

फळांचे विक्रेते, छोटे व्यवसायिक गाडा चालवून आपली रोजी रोटी कमवित असतात. यापैकी अनेकजण आपला गाडाही विकत घेऊ शकत नाही. गाड्याच्या भाड्यापोटी त्यांच्या कमाईचा एक मोठा हिस्सा जातो. अशा गरजूंचा मानवतेच्या दृष्टीकोनातून विचार करून गरजू गरीब हातगाडीवाल्यांना गाडी उपलब्ध करून त्यांची कमाई वाढविली आहे व दहा कुटूंबांना आत्मनिर्भर केले आहे.

मस्जिद परिचय

अगदी अलीकडचा सातारा बैतुलमालचा अत्यंत प्रागतिक व समाजाभिमुख कार्यक्रम म्हणजे ७ जानेवारी २०२४ रोजी आयोजित केलेला मस्जिद परिचय.

सातारा शैक्षणिक आणि सांस्कृतिक सोसायटी, सातारा

एक अनोखे सामाजिक अभियान, इतर धर्मियांना मस्जिद खुली करून त्यांच्या मनातील अनेक शंकांचे निरसन करून सांप्रदायिक सद्‌भाव जपण्याचा प्रयत्न या माध्यमातून केलेला आहे. हा अनोखा प्रयोग अत्यंत यशस्वीपणे सातारा येथील शाही मस्जिद मध्ये पार पडला. सर्व धर्मियांनी या कार्यक्रमात हजेरी लावली. साताराचे जनहितदक्ष, खासदारासो श्रीमंत छत्रपती उदयन राजे भोसले महाराज व आमदार श्रीमंत छ. शिवेंद्रसिंहराजे भोसले यांनी उपस्थित राहून या उपक्रमाचे कौतुक केले आणि इतरांनीही त्याचा आदर्श घ्यावा असे सूचित केले. तसेच सामाजिक कार्यकर्त्या वर्षा देशपांडे, श्री. नरेंद्र पाटील व इतर विविध क्षेत्रातील मान्यवरांनी देखील या कार्यक्रमात हजेरी लावली व बैतुलमाल कमिटीच्या उपक्रमाची प्रशंसा केली.

या प्रसंगी पवित्र कुरानची मराठी प्रत व इस्लामधर्म, प्रेषीत मोहमंद पैगंबर याविषयी सानेगुरूजी व इतर लेखकानी लिहलेल्या पुस्तकाचे मोफत वितरण करणेत आले. अनेकांनी बैतुलमाल कमिटीच्या या उपक्रमाचे एक प्रगतीशील, सामाजिक व सांप्रदायिक सद्‌भाव जपणारा उपक्रम म्हणून कौतुक केले व महाराष्ट्रातील सर्व ठिकाणी याचे अनुकरण व्हावे अशी अपेक्षा व्यक्त केली.

सातारा बैतुलमाल कमिटीच्या माध्यमातून समाजाची सेवा यापुढेही होत राहो, ही दुआँ.

गुलाब शेख
माजी अध्यक्ष,
सातारा शैक्षणिक व सांस्कृतिक, सोसायटी, सातारा

EAB

इफ्तेकार :- 9518961332
इम्रान :- 9850216160
8793457757

इफ्तेकार हाजी अबूबकर बागवान
इम्रान हाजी अबूबकर बागवान

कांदा, बटाटा, लसूणचे होलसेल व्यापारी व अडते

हाजी अबूबकर बागवान ॲण्ड सन्स
असिफ (अजहर) 9156835166

* शुक्रवारी मार्केट बंद राहील *

गाळा नं. ११ श्री. छत्रपती शाहू मार्केट यार्ड, सातारा - ४१५००१

एन.आर.सी. बेदारी मूहिम

NPR एनपीआर : नॅशनल पॉप्युलेशन रजिस्टर (National Population Register)

CAB सि ए बि : सिटीझनशिप अमेंडमेंट बिल या नागरीकता बिल (citizenship amendment Bill)

NRC एनआरसी : नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटीझन्स् (National Register of Citizens)

अस्लामू अलैकुम हजरात,

मरकजी हुकूमत ने एनपीआर NPR यानी नेशनल पापुलेशन रजिस्टर (National Population Register) को १ अप्रैल २०२० से लागू कर दया है.

एनपीआर क्या है ?

NPR एनपीआर : नेशनल पापुलेशन रजिटर

(National Population Register)

एनपीआर मतलब जनगणना है जो हर १० साल में की जाती है, एनपीआर एक नॅशनल पापुलेशन रजिस्टर (National Population Register) है जिसके जरिए भारत मे रहने वाले मूल्की व गैर मूल्की तमाम नागरिकों की शिनाख्त (पहचान) का रिकॉर्ड रखा जाता है, ये जनगणना की कार्यवाई है जो ईस से पहले भी हो चुकी है मगर इस मर्तबा एनपीआर रिकॉर्ड की हुकूमत डिजिटलाइजेशन करना चाहती है यानी तमाम नागरकों का रिकॉड आधार कार्ड क तरह डिजटल करना चाहती है, याद रखें की एनपीआर जनगणना की तरह डाटा जमा करने का एक तरीका है, मगर इस बार एनपीआर के साथ या एनपीआर होने के बाद या एनपीआर को मूद्दा बना कर मरकजी हुकूमत एनआरसी यानी नॅशनल रजिस्टर ऑफ सिटीजनशिप (National Register Of Citizenship) लागू करना चाहती है.

सिटीजनशिप अमेंडमेंट बिल क्या है ?

CAB : सि ए बि : सिटीजनशिप बिल या नागरीकता संशोधन बल

(citizenship amendment Bill)

citizenship amendment Bill १९५५ मे पहेल बार जूलै १९८७ मे संशोधन किया गया और फिर उस्के बाद दिसंबर २००४ मे मगर इस बार एनपीआर से पहले मकरजी हुकुमत फिर एक बार ईस बिल में संशोधन करना चाहता है जिस्के लिए हुकूमत ने कैबिनेट के अंदर नए संशोधन के लिये सिटीजनशिप अमेंडमेंट बिल यांनी सि ए बी को मंजूरी दी है जिसकी बिना वह ऐसा संशोधन करना चाहती है के हर वो गैर मुस्लिम जो इस मुल्क में पिछले ६ साल से रह रहा है वह भारतीय नागरिक बनाया जाएगा यांने उसे भारत की नागरिकता प्रदान की जाएगी ये बिल इस से पहलेभी लोकसभा मे पेश हो चुका था जिस लोकसभा मे मंजूर करा के राज्यसभा भेजा गया और राज्यसभा में हुकूमत ये बिल पास करा नही पायी, अब ये बिल दोबारा पर्लिमेंट के दोने सदनो मे पेश होगा.

नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटीजंस क्या है।

NRC एनआरसी : नेशनल रजिटर ऑफ़ सिटीझंन्स

(National Register Of Citizens)

हर मूल्क के पास अपने देश की नागरीकता प्राप्त नागरीकों का रिकॉर्ड होता है जिस एनआरसी नॅशनल रजिस्टर ऑफ सिटीजंस कहते है और एनआरसी का

लागू हो जाना मतलब नागरीकों की खूद को यहां ईसी देश के होने का प्रमाण याने सबूत देना होगा .

अब हमें क्या करना होगा

हमे जल्द से जल्द हमारे कागजात कों सही करके लेना होगा, २७ दिसंबर २०१९ को औसामे हे हूए एनआरसी बेदारी प्रोग्राम मे जमीअत उल्मा ए हिंद के महाराष्ट्र के सदर हाफिज नदीम सिद्दिकी साहब ने अपने कागजात को सही करवाने और जमा करवाने के लिए बहोत जोर दे कर ये कहा के मूसलमान अपना दिनी फरीजा समझ कर इस काम को करे.

कौन कौन से डॉक्यूमेंट लगेंगे ?

१) बर्थ सर्टिफिकेट

२) स्कूल की तमाम सर्टिफिकेट

३) वारस प्रमाणपत्र

४) राशन कार्ड

५) मतदान कार्ड

६) ड्रायव्हिंग लायसन्स

७) आधार कार्ड

८) पॅन कार्ड

९) जमीन के कागजात और पुराने रेकॉर्ड

१०) बैंक खाता

११) पासपोर्ट

१२) सरकारी मुलाजिमत का जॉब कार्ड

१३) गैस कनेक्शन

१४) परिवारिक रजिस्टर कि नकल

१) बर्थ सर्टिफिकेट

१९६८ के पहले की पैदाईश वाले जिन लोगों के पास जन्म तारीख का जन्म दाखला यानी बर्थ सर्टिफिकेट नहीं है वह जल्द कोर्ट से बनवा लें, जिसके लिए नगर पालिका में पहले आवेदन करें और अगर वहां से वह लिखकर दें कि उनके पास आपकी जन्म तारीख की रिकॉर्ड नहीं है तो फिर आप वह लिखा हुआ प्रमाण पत्र लेकर वकील के पास जाएं और कोर्ट के जरिए अपना बर्थ सर्टिफिकेट जल्द से जल्द बनवा लें, १९६८ के बाद पैदा होने वाले सभी लोगो के पास सरकार ने बर्थ सर्टिफिकेट होना अनिवार्य किया है, १९६८ के बाद पैदा होने वाले जिन लोगो के पास बर्थ सर्टिफिकेट नही है वो भी जलद से जल्द कोर्ट से अपना बर्थ सर्टिफिकेट बनवा ले.

एक बात याद रखें कि आपके तमाम कागजात पर आपका नाम, आपके पिता या पती का नाम और आपकी जन्म तारीख एक जैसी होनी जरूरी है.

२) स्कूल की तमाम सर्टिफिकेट

स्कूल के प्रमाण पत्र जैसे स्कूल छोडने का प्रमाण पत्र यांनी टीसी निर्गम उतारा, बोनाफाइड, मार्क मेमो डिग्री सर्टिफिकेट इत्यादी सभी जमा कर लें और उन पर अपना नाम सही करावा लें, अगर नाम में गडबडी हो तो पहले वकील के पास से अपना गैजेट तयार करवा ले और उस हिसाब से अपना नाम के करेक्शन करावा ले.

३) वारस प्रमाणपत्र

जिनके बाप या मां का इंतकाल हो चुका है वह लोग उनके वारिस होने का वारस प्रमाणपत्र बनवा ले और अपने मां बाप के पुराने डाक्यूमेंटस् को संभाल कर रखे यानी उनके जमीन जायदाद के पेपर और राशन कार्ड इत्यादी जैसी चीजें जो जरूरी हैं.

४) राशन कार्ड

राशन कार्ड में सभी के नाम जल्द से जल्द दर्ज करवा ले नए नाम भी जोंडे जिनमें छोटे बच्चें वगैरा है और राशन कार्ड को आधार कार्ड से जोड़ ले

५) मतदान कार्ड

१० दिसंबर २०१९ से मतदान मतदान कार्ड में दुरुस्ती एवं नए नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया चालू होगी

अपना नाम जल्द से जल्द बीएलओ के पास जाकर दुरूस्त करवा लें

६) ड्रायव्हिंग लायसन्स.

जिन के पास ड्राइविंग लाइसेंस है उसे सही कर ले यानी अपनी जन्म तिथि और नाम में सुधार कर लैं और याद रखें कि तमाम कागजात पर आप कि जन्म तिथि यांनी जन्म तारीख एक जैसी होनी चाहिए

७) आधार कार्ड

अपना और अपने घर के तमाम अफराद का बनवा लें. आधार कार्ड में नाम दुरूस्त करवा लें, जिसके लिए नगर पालिका से रहिवासी प्रमाणपत्र जरूरी होगा और अपना पता ठीक करवा ले जिसके लिए भी रहिवासी प्रमाणपत्र लगेगा और अपनी जन्म तारीख भी सही करवा ले इसके लिए स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र या पैन कार्ड जरूरी होगा और अपने आधार कार्ड को जल्द से जल्द अपडेट करावा ले साथ ही अपने नाम भी दूरूस्त करवा ले आधार कार्ड में नाम दुरूस्त करवाने के लिए गैजेट भी जरूरी होगा या स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र भी जरूरी होगा

८) पॅन कार्ड

अपना और अपने घर वालों का औरतों का शादीशुदा औरतों का पैन कार्ड बनवा लें और साथ ही उसमें उनका नाम सही करवा ले और जन्म तारीख भी सही करवालें, उनके स्कूल छोड़ने के प्रमाण पत्र के हिसाब से और उनके बाप का भी नाम उसमें दर्ज करवाएं यह अहम सबूत होगा पैन कार्ड पर नाम और आपकी जन्म तारीख को दुरूस्त करवा ले या दुसरे डॉक्यूमेंट को पैन कार्ड की तरह दुरूस्त करवा लें

९) जमीन के कागजात और पुराने रेकॉर्ड

हमें यह बताना जरूरी है कि हमारे बापदादा यहां इस मूल्क में १९ जुलाई १९४८ से पहले से रह रहे है इसके लिए जरूरी है कि हमारे पास इस बात के प्रमाण हो के हमारे बाप दादा यहां रह रहे हैं जिसके लिए पुराने जमीन के कागजात और १९४८ के पहले के डॉक्यूमेंट जरूरी होगें.

१०) बैंक खाता

अपना और अपने घर वालों का बैंक अकाऊंट भी बनवा लें साथ हि अपने बापदादा का किसी बँक में अकाऊंट हो तो उसके कागजात महफूज रखें.

११) पासपोर्ट

बेहतर है अपना और घरवालों का पासपोर्ट बनवा लें और अगर पहले से निकाला हुआ हो तो नाम जन्म तारीख की दुरूस्ती करा लें.

१२) सरकारी मुलाजिमत का जॉब कार्ड

अगर आप सरकारी मुलाजिम है तो तमाम कागजात साथ रखें आपके बाप दादा भी अगर सरकारी मुलाजिम थे तो उनके तमाम कागजात संभाल कर रखें.

१३) गैस कनेक्शन

गैस का कनेक्शन है तो गैस कार्ड संभाल कर रखें, गैस कनेक्शन नही तो ले ले

१४) परिवारिक रजिस्टर कि नकल

पारिवारिक रजिस्टर कि नकल वकील को पूछ कर बनाये.

हर हिंदूस्तानी नागरिक से खास कर जो मुसलमान है गुजारिश की जाती है कि वह जल्दी इन १४ दस्तावेज में से ज्यादा से ज्यादा दस्तावेज सही करके तैयार रखें.

नोट : आप लोगो से गुजारीश है कि उलमा हजरात की बातों कि अहेमियत को समझें, आपके कागजात को दुरूस्त करवा ले. मेहरबानी कर के खूद की और अपने आनेवाली नस्लों कि खातीर उल्मा हजरात कि हिदायतों पर अमल करें ले. –आमीन.

महाराष्ट्र मायनॉरिटी एनजीओ फोरम

–संस्थापक जाकीरभाई शिकलगार

अल्पसख्यांक समाजासाठी राज्यशासनाच्या योजना

१) **नवीन शासकीय तंत्रनिकेतन सुरु करणे** – मुक्ताईनगर जळगाव येथे सूरू करणेस मान्यता दिलेली आहे.

२) **विद्यमान शासकीय तंत्रनिकेतन मध्ये अल्पसंख्याक विद्यार्थ्यांसाठी दूसरी पाळी सुरू करणे**– ठाणे, सोलापूर, नांदेड, जळगाव, यवतमाळ, मुंबई उपनगर,मुंबई, रत्नागिरी,कराड, चंद्रपूर, जालना, अंबड, पूणे ,लातुर, हिंगोली या १५ ठिकाणी १९२० विद्यार्थ्यांना सुविधा आहे,

३) **नविन शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था स्थापन करणे**– मांडवी (अलिबाग), मुंबई शहर, चांदिवली, मुंबई उपनगर, मुंब्रा,ठाणे याठिकाणी मान्यता दिलेली आहे.

४) **विद्यमान शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था मध्ये अल्पसंख्याक विद्यार्थ्यांसाठी दूसरी पाळी सुरू करणे** – भिवंडी,कर्जत, रत्नागिरी, औंध पूणे, कराड, मालेगाव, धुळे, भुसावळ, चोपडा, संगमनेर, श्रीरामपूर, नांदगाव, अमरावती, अकोला,अचलापूर, अंजनगाव सुर्जी,बुलढाणा, खामगाव, मलकापूर, शेगाव, अकोट, यवतमाळ, पुसद, कारंजा लाड, वाशिम, औरंगाबाद, जालना, परभणी, नांदेड, लातुर, उदगीर, हिंगोली, बसमतनगर, बीड,परळी वैजनाथ, अंबाजोगाई, उस्मानाबाद, नागपूर, चंद्रपूर,कामठी, बल्लारपूर या ४२ ठिकाणी जवळपास ५००० विद्यार्थ्यांसाठी सुविधा आहे, परंतु अल्पसंख्याक विद्यार्थी मिळत नाहीत.म्हणुन इतरांना प्रवेश दिले जातात.

५) **उच्च शिक्षण घेणाऱ्या विद्यार्थी/विद्यार्थीनींसाठी वसतीगृह बांधणे**– एकुण २३ वसतिगृहे सूरू झाली, मुलींसाठी ६ ठिकाणी बांधकाम सूरू आहे. ज्या जिल्ह्यात वसतीगृह नाही तिथे मान्यता देणेत येणार आहे.

६) व ७) **अल्पसंख्याक बहुल नागरी व ग्रामीण क्षेत्रात मुलभुत नागरी सुविधा उपलब्ध करून देणेसाठी क्षेत्रविकास कार्यक्रम राबवणे**– यामध्ये कब्रस्तान जागेची दुरुस्ती,पिण्याचे पाण्याची सुविधा,विद्युत पुरवठा,सांडपाण्याची सुविधा, रस्ते पथदिवे सुविधा, सार्वजनिक स्वच्छतागृहे, अंगणवाडी, बालवाडी केंद्र, समाजमंदिर, सामाजिक सभागृह, ईदगाह

विकास यासाठी अनूदान स्थानिक स्वराज्य संस्था कडुन जिल्हाधिकारी मार्फत अल्पसंख्याक मंत्रालयास प्रस्ताव पाठवणे किंवा आमदार खासदार यांचेमार्फत सुद्धा प्रस्ताव देता येतो,

८) **डॉ.झाकीरहुसेन मदरसा आधुनिकीकरण योजना-** मदरसा इमारतीचे नुतनीकरण व डागडुजी,पेयजलाची व्यवस्था, प्रसाधनगृह उभारणे व त्याची डागडुजी करणे, फर्निचर, इन्व्हर्टर सुविधा,निवासी इमारतीचे नुतनीकरण व डागडुजी,संगणक, हार्डवेअर,सॉफ्टवेअर,प्रिंटर्स, प्रयोगशाळा साहित्य,सायन्स किट,मॅथेमॅटीक्स कीट व अध्ययन साहित्य,या पायाभूत सुविधा १० लाख ची तरतुद आहे, शिक्षकांचे मानधन,९ ते १२ वी विद्यार्थ्यांसाठी शिष्यवृत्ती योजना आहे.

९) **अल्पसंख्याक उमेदवार करीता रोजगाराभिमुख प्रशिक्षण योजना** - १५ ते ४५ वयोगटातील उमेदवारांना रोजगार, स्वयंरोजगार निर्माण व्हावा,यासाठी प्रति व्यक्ती रु.१६०००/- प्रशिक्षण खर्च सुविधा आहे.

१०) **अल्पसंख्याक महिलासाठी स्वयंसहाय्यता बचत गट योजना-** मुंबई, ठाणे, मिरज, नांदेड, मालेगाव, कारंजा, परभणी, पूणे, नागपूर, औरंगाबाद, भिवंडी या मुस्लिम बहुल शहरासाठी बचतगट निर्माण करणे व लोकसंचलित साधन केंद्र उभारणे साठी योजना दिली आहे.

११) **धार्मिक अल्पसंख्याक विद्यार्थी बहुल शासनमान्य खाजगी अनुदानित/ विनाअनुदानित/ कायम विनाअनुदानित शाळा, कनिष्ठ महाविद्यालये, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था व अपंग शाळांमध्ये पायाभूत सोयी सुविधा पुरविणेसाठी अनुदान** - दरवर्षी २ लाख रु अनुदान सलग ५ वर्ष मिळते. यामध्ये इमारत नुतनीकरण,पेयजल सुविधा, ग्रंथालय, प्रयोगशाळा, संगणक कक्ष, प्रसाधनगृह, फर्निचर, इन्व्हर्टर, जनरेटर, झेरॉक्स, एलसीडी प्रोजेक्टर, सॉफ्टवेअर, इंग्रजी लँग्वेज लॅब,इ. साठी अनूदान वापरता येते.

१२) **अल्पसंख्याक समाजातील मौलाना आझाद मोफत शिकवणी व संबंद्ध योजना-** यामध्ये १०/१२ वी, लोकसेवा स्पर्धा परीक्षा,बँकीग स्पर्धा परीक्षा,सामाईक प्रवेश परीक्षा इ.शिकवणीसाठी खाजगी संस्थांची निवड करणेत येते, ही योजना मुंबई, ठाणे, पुणे,नाशिक, औरंगाबाद, अमरावती व नागपूर या शहरासाठी आहे,

१३) **मौलाना आझाद अल्पसंख्याक आर्थिक विकास महामंडळ योजना** - मुदत कर्ज योजना ५ लाखांपर्यंत,एपीजे अब्दुल कलाम शैक्षणिक कर्ज योजना ७.५लाखापर्यंत देशांमध्ये व परदेशी साठी २५ लाख कर्ज देणेत येते,तसेच सुक्ष्म पतपुरवठा योजना बचतगटासाठी , यामध्ये दोनवेळा स्थानिक बॅकाकडुन कर्ज घेवून परतफेड केली असेल तर तिसरे कर्ज गटांसाठी २ लाखाचे देणेत येईल.याचबरोबर स्वयं रोजगार जनजागृती कार्यक्रम, व्यवसाय प्रशिक्षण कार्यक्रम,महिला

समृद्धी योजना प्रशिक्षण, प्रदर्शन कार्यक्रम या योजना आहेत.

१४) **शैक्षणिक संस्थाना अल्पसंख्याक दर्जा देणेची योजना** -

१५) **उच्च व्यावसायिक व इयत्ता १२ वी नंतर शिकणाऱ्या सर्व विद्यार्थ्यांना शिष्यवृत्ती योजना**- एकुण १५००० विद्यार्थ्यांसाठी ही योजना मर्यादित आहे.

१६) **सुधारित पोलीस शिपाई भरतीपूर्व परीक्षा प्रशिक्षण वर्ग योजना**- ३ महिने प्रशिक्षण ,बारावी पास व १८ ते २५ वयोगटासाठी प्रत्येक जिल्ह्यासाठी ५० उमेदवारांसाठी भोजन,निवास, गणवेश, साहित्य यासाठी १२ लाख अनुदान योजना

१७) **उर्दू शाळा मध्ये मराठी भाषा प्रशिक्षण वर्ग योजना**- दरमहा ५००० रु.मानधनवर शिक्षक नेमणूक केली जाते.

१८) **हेल्पलाईन सुविधा** -अल्पसंख्याक आयोग ,०२२/२२६५००२६/२६

१९) **केंद्र व राज्य प्रशासकीय सेवा स्पर्धा परीक्षा साठी मार्गदर्शन योजना**- राज्य प्रशासकीय प्रशिक्षण संस्था, मूंबई, कोल्हापूर, नागपूर, औरंगाबाद तसेच यशदा पुणे येथे प्रत्येकी १० विद्यार्थ्यांसाठी प्रशिक्षण योजना.

२०) **उर्दू घर योजना**- नांदेड, मालेगाव, सोलापूर, नागपूर येथे उर्दू घर मंजुरी आहे, यामध्ये कॉन्फरन्स हॉल, वाचनालय,क्लासरुम, गेस्ट हाऊस अशी सुविधा असते .

२१) **महाराष्ट्र राज्य उर्दू अकादमी मार्फत योजना**- इम्कान त्रैमासिक प्रकाशन, उर्दू मुशायरा, राज्यस्तरीय जिल्हास्तरीय उर्दू कार्यशाळा, सेमिनार आयोजन, उर्दू भाषा अनुदान,ग्रंथालयाना नियतकालिके व पुस्तके पुरविणे, उर्दू नाट्य महोत्सव आयोजन, नाट्य एकांकिका लेखकास पारितोषिक देणे ,मराठी ते उर्दू पुस्तक अनुवादनास आर्थिक मदत, उर्दू कवी/लेखक/विचारवंत यांच्या पुस्तकांना पारितोषिक देणे,१०/१२/पदवी उर्दू विषयातील पहिल्या तीन विजेत्यांना पारितोषिक देणे, उर्दू पत्रकार कार्यशाळा, मिर्झा गालिब,वली दखनी पुरस्कार, नवोदित साहित्यिक पुरस्कार, उर्दू पत्रकारिता पुरस्कार,लैआऊट डिझाईन पुरस्कार, शिक्षण सेवा पुरस्कार,विशेष पुरस्कार अशा विविध योजना,

२२) मराठवाडा,विदर्भव उत्तर महाराष्ट्र मधील महिला बचत गट निर्माण करणे व कौशल्य विकास प्रशिक्षण देणे योजना

२३) अल्पसंख्याक समुहातील महिला व युवकांना कौशल्य विकास प्रशिक्षण देणे- १५ ते ४५ वयाच्या सर्व जिल्ह्यांतील गरजुना सहा महिने प्रशिक्षण योजना

स्वातंत्र्यसेनानी असफ अली

स्वातंत्र्यसेनानी असफ अली हे विद्वान, वकील, लेखक, संगीत व कला याचे चोखंदळ रसिक आणि परमराष्ट्रवादी होते. त्यांच्या व्यक्तिमत्त्वात हिंदू व मुस्लिम संस्कृती, तसेच भारतीय व पाश्चात्य संस्कृतीचा अपूर्व असासंगम झाला होता. कडवे राष्ट्रवादी असलेले असफ अली यांच्यापुढे रवींद्रनाथ टागोर यांचा आदर्श होता. ते टागोरांचेप्रचंड चाहते होते. ज्यावेळेस १९१४ मध्ये ते इंग्लंडमध्ये प्रिव्ही कौन्सिल ब्रीफवर इंग्लंडला होते त्यावेळी लंडनहूनताज नावाच्या उर्दू साहित्य मासिकाचे प्रकाशन करीत असत. या मासिकांमधून रवींद्रनाथ टागोरांच्या काही कवितांचात्यांनी उर्दूमध्ये अनुवाद केला होता. त्याच काळात नंतर भारतीय रहिवाशांनी आयोजित केलेल्या रवींद्रनाथ टागोरयांच्या स्वागत समारंभात त्यांची ओळख झाली. त्यांची आजी काश्मिरी हिंदू होती. असफ अली यांनी भगवद् गीताव महाभारत यांचे उर्दूत अनुवाद केले. त्यामुळे त्यांचे अनेक मित्र त्यांना 'पंडित असफ अली' असे म्हणत. सर्वातमहत्त्वाचे म्हणजे ते एक श्रेष्ठ मानवतावादी होते. दुर्दैवाने असफ अली दीड वर्षाचे असतानाच त्यांचे वडील गेले.असफ अलींचे प्राथमिक शिक्षण घरीच झाले. कुराण व उर्दू भाषेचे धडे त्यांनी घरीच घेतले. इंग्रजी भाषेची मुळाक्षरे तेस्मिथ नावाच्या शिक्षिकेकडून शिकले. आजी व आईमुळे असफ अली यांच्यात अभिजात हिंदुस्थानी संगीताची आवडनिर्माण झाली. दिल्लीतील सेंट स्टीफन्स कॉलेजमध्ये शिकत असतानाच बंगालची फाळणी झाली, त्यावेळी जी राष्ट्रीयजागृती झाली तिचा असफ अली यांच्यावर प्रभाव पडला. सी. एफ. अॅन्ड्रयूजसारख्या राष्ट्रवादी विचार शिकवणाऱ्याप्राध्यापकांमुळे त्यांचा राष्ट्रवादी विचार पक्का झाला. पुढे ते कायद्याचे उच्च शिक्षणासाठी १९०९ मध्ये इंग्लंडला गेले.तेथेच त्यांची इंडिया हाऊसमध्ये सावरकर, बिपिनचंद्र पाल, पुढे कर्झन वायलीला मारणारे धिंग्रा यांच्याशी ओळखझाली. सावरकरांच्या ओजस्वी वक्तृत्वामुळे स्वातंत्र्यलढ्यासाठी त्यांना बळ मिळाले.

१९१२ मध्ये असफ अलीबॅरिस्टर झाले व भारतात परत आले. इंग्लंडमध्ये असताना त्यांनी मोकळ्या वेळेचा उपयोग ऑस्कर वाईल्ड, इब्सेन,टॉलस्टॉय, तर्जेनेव्ह, डोस्टोवस्की, मॅक्झिम गॉर्की, बालॉक, यांचे साहित्य वाचण्यासाठी केला. यानंतर त्यांना बर्नार्डशॉ यांच्या वाङ:मयाची गोडी लागली. १९१४ मध्ये ते पुन्हा इंग्लंडला गेले पण १९१४ मध्येच ओझोमन साम्राज्यावरब्रिटिशांनी केलेल्या हल्लयासाठी त्यांनी तुर्कीच्या बाजूने समर्थन केले आणि प्रिव्ही कौन्सिलचा राजीनामा देऊन डिसेंबर१९१४ मध्ये परत माघारी भारतात परतले. त्यावेळेपासून त्यांनी भारताला स्वातंत्र्य मिळेपर्यंत झोकून देऊनस्वातंत्र्यलढ्याचे नेतृत्व केले. भारतात परतल्यावर त्यांनी राष्ट्रवादी चळवळीत भाग घेतला. असफ अली यांच्यावरलोकमान्य टिळक व डॉक्टर अॅनीबेझंट यांच्या स्फूर्तीदायक वक्तृत्वाचा प्रभाव

पडला, भारत पारतंत्र्यात आहे, हीगोष्ट असह्य असून ती पुढे सहन करणे शक्य नाही, असे प्रत्येक भारतीयाला वाटले पाहिजे या डॉक्टर ॲनी बेझंटयांच्या घोषणेने असफ अली खूपच प्रभावी झाले. आणि त्यांनी 'इंडिया होमरूल' ची शाखा दिल्लीमध्ये उघडण्यासाठीपुढाकार घेतला.१९१७ साली भारतमंत्री इ. एस. माँटेग्यू यांना दिल्ली येथील एका स्वयंभू स्वागत समितीने जे मानपत्र दिले त्याचा मसुदा तयार करण्याचे काम असफ अली यांच्यावर सोपविण्यात आले होते. या मानपत्राचा शेवट त्यांनी पुढील नाट्यमय शब्दात केला. दिल्लीत अनेक साम्राज्ये उदयास आली, तशीच दिल्लीत अनेक साम्राज्ये गेली. असफ अलींच्या या सडेतोडपणामुळे इंग्रज सरकारच्या गुप्तहेर खात्याचे त्यांच्याकडे लक्ष गेले. सरकारला दिलेल्या अहवालात गुप्तहेर खात्याने म्हंटले, असफ अलींच्या भाषणात जरी लोकमान्य टिळकांसारखा जहरीपणा नसला, तरी ते एक लक्षात घेण्याजोगे व्यक्तिमत्व आहेत. या घटनेनंतर संतप्त झालेल्या सरकारने असफ अली व पंडित नेकीराम शर्मा यांच्यावर भारत संरक्षण कायद्याखाली जाहीर सभामध्ये भाषणे न करण्याचा हुकूम बजावला. या हुकूमाला बगल देऊन असफ अली, पंडित नेकीराम शर्मा व इतरांनी धर्मशाळा, शाळा अशा ठिकाणी व्याख्याने देऊन जनतेचे प्रबोधन करण्याचे कार्य चालूच ठेवले. परिणामी दोघांनाही अटक केली गेली. त्यांच्यावरील हा खटला संस्मरणीय होता.१ॲडिशनल डिस्ट्रिक्ट मॅजिस्टेट स्पेन्स यांच्यापुढे हा खटला असफ अली यांनी स्वतःच चालविला. स्पेन्स यांनी लक्ष्मीनारायण धर्मशाळेतील सभा ज्यासाठी त्यांना अटक झाली होती ती जाहीर सभा नव्हती असे ठरवून दोघांनाही निर्दोषी ठरविले. लोकमान्य टिळक व हसरतमोहानी यांच्यानंतर खूप प्रसिद्ध मिळालेला भारतातील हा तिसरा राजकीय खटला होता असे बऱ्याच जणांनी लिहून ठेवले आहे. त्याकाळात कॉलेज चुकवून नियमितपणे या खटल्याचे कामकाज पाहण्यासाठी न्यायालयात जाणारे बरेच जण होते. लोकमान्य टिळक यांच्या निधनानंतर असफ अली महात्मा गांधी यांच्या नेतृत्वाखाली स्वातंत्र्यलढ्यात सामील झाले. १९२१ ची असहकार चळवळ, १९३० ची तसेच १९३२ ते १९३४ ची सविनय कायदेभंग चळवळ यात त्यांचा नेतृत्व करीत सहभाग होता, याकाळात ते देशातील सर्वात प्रतिष्ठित वकील म्हणून प्रसिद्ध पावले. ८ एप्रिल, १९२९ रोजी मध्यवर्ती असेंब्लीच्या हॉलमध्ये बॉम्ब फेकल्याच्या आरोपावरून अटक झालेल्या भगतसिंग, सुखदेव, राजगुरू या क्रांतिकारकांचा बचाव कोर्टात त्यांनी आपल्या कायदेशीर बुद्धीने केला होता. कायमच ते राष्ट्रवादी नेत्यांना कोर्टरूममध्ये मदत करीत असत. सन १९४० मध्ये गांधीजींनी वैयक्तिक सत्याग्रहाची चळवळ सुरू केली त्यात प्रारंभीच्या सत्याग्रहीमध्ये १९४२ भारत छोडो आंदोलनात भाग घेतल्यानंतर त्यांना अहमदनगर किल्ला तुरुंगात ठेवण्यात आले. तिथे पंडित जवाहरलाल नेहरूही होते. जवाहरलाल नेहरूंनी तुरुंगात असताना १९४४ मध्ये 'द डिस्कव्हरी ऑफ इंडिया' हा ग्रंथ लिहिला त्यावेळी लाभलेल्या असफ अली यांच्या सहवासाचा पंडितजींनी प्रस्तावनेत गौरवपूर्ण उल्लेख केला आहे. असफ अली यांना प्रथम अहमदनगर व नंतर गुरुदासपूर येथे असा एकूण चार वर्षे कारावास भोगावा लागला. तुरुंगात असताना असफ अलींनी बरेच वाङःमयीन काम केले. त्यांनी कविता केल्या, लघुकथा लिहिल्या व टिकात्मक लेख लिहिले. तसेच रवींद्रनाथ टागोरांच्या 'किंग ऑफ द

डार्क चेंबर' या नाटकाचा उर्दू अनुवाद केला. १९४५ मध्ये तब्येतीच्या कारणास्तव त्यांची गुरुदासपूर कारागृहातून सुटका करण्यात आली. चार वर्षाच्या कारावासातून सुटका झाल्यावर असफ अली हे २४ ऑगस्ट, १९४६ रोजी जवाहरलाल नेहरू यांच्या नेतृत्वाखाली स्थापन झालेल्या हंगामी मंत्रिमंडळात रेल्वेमंत्री झाले. स्वातंत्र्य मिळाल्यानंतर असफ अली यांची भारताचे अमेरिकेतील पहिले राजदूत म्हणून नेमणूक झाली. ही जबाबदारी पार पडत असताना ते युनोतील भारतीय शिष्टमंडळाचेही सभासद होते. एप्रिल १९४८ मध्ये असफ अली भारतात परत आले आणि त्यांची ओरिसाचे राज्यपाल म्हणून नेमणूक केली गेली. ही जबाबदारी स्वीकारल्यावर त्यांनी ओरिसातील भ्रष्टाचार व विध्वंस यांना आळा घालण्याचे काम हाती घेतले व त्यात त्यांना बरेच यशही मिळाले याचा सर्वात जास्त आनंद पंडित जवाहरलाल नेहरू यांना झाला. नेहरूंनी सरदार वल्लभभाई पटेल यांना लिहिले, असफ अलींनी सनदी नोकर वर्गावर चांगला वचक बसवला आहे शिवाय ते विधानसभेच्या सदस्यांमध्येही लोकप्रिय आहेत. पुन्हा त्यांची १९५१ मध्ये ओरिसाचे राज्यपाल म्हणून नेमणूक करण्यात आली. परंतु कामाच्या ताणामुळे असफ अलींची प्रकृती खालावत चालली. स्वित्झर्लंडमध्ये त्यांची प्रकृती सुधारेल असे वाटल्यामुळे नेहरूनी त्यांची स्वित्झर्लंडमध्ये भारताचे राजदूत म्हणून नियुक्ती केली. पण त्याचा उपयोग न होता २ एप्रिल १९५३ रोजी त्यांचे बर्न येथे निधन झाले, त्यांच्या पत्नी भारतरत्न अरुणा असफ अली स्वित्झर्लंडमध्ये त्यांच्याबरोबरच होत्या.

-शिरीष चिटणीस, ७५८८८६५०५१

विजय निंबाळकर
मो. ९४२२६०६८४२

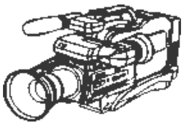

प्रतिक फोटोज

* डिजीटल फोटोग्राफी *
* व्हिडीओ शुटींग *
* लॅमिनेशन *

गडकर आळी (धुमाळ आळी),
सातारा – ४१५००२.

स्थापना १९४०

आरीफ बेकर्स

Test of Hindustan

- आमची खासियत -

लादी पाव,
आईस केक, नानकटाई,
सेंद्रीय गुळाचे नानकेट व रोट

२४८, सोमवार पेठ, सातारा.
फोन नं. ८३२९८११०५०

नेक कामकी ओर - एक कदम

अजिजाना गुजारीश

सातारा शैक्षणिक और सांस्कृतिक सोसायटी सातारामे बीते बीस सालचे मुस्लिम बच्चोंके हायर एज्युकेशन में बढावा देनेके लिए बडेही खुलूस, मेहनत और अपने वक्त मालकी कुर्बानी देकर काम कर रही है।

सोसायटी अल्लाह के नेक बंदोतरफसे जकात, सदका, इमदाद, चंदा जमा करती है और इसको हर जरूरतमंद विद्यार्थीयोंको इंजिनिअरींग, मेडिकल, डिग्री एज्युकेशन, टेक्निकल एज्युकेशन और दींग प्रोफेशनल कोर्स के लिए मदत करती है।

अबतक सोसायेटीने जरूरतमंद विद्यार्थीयोंको राष्ट्रीयकृत बँकोसे एज्युकेशन लोन मंजूर करवाने के लिए भी हमारे सदस्य हाजी गुलाबभाई शेख सहाब और जनाब मुबारक मुल्ला मदत करते है। अबतक १०२ विद्यार्थीयोंको ३ करोड ७३ लाख का कर्जा महैय्या करानेके मदद की है।

हर साल सोसायटीके जानीबसे विद्यार्थीयोंको हौसला अफजाई के लिए 'गुणवंत विद्यार्थी सत्कार' प्रोग्राम तन्जीम किया जा रहा है। इस वक्त होनहार विद्यार्थीयोंको हौसला आफजाई नगदरकम, प्रशस्तीपत्र और ट्रॉफी देकर कि जाती है।

सोसायटीके तरफसे किये जानेवाली कोशिशोंका सिर्फ एक ही मकसद है कि हमारे नौजवान बच्चे हायर एज्युकेशन मे आगे बढ़े, अपनी तरक्की करे और साथ साथ अपने कौमकीभी तरक्की करे।

सोसायटी के इस काम को हमे आगे बढाना है। ऐसा कहा जाता है की, **मदद लेनेवालो हाथोने एक दिन मदत देनेवाले के हाथ लेना चाहिए।**

इसलिए सातारा शैक्षणिक और सांस्कृतिक सोसायटीके तरफसे आप सभी को अजीजाना गुजारीश है कि, सोसायटीने आपको मदद करके अपना फर्ज निभाया है। अब आपकी बारी है, जब आप अपनी पढ़ाई पूरी करके नौकरी कारोभार करोंगे तब अपनी जकात, इमदाद, सातारा शैक्षणिक और सांस्कृतिक सोसायटी के नाम अदा करे और **अपने दोस्त अहबाब जो जकात देते है उन्हे भी इस नेक काम मे ताऊत करनेकी इल्तेजा करें।**

आपकी जकाता, इमदाद, रूदका नीचे दिये हुऐ अकौंट पर जमा करे

बँक - स्टेट बँक ऑफ इंडिया, ए. डी. ब्रँच, सदरबझार सातारा

खाते काम नाम - **सातारा एज्युकेशनल अँण्ड कल्चरल सोसायटी, सातारा**

खाते नंबर - 31044833769

IFSC - SBIN 0001809

अखिरमें आप सभी हाजरातसे गुजारीश की जाती है, अपनी जिम्मेदारी निभाकर अपना फर्ज अदा करे,
आपकी मदद एक विद्यार्थी और उसके परिवारको निर्भर बना सकती है।

चेअरमन
सातारा शैक्षणिक आणि सांस्कृतिक सोसायटी, सातारा

माणुसकीचा झरा मोहम्मद रफी

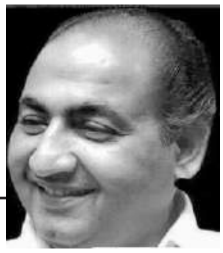

– द्वारकानाथ संझगिरी

मी कुठेतरी वाचलं की ''मन तड़पत हरी दर्शन को आज' हे गाणं काशी विश्वेश्वराच्या मंदिरात सकाळी लावलं जात

गमत पहा

ह्या गाण्याचा गीतकार कोण?

शकील बदायुनी

या गाण्याचा संगीतकार कोण?

नौशाद.

या गाण्याचा गायक कोण?

मोहम्मद रफी

तिघेही तसे मुस्लिम पण ते गाणं ठाव घेतं हिंदू हृदयाचं. जवळपास हिंदूचं ते प्रार्थना गीत.

हिंदी चित्रपट व त्यातील गाणी, यांनी या देशात सर्वधर्मसमभाव जपला. या गाण्याच्या रेकॉर्डिंगच्या आदल्या दिवशी, नौशादने सर्व वादकांना सागितल, ''उद्या आपण कृष्णाच भजन रेकॉर्ड करणार आहोत. सर्वानी पूजा करून पवित्र मनाने स्टुडिओत या'' स्टुडिओत आल्यावर सर्वांनी प्रार्थना केली. मग रफीने गायला सुरूवात केली

''हरी ओम हरी ओम'' हे मालकंस रागावर आधारित गाण आहे. रफी हा जबरदस्त भाविक माणूस होता. त्याची भजनं गळ्यातून नाही तर हृदयातून येत असत. त्याचे हृदय सुद्धा विशाल होत.

एक किस्सा सांगतो. कलकत्त्याला एका कार्यक्रमाच्या निमित्ताने रफी एका हॉटेलमधे उतरला होता. सकाळी फिरायला जाताना जवळच्या एका चौकात एक अंध भिकारी मंदिराबाहेर, ''भगवान के घर देर है, अंधेर नही है'' गाणं गाताना त्याला दिसला. काय केलं असेल त्याने? तो भिकाऱ्याच्या शेजारी बसला. त्याने भिकाऱ्याच्या हातातली ताटली घेतली आणि तो स्वतः गाणं म्हणायला लागला. लोक जमले. भिकाऱ्यापुढची चादर पैशाने भरली. मग तो हळूच उठला आणि हॉटेलवर परत आला. त्या भिकाऱ्याला मिळालेल्या पैशाचा अंदाज आला आणि कुणीतरी देवदूत बाजूला बसून गाऊन गेला हे कळलं. हिंदी सिनेमा सृष्टीत असे देवदूत फार कमी होते.

''सुनो सुनो ये दुनियावालो बापूजी की अमर कहानी'' या गाण्यामुळे खऱ्या अर्थाने रफी लोकप्रिय झाला. राजेंद्र कृष्णने हे गाण लिहिलेलं आहे आणि त्याला संगीत दिले हुस्नलाल भगतरामने. रफी होता सुद्धा बापूजींसारखाच. बापूजी त्याच्या व्यक्तिगत आयुष्यात धार्मिक होते. रफी सुद्धा धार्मिक होता. बापूजी त्याच्या सार्वजनिक आयुष्यात कमालीचे उदारमतवादी होते. त्यानी सर्व धर्माचा सन्मान केला रफीने सुद्धा तेच केलं.

एकदा रफी परदेशातून डायलिसिस मशीन घेऊन आला. त्यावेळी डायलीसिस सर्रास होत नसत. भारतात नुकतीच सुरुवात झाली होती. त्याला सि रामचंद्रांनी विचारलं, ''हे मशीन कशाला आणलस?'' तो काय म्हणाला असेल?

तो म्हणाला आपल्याकडे डायलीसिस सर्वत्र होत नाही. कुठल्यातरी हॉस्पिटलला भेट देतो. निदान गरिबांना तरी त्याची मदत होईल.''

तसा तो हाडाचा सर्वधर्मसमभावी. तो रमजानची गाणी जेवढ्या समरसतेने गायचा तेवढीच हिंदूंची भक्ती गीतेही समरसतेने गायचा.

तुलसीदास चित्रपटात एक गाण आहे, ''मुझे अपनी शरण में लेलो राम'' निर्माते हरसुखभाई भट्टांच असं म्हणणं होत की हे गाण मन्ना डे कडून गाऊन घ्याव. चित्रगुप्त या सगीतकाराने हट्ट धरला कि नको, रफी गाईल शेवटी रफीने ते गाणं गायलं. महिपाल नावाच्या नटावर ते चित्रित करण्यात आल. ते चित्रित करताना महिपालच्या डोळ्यात ग्लिसरीन शिवाय पाणी आल. महिपालने अभिनय केल्याचा त्याच्या आयुष्यातला हा एकमेव प्रसग.

रफीचे भजन दगडालाही पाझर फोडायच. रफी एकदा चित्रगुप्तना म्हणाला, ''मी भजन गातो तेव्हा परमेश्वराला आळवतो. त्या परमेश्वराने आपल्याला जन्माला घातले त्याने कधी भेदभाव केला नाही. आपण राम रहीम निर्माण केले. धर्माच्या भिंती आपण उभारल्या.'' एका साध्या सज्जन माणसाचं किती उदात्त तत्त्वज्ञान होत याची आपल्याला कल्पना येईल.

ह. भ. प. श्री गजानन बुवा राहीलकर हे नाव तुम्ही कधी ऐकलय? ते सुप्रसिद्ध कीर्तनकार होते बांद्र्याच्या च्या विठ्ठल मंदिरात त्यांची कीर्तन होत. रफी त्याच्या कीर्तनाला जाऊन बसायचा आणि त्यांच्याकडून वेगवेगळ्या अभगांचा अर्थ समजावून घ्यायचा. त्यामुळे रफीला मराठीची गोडी लागली आणि त्याचबरोबर मराठी भावगीतांची सुद्धा.

एकदा रफीने कीर्तनकारांकडून गीतेतला एक श्लोक समजावून घेतला आणि त्या पार्श्वभूमीच्या आधारे श्रीकांत ठाकरेंनी सांगितलेल्या

''शोधीशी मानवा
राउळी मंदिरी
नांदतो देव हा
आपल्या अंतरी''

हे भक्ती गीत गायलं.

रफी हा लता मंगेशकर प्रमाणे आपल्या आयुष्याचा एक अविभाज्य असा भाग आहे महत्त्वाची गोष्ट अशी आहे की रफी जाऊन आज ४३ वर्षे झाली त्यानंतर अनेक गायक आले, अनेक येऊन गेले, पण रफीचं स्थान ध्रुवताऱ्या सारख आहे. आपल्या आयुष्यात असा दिवस क्वचित येत असेल की ज्या दिवशी आपण रफी ऐकला नाही. यू ट्यूब, पेनड्राईव्ह, रेडिओ, टीव्हीतून रफीचा स्वर उमटतो आणि थेट आपल्या हृदयाला जाऊन मिळतो.

तो अष्टपैलू गायक होता. हिंदी सिनेमाला आवश्यक अशा प्रत्येक प्रकारचं गाणं त्याने गायलं. खेळकर, रोमॅंटिक, दर्दभर शास्त्रीय बैठकीच, देश प्रेमावर आधारित, धांगडदधिंगा टाईप, गझल वगैरे कुठलही. क्रिकेटमध्ये सोबर्स, साहित्यात अत्रे तसा हिंदी सिनेमाच्या गाण्यात रफी! तरीसुद्धा चित्रपटसृष्टीत असे दिग्गज संगीतकार होते ज्यांना रफी मनापासून आवडला नाही. त्यातले एक अनिल विश्वास.

राजू भारतन या लेखकाने एकदा फिल्मफेअर साठी अनिल विश्वास यांची मुलाखत घेतली होती. १९७० ची गोष्ट असेल त्या मुलाखतीत अनिल विश्वासनी आपलं मत मांडलं की मोहम्मद रफी हा गायकच नाही. बापरे। केवढा गदारोळ तेंव्हा उठला। शेवटी किशोर कुमारने

फिल्मफेअरला पत्र लिहून सांगितले ''मी रफीचा चाहता आहे'' अर्थात हीर नावाच्या सिनेमात अनिल विश्वासने रफीचा आवाज वापरला होता.

पुढे असं घडल की अनिल विश्वास चित्रपटसृष्टीतून बाहेर फेकले गेले. त्याचा मुलगा हा सगीतकार म्हणून उभा राहत होता. तो एकदा रफीकडे आला आणि रफीला म्हणाला, माझ्यासाठी तू गाण म्हणशील का? रफीने क्षणाचाही विचार न करता त्याला सांगितलं 'हो' ''रफीचा एक जवळचा मित्र हे ऐकत होता. तो अनीलदाचा मुलगा गेल्यानंतर रफीला म्हणाला तू याला का हो म्हणालास? याच्या वडिलांनी तुला गायक मानलं नाही तुला फारशी गाणी दिली नाही. आता काळ बदलला. त्यामुळे हा मुलगा तुझ्या दारी आलाय. रफी त्या मित्राला म्हणाला, '' अरे त्याच्या वडिलांनी मला गाणी दिली नाहीत त्यात त्याची काय चूक?'' असंच एकदा काही कारणाने लता मंगेशकरने ओपीला नाही म्हटलं होत पण तोच ओपी पुढे अत्यत लोकप्रिय असा संगीतकार झाला कुणाच्या नशिबात काय असतं हे सांगता येत नाही.''

माझ्या अण्णा चितळकरांच्या लेखात मी म्हटलं होतं की त्यांना सुद्धा रफी नाही आवडायचा पण तरीही एकदा अशोक कुमारला फसवून साजन मध्ये अण्णा चितळकरानी रफीकडून गाणं गाऊन घेतलं होतं, अशोक कुमार हा तेंव्हा त्यांचा मालक होता. तो स्वतः गायचा. एकदा दुसरे मालक शशधर मुखर्जी गाण्याच्या रेकॉर्डिंग साठी मागे लागले. अशोक कुमार काही दिवसासाठी बाहेर गेला होता त्या संधीचा फायदा घेऊन अण्णांनी रफीच्या आवाजात गाण रेकॉर्ड केलं. अशोक कुमार परतल्यावर अण्णानी त्याला गाणं ऐकवलं. अशोक कुमार म्हणाला, ''काय सुंदर आवाज आहे? कुणाचा आहे?''

अण्णा म्हणाले, ''रफी नावाचा एक गायक आहे.''

अशोक कुमार म्हणाला, ''यापुढे माझी सर्व गाणी त्याच्याकडून गाऊन घ्या.''

त्यानंतर रफी अण्णासाठी २३ सोलो, १९ दवंद्व गीतं, गायला त्यांचं म्हणणं रफी सांगितल्या प्रमाणे उत्तम गातो किशोर इम्प्रोवाईज करतो. रफी द्रविड आहे तर किशोर ए बी डिलिव्हर्स आर डी बर्मन याचाही कल रफी पेक्षा किशोर कडे. तिसरी मंझिल चित्रपटात शम्मीसाठी आरडीने रफीला वापरलं होत. पण तेव्हा आरडी नवखा होता दादागिरी शम्मीची होती. शम्मीचा लाडका आवाज रफी. त्यामुळे आरडीचं काही चाललं नाही. विजय आनंदने हट्ट धरला म्हणून तो सिनेमा आरडीला मिळाला नाहीतर, तो शंकर जयकिशनकडेच जायचा त्यातले ''आजा आजा मैं हूँ प्यार तेरा'' हे गाणं आरडीच्या मनासारखं रफीकडून उतरेना. रफीला ही गोष्ट लक्षात आली. रफी बिझी होता पण त्याने सलग दीड महिना रिहर्सल केली. आरडीच समाधान होईपर्यंत प्रयत्न केला.

पुढे एकदा आरडीला किशोर एका गाण्याकरता हवा होता. पण तो बिझी होता. आरडीला तो मिळू शकला नाही. त्याने रफीला बोलावलं. रफीचे पुन्हा कान भरण्यात आले की त्याने जाऊ नये. रफी म्हणाला, गाणं माझा पेशा आहे. मी त्याला नाराज का करू? त्या सिनेमातल, ''मैने पूछा चांदसे'' हे गाणं त्याने जीव ओतून गायल.

रफी असा होता व्यावसायिक, पण समुद्रा सारख्या विशाल मनाचा.

– संकलन : गुलाब शेख

शिक्षणाच्या प्रत्येक पैलूशी जोडलेली समरसता

नूरजहाँ काझी
शाळा शिरवळ मुली, ता. खंडाळा

'शिक्षण' हा शब्द कितीतरी पैलूंशी जोडलेला असतो. त्यातही विद्यार्थी, पालक, समाज, उपक्रम, दर्जा, गुणवत्ता या शब्दांशी शिक्षणाचा अधिक निकटचा संबंध असतो. या प्रत्येक शब्दांशी समरस झालेले व्यक्तिमत्व म्हणजे उपक्रमशील शिक्षिका नूरजहाँ लियाकत काझी.

- सुनील शेडगे

नूरजहाँ काझी या २०२३ मधील जिल्हा पुरस्कार विजेत्या शिक्षिका. त्यांच्या सेवेचा प्रवास हा छोट्या, मोठ्या, सुगम, दुर्गम अशा शाळांतून घडलेला आहे. स्वाभाविकच हरतऱ्हेच्या शैक्षणिक अनुभवांची अनूभूती त्यांनी घेतली आहे. यातून शिक्षण क्षेत्रातील एक बहुस्पर्शी, बहूआयामी व्यक्तिमत्व म्हणून त्यांची ओळख दृढ बनली आहे.

माने कॉलनी, शिरवळ मुले, शिरवळ मुली, पळशी या सर्व खंडाळा तालुक्यातील शाळा तसेच मालुसर नंबर दोन ही डोंगर माथ्यावरील शाळा, वानवली उत्तेकर ही दरीतील शाळा या दोन्ही महाबळेश्वर तालुक्यातील शाळांतून त्यांनी आजवर काम पाहिले आहे. हे सारे वर्तुळ पूर्ण करून त्या सध्या शिरवळ येथील मुलींच्या शाळेत कार्यरत आहेत.

गुढीपाडवा पट वाढवा, ध्यास धरूया शिष्यवृत्तीचा, इंग्रजीतून परिपाठ, वाचाल तर वाचाल, दोस्ती इंग्रजीशी, गणित माझा मित्र, हसत हसत भाषा शिकूया, रोज एक चित्र काढूया, हे त्यांचे उपक्रम विशेष चर्चेत राहिले आहेत. त्यांची बालनाट्येही जिल्हास्तरावर कौतुकास्पद ठरली आहेत.

मुंबईच्या यशवंतराव प्रतिष्ठानतर्फे आयोजित उपक्रमात त्यांनी प्रथम क्रमांक पटकाविला होता. राज्य इंग्लिश परिसंवादात त्यांचा सहभाग उल्लेखनीय इरला आहे. 'माय इंग्लिश ॲक्टिव्हिटी टू डेव्हलप स्पिकिंग स्कील' या उपक्रमातही त्यांनी प्रथम क्रमांक मिळविला आहे. शिक्षक सक्षमीकरण उपक्रमांतर्गत आयोजित वक्तृत्व स्पर्धेत त्या जिल्ह्यात प्रथम आल्या आहेत.

तीन जानेवारीला बालिकादिनावेळी मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे यांच्या हस्ते गुणवंत विद्यार्थ्यांसह मार्गदर्शिका म्हणून त्यांचा सत्कार झाला आहे. शिक्षणमंत्री दीपक केसकर, पालकमंत्री शंभूराज देसाई यांनीही त्यांचा गौरव केला आहे. रोटरी क्लबतर्फे उल्लेखनीय शैक्षणिक कार्याबद्दल नवदुर्गा पुरस्काराचेही त्यांना सन्मानित केले आहे. शिरवळ ग्रामपंचायत, मराठा वर्ल्ड ऑर्गनायझेशनतर्फे कोरोना योद्धा तालुकास्तरीय क्रांतिज्योती सावित्रीबाई फुले आदर्श शैक्षणिक सेवा, आयडियल टीचर्स ॲकॅडमी, तालुका आदर्श शिक्षिका, आदर्श शिष्यवृत्ती मार्गदर्शक आदी पुरस्कारांचे गौरव क्षण त्यांना लाभले आहेत. त्यांनी स्वत:चे 'यू ट्यूब' सुरू केले आहे.

उल्लेखनीय म्हणजे शिक्षण उपसंचालक महेश चौथे यांच्यासमोर त्यांच्या विद्यार्थीनींनी जपानी, संस्कृत, उडिया, स्पॅनिश, हिंदी, मराठी या सात भाषात संवादाचे प्रात्यक्षिक दाखविले. 'सीएसआर' फंडातून त्यांनी शाळेचा चेहरामोहरा बदलण्यात मोठी भूमिका बजाविली आहे. त्यातून उद्यांकी एक कोटी रूपयांचा शैक्षणिक उठाव उभा राहिला आहे. याकामी सहकारी, अधिकारी, पदाधिकाऱ्यांचे सहकार्य मोलाचे ठरले.

चित्रकलेचा छंद जोपासला आहे. स्वत: लिहिलेल्या बालनाट्याचे पुस्तक प्रकाशनाच्या मार्गावर आहे. वनस्थळी, शिक्षणसमृद्धी अंकातही लेखन केले आहे.

कुटूंबीयाचे भक्कम पाठबळ

आई शमशाद, वडील वशीर सय्यद, पती लियाकत काझी, सासू शरफूनिस्सा काझी यांचे प्रोत्साहन कायम पाठीशी राहिले. सासरे शमशुद्दीन काझी यांचे कोणत्याही परिस्थितीत तुला शिकायचे आहे. पुढे जायचे आहे. मुलांसाठी तुला काहीतरी करून दाखवायचे आहे' हे शब्द त्यांच्या कायम प्रेरणादायी ठरले आहेत. त्यांच्या सासूबाईंनी या जगाचा निरोप घेताना 'तू बी.एड. का करत नाहीस' ही इच्छा बोलून दाखवली होती. त्यानुसार नूरजहाँ काझी या साताऱ्याच्या आझाद कॉलेज ऑफ एज्युकेशनमधून प्राविण्य श्रेणीमधून उत्तीर्ण झाल्या. त्यांची रोझीना अन् राहिल ही मूले, सुहेल मुल्ला हे जावई उच्च पदावर कार्यरत आहेत.

सफिना हुसेन यांचा 'वाईज'तर्फे सन्मान

मुलींच्या शिक्षण कार्याची दखल;
पहिल्या भारतीय महिलेला पुरस्कार
शिक्षण क्षेत्राला महत्त्व

कतारच्या माननीय शेख मोझा बित नासेर यांनी 'वाईज'ची स्थापना २०११ मध्ये केली आहे. शिक्षण क्षेत्रात जागतिक पातळीवर वैशिष्टपूर्ण काम करणारी व्यक्ती किंवा समूहाला हा पुरस्कार दिला जातो. यासाठी 'प्रथम'चे सहव्यवस्थापक माधव चव्हाण यांना २०१२ मध्ये या पुरस्काराने सन्मानित करण्यात आले होते.

नवी दिल्ली, ता. ३ (पीटीआय) 'एज्युकेट गर्ल्स' या सामाजिक संस्थेच्या संस्थापिका सफिना हुसेन यांना मुलीच्या शिक्षणासाठी प्रतिष्ठित 'वाईज' पुरस्काराने सन्मानित करण्यात आले आहे, भारतातील खेड्यांमधील १४ लाख शाळाबाह्य मुलींना पुन्हा मुख्य प्रवाहातील शिक्षणात आणण्यासाठीच्या प्रयत्नांबद्दल त्यांना हा पुरस्कार मिळाला आहे. हा पुरस्कार मिळविणाऱ्या त्या पहिल्या भारतीय महिला आहेत.

'वर्ल्ड इनोव्हेशन समिट फॉर एज्युकेशन'ची (वाईज) ११ वी परिषद दोहा येथे नुकतीच संपन्न झाली. त्यामध्ये सफिना हुसेन यांना या पुरस्काराने गौरविण्यात आले, कतारमधील देण्यात येणारा हा शिक्षण क्षेत्रातील पुरस्कार आहे. पाच लाख डॉलर असे या पुरस्काराचे स्वरूप आहे.

हुसेन म्हणाल्या, सोळा वर्षांपूर्वी जेव्हा 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' ही घोषणाही ऐकली नव्हती, त्यावेळी शाळाबाह्य मुलींना शिक्षणाच्या मुख्य प्रवाहात आणण्यासाठी 'एज्युकेट गर्ल्स' या सामाजिक संस्थेची स्थापना करण्याचा निर्णय मी घेतला. जेथे शेळ्यांना संपत्ती मानली जाते; पण मुलीना लोढणे मानले जाते, अशी गावे एकविसाव्या शतकातही भारतात आहेत, गरिबीपासून पितृसत्ताक पद्धत अशा विविध कारणांमुळे मुलींना शाळेपासून दूर ठेवले जाते किंवा शिक्षण मध्येच थांबविले जाते. घरच्या कठीण परिस्थितीमुळे मला माझे शिक्षण तीन वर्षे थांबवावे लागले, जेंव्हा मला याचे महत्त्व कळाले. शाळेतून बाहेर पडल्यानंतर मला घरी राहणे भाग पडले होते.

शिक्षण सोडल्यानंतर तीन वर्षांनंतर सफिना यांच्या आयुष्यात एक वळण आले. मावशीच्या मदतीमुळे त्या पुन्हा शिक्षणाच्या प्रवाहात आल्या, सफिना यांना

'लंडन स्कूल ऑफ इकॉनॉमिक्समध्ये प्रवेश मिळाला, माझ्यासारख्या शालाबाह्य मुलीने असे प्रयत्न करण्याचा निर्णय मी त्यावेळी घेतला असे सफिना म्हणाल्या. मुलीच्या शिक्षणाची मोहीम प्रथम राजस्थानमध्ये सुरू केली, तेव्हा कौटुंबिक उदासीनता, प्रेरणेचा अभाव आणि मुलींची स्वतःची अनिच्छा या प्रमुख अडथळ्यांचा सामना त्यांना करावा लागला होता. आता त्यांच्या कामाचा विस्तार मध्य प्रदेश, बिहार आणि उत्तर प्रदेशमध्येही झालेला आहे.

विद्यार्थी अभिप्राय

I extend my heartfelt gratitude to Satara Education Society's pivotal role in my engineering journey, culminating in my current position as a Software Engineer at LTIMindtree.The financial support provided by society not only shaped my career but also instilled in me a sense of responsibility towards community upliftment.

As a beneficiary, I have witnessed transformative impact of this Society's on Muslim Commmunity. I want to express my deep appreciation for its being a beacom of hope and a cataryst for positive change. The Commitment this Society has towards education is a testament of the lasting impact it has on the live of individuals and the community at large.

Satara

- Valeed Rashid Inamdar
Software Engineer at LTIMindtree

सातारा सेल्स

7796171553
9175545555
7798993989

ग्लास वेअर व क्रोकरी होलसेल

कपबशी, डिनर सेट,लेमन सेट, फ्लॉवर पॉट,
काचेची बरणी, चिनीमाती बरणी, गिफ्ट आर्टिकल,
टिफिन सेट, हॉटेल वेअर, चटई, बाऊल सेट इ.

ए-१०, जुनी एम.आय.डी.सी., सातारा
(शाखा - वाई,कराड)

हौसला और मेहनत -मंझील दूर नहीं.

मुबिन सय्यद - सातारा
एम् ऑप्टो. (मास्टर इन ऑप्टोमेटरी)

मेरी पैदाइश १३ में २००० मे हुओी और सप्टेंबर २००० में आब्बा का ऑक्सीडेट हुआ, वो एक पैर से आपाहीज हुये थे। वही कमानेवाले थे, उसी वक्त से आमदनी रुक गयी थी। उसी वक्त मेरे दादा (रीटायर्ड टीचर) दादी ने हमे बहोत साथ दी. हालात के चलने साथ मेरी मम्मी ने बेकरी काम, कपडे बेचना, पाळणा घर चलाना और ऊसके बाद पाटील हॉस्पिटल मे १२ साल से काम कर रही है.

साल २०१५ मे मेरी १०वी पुरी हो गयी आगे पढ़ाई के बारेमे सोच रहा था. हालात के चलते मैं और मेरी बड़ी बहेन सोफीया घर के मदत के लिये मैने वडा पाव के गाडी पर काम किया और बहन ने शादियोंमें और त्योहारोंमे मेहंदी लगाने का काम किया। इसी दरमियॉन डॉ. संदीप पाटील (आय क्लीनीक) और श्री मिलिंद वाळींबे, इन्होने मुझे ऑप्टोमेटरी कोर्स (चष्मा बनाना, आखों का नंबर जांचना टेक्नॉलॉजी) के डिप्लोमा कोर्स के बारे में बताया, और मेरा ॲडमिशन उनके मार्गदर्शन के जरीये घरवालोंने सांगली के लायन्स क्लब आय हॉस्पिटल मे करवाया. मैने यह डीप्लोमा बाहर पार्ट टाईम काम करते हुए पुरा कीया. कोर्स की फीस के लिए मेरे फुफु के बेटे डॉ. अर्षद सय्यद जो अमेरीका स्थित है, उनकी मदत मिली। डिप्लोमा पुरा करके सातारा में डॉ. संदीप पाटील के यहापर काम करने लगा, कम तनखा और घरकी जिम्मेदारी वजहसे एम.आय.डी.सी. सातारा मे नाईट शिफ्ट मे काम कीया। डिप्लोमा के बाद आगे डीग्री करने की बहोत चाहत और ऊम्मीद थी. लेकिन डिग्री कॉलेज पनवेल मुंबई मे होनेसे वहाँका खर्च बहूत था, वह खर्च करने की मेरी हैसियत नही थी।

इसी दरमियान आखों के इलाज के लिये हाजी गुलाब शेख, सातारा शैक्षणिक संस्था के मेंबर डॉ पाटील के यहॉपर आये थे. उन्होंने आम्मी से बात करके हौसला अफजाई की और सोसायटी से (शैक्षणिक संस्था) हर साल मदत देने की बात की. जादा फीस के वजहसे हाजी गुलाब शेख इन्होंने व्ही. सी. ओ. बैंक सातारा से शैक्षणिक लोन भी मंजुर करवाकर दीया. मुझे इस वजह से हौसला मिला. और मेहनत से दील लगाकर अच्छी पढ़ाई मैं करने लगा, और कॉलेज मे सेमीस्टर एक्झाम मे अव्वल नंबरसे आया. कॉलेज में मेरा ऑन जॉब ट्रेनिंग के लिये इंतजाम भी किया गया, साथही मै पार्ट टाईम जॉब करके मेरा खर्चा पुरा करता था. मै अभी एम एस (आप्टोमेटरी) के दुसरे साल में हूं, और अगले साल मास्टर इन ऑप्टोमेटरी पुरा करके में अच्छा जॉब कुरुंगा, फीर आगे अपना खुद का कारोबार या सर्व्हीस करूंगा. मेरे इस करीयर के सफर में मेरी मम्मी, सातारा शैक्षणिक संस्था, बहन सोफिया, दादा, दादी, नाना, डॉ अर्शद सय्यद, डॉ. संदीप पाटील, श्री मिलींद वाळींबे इन सभी का बड़ा योगदान रहा है। मैं इन सभोंका शुक्रगुजार हुँ.

यह सारी हकीकत आप सभी के सामने रखने का एकही मकसद है, जो बच्चे आगे बढ़ना चाहते है ऊनके लिए एक मिसाल पेश करू, हालात कितने भी मुश्कील हो लगन, मेहनत, और मंजिल पाने की जिद्द हो तो अल्लाह की ओरसे समाज, रिस्तेदार और भला चाहनेवालो के जरीएसे मदन पहुंचती है और मंजील आसान होती है! कोशिश करने वालोंकी कभी हार नही होती, सफलता जरूर मिलती है। ना उम्मीद ना हो हालात से आगे बढे, मंजिल तुम्हारा इंतजार करती है!

माध्यमांच्या नजरेतून

दैनिक सकाळ

सातारा : सातारा शैक्षणिक आणि सांस्कृतिक सोसायटीच्या नुकत्याच झालेल्या कार्यक्रमात अहवाल प्रकाशन करण्यात आले. त्या वेळी मौलाना नसरुद्दीन सय्यद, प्रा. गुलाबहुसेन मुजावर आणि संचालक.

दुर्बल विद्यार्थ्यांना मदतीचे कार्य लाखमोलाचे : सय्यद

सातारा, ता. ५ : समाजातील गरजू, आर्थिकदृष्ट्या दुर्बल घटकातील विद्यार्थ्यांना मदतीचा हात देणे हे लाखमोलाचे कार्य आहे. सातारा शैक्षणिक आणि सांस्कृतिक सोसायटीने हे कार्य अखंडपणे करावे, असे मत मौलाना नसरुद्दीन सय्यद यांनी व्यक्त केले.

सातारा शैक्षणिक आणि सांस्कृतिक सोसायटी विविध सामाजिक आणि शैक्षणिक उपक्रम राबविते. या संस्थेच्या अहवाल प्रकाशनाचा कार्यक्रम नुकताच झाला. त्या वेळी ते बोलत होते. कार्यक्रमास ज्येष्ठ संचालक गुलाबभाई शेख, संस्थेचे अध्यक्ष डॉ. लियाकत शेख, खिदमदगाह ज्येष्ठ नागरिक संघाचे अध्यक्ष जाफरभाई मुल्ला, सचिव मुबारक मुल्ला आणि संचालक, नागरिक उपस्थित होते. मौलाना सय्यद म्हणाले, ''गरीब आणि गरजू विद्यार्थ्यांना समाजातील दानशूरांची गरज आहे. आजही परिस्थितीअभावी अनेकांना शिक्षणापासून दूर राहावे लागते. सक्षम नागरिक सुजाण व संवेदनशील झाला पाहिजे, असे संस्कार विद्यार्थ्यांवर केले पाहिजेत.'' गुलाबभाई शेख यांनीही मार्गदर्शन केले. विद्यार्थ्यांनी शिक्षणासाठी असलेल्या विविध शासकीय योजनांचा लाभ घेतला पाहिजे. शैक्षणिक कर्ज योजनांचा लाभ त्यांना मिळावा, यासाठी आपण प्रयत्न केले पाहिजेत, असे त्यांनी सांगितले.

लियाकत शेख यांनी प्रास्ताविकात संस्थेच्या विविध उपक्रमांत माहिती दिली. कार्यक्रमास खजिनदार मजिदभाई शेख, हारुनभाई बागवान, प्रा. गुलाबहुसेन मुजावर, शफी बागवान, इरफान शेख, फय्याज सुतार, आशफाक सुतार, संचालक उपस्थित होते. उपाध्यक्ष शमशुद्दीन बागवान यांनी आभार मानले.

पुढारी

मौलाना सय्यद यांचे स्वागत करताना सोसायटीचे पदाधिकारी.

सोसायटीचे शैक्षणिक, सांस्कृतिक कार्य पवित्र : सय्यद

सातारा : पुढारी वृत्तसेवा

सातारा शैक्षणिक आणि सांस्कृतिक सोसायटीकडून समाजातील आर्थिकदृष्ट्या दुर्बल विद्यार्थ्यांना स्वत:च्या पायावर उभे करण्याचे काम केले जात आहे. हे कार्य पवित्र असल्याचे गौरवोद्गार मौलाना सय्यद यांनी काढले.

सोसायटीच्या १९ व्या वार्षिक अहवाल प्रकाशन सोहळ्यात ते बोलत होते. यावेळी संस्थेचे अध्यक्ष डॉ.लियाकत शेख, हाजी गुलाबभाई शेख उपस्थित होते.

मौलाना सय्यद म्हणाले, संस्थेच्या वतीने योग्य मुलांना मदत मिळत आहे. शिक्षणामुळे आज मदत घेणारे हात उद्याचे मदत देणारे हात होतील. यातूनच सक्षम नागरिक हा सुजाण व संवेदनशील माणूस होईल.

दरम्यान, यावेळी जाफरभाई मुल्ला, मुबारक मुल्ला, मजिदभाई शेख, हारुनभाई बागवान, प्रा. गुलाबहुसेन मुजावर, शफी बागवान, इरफान शेख, फैय्याज सुतार, अशफाक सुतार, शमशुद्दीन बागवान उपस्थित होते.

My Satara Edition
Aug 21, 2023 Page No. 3
newspaper.pudhari.co.in

दैनिक सकाळ

गरजू विद्यार्थ्यांना मदतीचा हात देणे हेच पवित्र कार्य

डॉ. तसद्दुक पटवेकर; सातारा शैक्षणिक आणि सांस्कृतिक ट्रस्टच्या वतीने गुणवंतांचा सत्कार

सातारा, ता. ३० : समाजातील गरीब आणि गरजू विद्यार्थ्यांना शिक्षणासाठी मदतीचा हात देणे हे अत्यंत पवित्र कार्य आहे. विद्यार्थ्यांनी मदत करतानाच गुणवंत विद्यार्थ्यांना प्रोत्साहन मिळावे. सातत्याने झटणाऱ्या सातारा शैक्षणिक आणि सांस्कृतिक ट्रस्टचे कार्य अत्यंत मोलाचे आहे. मुलांना शिक्षणाच्या प्रवाहात टिकविण्याचे त्यांचे कार्य गरजेचे आहे, असे मत डॉ. तसद्दुक पटवेकर यांनी व्यक्त केले.

येथील सातारा शैक्षणिक आणि सांस्कृतिक ट्रस्टच्या वतीने येथील इक्रा इंग्लिश मीडियम स्कूलच्या सभागृहात नुकत्याच झालेल्या कार्यक्रमात गुणवंत विद्यार्थ्यांचा मान्यवरांच्या हस्ते सत्कार करण्यात आला, तसेच त्यांना शिक्षणासाठी आर्थिक मदतही करण्यात आली. त्या वेळी डॉ. पटवेकर बोलत होते. कार्यक्रमास संस्थेचे ज्येष्ठ संचालक अब्दुल शेख, ए. बी. सय्यद, उपाध्यक्ष शमशुद्दीन बागवान, प्रा. गुलाबहुसेन मुजावर आणि इतर संचालक, पदाधिकारी आणि पालक, विद्यार्थी उपस्थित होते.

सातारा : सातारा शैक्षणिक आणि सांस्कृतिक ट्रस्टच्या वतीने नुकत्याच झालेल्या कार्यक्रमात गुणवंत विद्यार्थ्यांचा मान्यवरांच्या हस्ते सत्कार करण्यात आला. त्या वेळी अब्दुल शेख, प्रा. जी. एन. मुजावर, शमशुद्दीन बागवान, डॉ. तसद्दुक पटवेकर, अश्पाक सुतार आदी.

या वेळी फुजित्सू कन्सल्टिंग इंडियाचे अश्पाक सुतार यांनीही मार्गदर्शन केले. त्यांनी आयटी क्षेत्रातील वेगाने होणाऱ्या बदलांची माहिती दिली. तसेच या क्षेत्रातील संधी कशा मिळवाव्यात याचीही माहिती दिली. सोसायटीच्या कार्यात सतत मदत करत राहीन, अशी ग्वाही त्यांनी दिली. प्रा. मुजावर यांनी सोसायटीच्या उपक्रमांची माहिती दिली. या वेळी सचिव गुलाब मुल्ला, अलनासिर शेख आणि नागरिक उपस्थित होते. डॉ. ए. आर. सनदे यांनी आभार मानले.

IAB

ISMAIL ABDULBHAI BAGWAN

मे. हाजी ईस्माईलभाई अब्दुलभाई बागवान

Onion, Potato, Garlic
Merchants & Commission Agent

कांद्रा, बटाटा, लसूणचे
व्यापारी व कमिशन एजंट

आरीफ – **09822393513**
अझर – **09881444537**
हा. मोहसीन – **09881030343**

Gala No. 2/3, Shri. Chhatrapati Shahu Market Yard,
Satara - 415002
गाळा नं. २/३, श्री. छत्रपती शाहू मार्केट यार्ड,
सातारा–४१५००२

With best compliments from...

Sonali

VARIETIES

Dealers in :
Stationery, Toys, Gift Articles,
Cosmetics, Tailoring Items

Chaitanya P. Phule
9922173425

95 B, Pratapganj Peth,
Satara - 415002

ABB

मे. अमिरभाई बुऱ्हाणभाई बागवान

आले, कांदा, बटाटा,
भाजीपाल्याचे कमिशन एजंट

प्रोप्रा. : मकसुदभाई ॲण्ड ब्रदर्स

* महंमद अली/मोबा. : ९८२३०३२४३५ * मंजुरभाई/मोबा.: ७७९८९५१०२१
* युनूसभाई/ मोबा.: ९९२२३३६०३९
श्री. छत्रपती शाहू मार्केट, गाळा नं. ७, सातारा.

Affan Momin

77 199 109 09
98 220 585 80

मोमीन's प्लास्टिक

होलसेल मार्केट

सब कुछ मिलेगा...

गृह उपयोगी सर्व वस्तू योग्य
दरात मिळण्याचे एकमेव ठिकाण

136, Kalpak Vihar, Kesarkar Peth,
Opp. Nagar Palika, Near Manas Hotel,
Satara-2
Email : affanimranmomin@gmail.com

मे. रसूल महंमद आणि कंपनी, सातारा

साखर, गुळ, तेल, आटा, रवा, मैदा, शाबुदाना
गहू, ज्वारी, तांदूळ व सर्व डाळी मालाचे

होलसेल व्यापारी

गाळा नं. ५६, सदाशिव पेठ, जुनी भाजी मंडई,
सातारा. फोन ०२१६२-२३४८४६
मोबा. ८६६८६२०२४० / ८५३०७३४८४६

ITC

मे. इंडिया ट्रेडर्स

कांदा, बटाटा, लसूणचे व्यापारी

खास वेफर्ससाठी बटाटा मिळेल.

श्री. छ. शाहू मार्केट यार्ड, सातारा.

मो. इम्रान : ९९२२८१६०७१

सरफराज : ९८३४४२२९४८

हाजी बादशहा भाई : ९८२२७९६३६३

श्री. छत्रपती शाहू मार्केट यार्ड, सातारा.

ASB

अब्दुलसत्तार गुलाबभाई बागवान

कांदा, बटाटा, लसूणचे व्यापारी व कमिशन एजंट

गाळा नं. ९/१०, छत्रपती शाहू मार्केट यार्ड, सातारा–४१५००१(महाराष्ट्र)

----------- **फर्म** -----------

महंमदरफीक अब्दुलसत्तार बागवान मोबा. ०९४२२४००७१६

अब्दुलमज्जीद अब्दुलसत्तार बागवान मोबा. ०९८२२६०२०३९

महंमद जहीर बागवान मोबा. ०९४०३३४६६१६

यु. ए. बागवान
आर. ए. बागवान
आय. आर. बागवान

☎ दु.: ०२१६२-२३१००८
मो. ९८२२४१८०७९
९८२२००७००८

सातारा टायर्स

MRF
THE CHOICE OF CHAMPIONS

डिलर्स इन टायर्स
MRF, JK, APPOLLO, CEAT

१५, सदाशिव पेठ, सातारा - ४१५००२

मोहंमदहनिफ मकबुलभाई बागवान

फ्रुट मर्चंट ॲण्ड कमिशन एजंट

छत्रपती शाहू मार्केट यार्ड, गाळा नं. ९ अ/९ ब, सातारा - ४१५००१ (महाराष्ट्र)

मो. ईरफान ॲण्ड फारुखभाई

M.M.B.

IRFANBHAI Mob. : 9850880880
FARUKHBHAI Mob. : 9850081520
UJEFBHAI Mob. : 9552275228

Bharat Diapers & Varieties

Baby Diapers
Rs. 7/-

Sanitary Pads
Rs. 4/-

Adult Diapers
Rs. 25/-

Baby Wipes
Rs. 80/-

Scan the QR code for more offers

** All sizes are available
** Free Home Delivery in Satara

103, Budhwar Peth, Satara I 932673095, 9818360925

9890939548
9422402672

K. A. Shaikh
A. K. Shaikh

ANAND

BATTERY
SALES & SERVICES

OLD MOTOR STAND, SATARA.
Ph. : (Resi.) 02162 - 235173

महिलांच्या सर्वांगीण विकासासाठी कटिबध्द असलेली सातारा शहरातील अग्रणी संस्था

श्री सरस्वती महिला शिक्षण संस्था, सातारा

सरस्वती ब्युटी पार्लर

सर्व प्रकारच्या स्कीन ट्रीटमेंटस्, हेअर कटस्, हेअर केअर व मेकअपसाठी बेसिक, ॲडव्हान्स कोर्स, मेहंदी कोर्स, भरपूर प्रॅक्टीकल व प्रॅक्टीस, परिपूर्ण नोटस्‌सह

सरस्वती फॅशन डिझायनिंग क्लासेस

ड्रेस डिझायनिंग, विविध फॅशनचे ब्लाऊज, फ्रॉक्स, हॅण्ड-मशिन एम्ब्रॉयडरी, कशिदा, जर्दोसी वर्क, रांगोळी व इतर हॉबी क्लासेस

---------- **हमखास स्वावलंबी होण्याचा मार्ग** ----------

सरस्वती ब्युटी पार्लर ॲण्ड फॅशन डिझायनिंग क्लासेस

७६/३०, मल्हार पेठ, गिरिजा हॉस्पिटलशेजारी, सातारा. मो. ९४२२५९२०२६

मे.अे.आर.बागवान
ॲण्ड ब्रदर्स

जुने बारदान, किलतान
व सुतळीचे व्यापारी

दु.नं. १०, जुनी भाजी मंडई,
सदाशिव पेठ, सातारा.
मो. 9850731273

न्यू सातारा ट्रेडर्स

आमच्याकडे तंबाखु, सिगारेट,
सर्व प्रकारचे साबण,
अंडी होलसेल दरात मिळतील.

गाळा नं. १४, जुना मोटार स्टॅण्ड,
पेट्रोल पंपाजवळ, सातारा.
दुकान : (०२१६२) २२७९९९
मोबा.: ९८९०४९०९९९
८०८७४५९८००

प्रोप्रा. आसिफ बागवान

एफ. एम. मेटकरी (हॉर्टीकल्चर) मो. 9881764181

निसर्ग गार्डनर ॲण्ड नर्सरी

- गार्डन कॉन्ट्रॅक्टर व मेंटेनन्स
- लॅण्डस्केप डिझाईनर्स
- उत्पादक : गुलाब कलमे, फळझाडे, कॅक्टस, इनडोअर, आऊटडोअर व इतर सर्व झाडांचे उत्पादक व विक्रेते
- पोयटा माती व खते विक्रेते

नर्सरी ठिकाण : विसावा कॅम्प, सातारा.

महाराष्ट्र मायनॉरिटी एन.जी.ओ. फोरम

(महाराष्ट्र राज्यस्तर मुस्लिम सामाजिक संस्थाओ का फेडरेशन)

संस्थापक अध्यक्ष : जाकीरभाई शिकलगार

मोबा. 8390381731

उपाध्यक्ष - ज.अब्दुल मुतालिब शेख मो.: 9820839634

सचिव - ज.इरफान सय्यद मो.: 9850757898

खजिनदार : हनिफ धनानी **सहखजिनदार : ॲड परवेज महाडिक**

सदस्य : ज.शमशुद्दीन शेख, ज.अब्दुल है. शेख

- क्या मुसलमानोका याने हमारे भाईबंदोका पिछडापण दुर करनै हम खिदमत, मेहनत करते है ?
- क्या हम हमारे आजुबाजु ४० घरोपे गुजरती तकलिफोपर कुछ जायजा लेते है?
- क्या हम रोजाना कि इबादत और खिदमत करते है ?
- क्या हम किसी खिदमती तंजीमसे जुडे है?
- आल्लाह ने हमे इस दुनीयामे क्यो पैदा किया? इस बारेमे जो कुरान हदिसमे बताया, क्या वो हम अमलमे लाते है ?
- इकरा बिस्मी रब्बीका यह कहा तो है... क्या हम पूरी पूरी खिदमते अला तालिम के लिए लेते है ?
- क्या हमारे पास रोजाना आधा घंटा खिदमत के लिए वक्त नही है ?
- तंजीम कोई भी हो.. आपका जुडना जरुरी है, आपके जानमालवक्त की खिदमत के लिए कुरबानी का हिसाब होनेवाला है, अगर आप अल्लाह से डरते हो, तो खिदमत के मैदान मे उतरे, बेशक जन्नत के रास्ते खुलेगे और जन्नत को बनानेवाले खुदासे भी मिलने के रास्ते खुलेगे. इन्शाअल्लाह.. अल्लाह से डरो, भाईयो, बहनो, बच्चे बुजुर्गो... चलो करते है, रोजाना कि इबादत और रोजाना कि खिदमत.. खिदमतोमे उतरना जरुरी है इसलिऐ **MMNF** से जुडे..

रजि.नं.रत्नागिरी/197/2022

पुणेआफिस. MMNF, C/o. महाराष्ट्र मार्बल, पुणे-सातारा रोड, कात्रज.

रजि. आफिस. खेड, ता.खेड, जि.रत्नागिरी

MMNF से जुडने के लिए अपना नाम, गाव का नाम
8390381731 वॉटसॲप पर भेजे. हर जिले से वॉटसॲप ग्रुप किए है।

Website - www.mmnf.in **Webportal - www.mmnf.in/portal**

Interest Subsidy Scheme- Application Format

(For the Students who have availed Education Loan)

From: -
Address: -
Mobile No: -
Date: -

To,
The Branch Manager
Bank of …………………………..
Branch: - ………………….
PIN: -………………………..

Subject: - Education loan account No. IBA. Interest subsidy scheme 2009, Revised 2018.

Respected Sir,

I am very thankful to your bank that, you have sanctioned me education loan for prosecuting higher studies.

1. My parent annual income is below 4.5 lakh per annum. I am eligible for Central Interest Subsidy provided by Indian Bank Association under Economically Weaker Section. The scheme is applicable for the period from first year of course, till the completion of the course.
2. The scheme provides quarterly charged interest on Educational Loan A/c is to be claimed from Central Government through Canara Bank, which is nodal bank for the scheme.

I, therefore request you to credit the subsidy of charged interest to my loan A/c. Kindly do the needful at an earliest please.

Thanking you.
Yours faithfully.

(Applicant: -…………………………………….)

(रजि. चॅरिटेबल ट्रस्ट (NGO) No. – Maha. / 8420 / Satara.) (रजि. सोसायटी नंबर – एफ–8385 / सातारा.)

सातारा शैक्षणिक आणि सांस्कृतिक सोसायटी, सातारा.

पत्ता : कच्छी क्लासिक, ३६, दुर्गा पेठ, सातारा (महाराष्ट्र) – ४१५ ००२. 9422641579

Website : www.sataraeducation.org E-mail : sataraecs@gmail.com

सदस्यत्वासाठी अर्ज

(महाराष्ट्र सहकारी संस्था नियम १९६१ मधील नियम १९ (इ))

मा . अध्यक्ष

सातारा शैक्षणिक आणि सांस्कृतिक सोसायटी , सातारा

महाशय,

मी खाली सही

करणारश्री..राहणार

..............................तालुका ....जि ल्हा......... ....

आपल्या संस्थेचा सदस्य होण्याकरिता अर्ज करत आहे. माझी तपशीलवार माहिती खालीलप्रमाणे देत आहे.

१) संपूर्ण नाव :-

२) पत्ता :-

३) व्यवसाय व विशेष कार्य :-

४) जन्मतारीख व वय :-

५) आधार क्रमांक :-

६) पॅन क्रमांक :-

७) राष्ट्रीयत्व :-

८) प्रवेश फी रक्कम :-

९) दुसऱ्या संस्थेचे सभासद असल्यास त्याचा तपशील :-

मी सत्यप्रतिज्ञेवर असे जाहीर करतो की , आपल्या संस्थेचे उपविधी वाचले असून मला ते मान्य आहेत. मी प्रतिज्ञेवर असे जाहीर करतो की, वर दिलेली माहिती माझे माहितीप्रमाणे खरी व बिनचूक अशी आहे, संस्थेच्या ध्येय धोरणाशी मी बांधील राहीन अशी मी हमी देतो.

सोबत : - १) आधार कार्ड झेरॉक्स प्रत.

२) पॅन कार्ड झेरॉक्स प्रत.

दिनांक : - / /२०२३.

साक्षीदार सही अर्जदार सही

नाव . नाव.

संस्थेच्या दिनांक / / च्या सभेत ठराव क्र. ने मंजूर/नामंजूर

अध्यक्ष

सातारा शैक्षणिक आणि सांस्कृतिक सोसायटी , सातारा

सतिश जाधव
9011072678

हसन हवालदार
9975133372

मुनाफ हवालदार
8380082777

DM

दर्शन मेडिकल

सर्व प्रकारचे ॲलोपॅथीक, आयुर्वेदिक औषधे व सौंदर्य प्रसाधने
मिळण्याचे विश्वसनीय ठिकाण...

विनामुल्य घरपोच सेवा उपलब्ध...

कमानी हौद चौक, लक्ष्मी-वैभव कॉम्प्लेक्स, गुरुवार पेठ,सातारा.

सातारा

एग्ज अ‍ॅण्ड चिकन सप्लायर्स

आमच्याकडे घरगुती व हॉटेलसाठी ब्रॉयलर्स, कॉकरेल्स,
पोल्ट्री आणि देशी कोंबडी ताजे लेग पीस, ड्रमस्टीक, बोनलेस,
लॉलीपॉप मिळण्याचे एकमेव ठिकाण.

चाँदभाई आतार
मो.: 9422401523

ईरशाद
मो.: 9028760772

२८१/२बी/रविवार पेठ, मार्केट यार्डजवळ, सातारा फोन : ०२१६२-२३३८८६

WHOLSALE
& RETIAL

- Boiler Chiken
- Boneless
- Desi Gavran
- Tandoor
- Lollypop
- Desi DP
- Leg Piece
- Poultry
- Chunal
- Drukmstick
- Teetar
- Kaleji

महाराष्ट्र मेडिकल ॲण्ड जनरल स्टोअर्स

७७, देशमुख कॉलनी, सातारा. 9420465691

श्री महालक्ष्मी मेडिकल ॲण्ड जनरल स्टोअर्स

9420465697

गाळा नं. १, पवार टॉवर्स समोर, कमानी हौद, सातारा.

हॉटेल ऋतु

स्वाद आपुलकीचा..

प्युअर व्हेज रेस्टॉरंट

* महाराष्ट्रीयन * साऊथ इंडियन * पंजाबी डिशेस
* जैन डिशेस * चायनीज डिशेस * नाष्टा व जेवण

सर्व प्रकारच्या केटरिंगच्या ऑर्डर स्विकारल्या जातील.

शाहु चौक, नगरपालिकेजवळ, सातारा. 8888648310 / 9422600037

मे.पारिजात मेडिकल्स

सर्व प्रकारची देशी, विदेशी औषधे व सौंदर्य प्रसाधने
मिळण्याचे ठिकाण...

प्रोप्रा. एम. ए. शेख

६७ अ, मल्हार पेठ, सातारा. मो.: ९७६२३१६०६१

बाबा टायर्स

MRF

एम. आर. एफ. कंपनीचे
नवीन टायर्स शोरुम

पायरी पुष्प,
पारंगे बिल्डिंगशेजारी,
एस. टी. स्टॅण्डच्या पाठीमागे,
सातारा

फोन : 02162-232880 /
9922097576

Tyres
with
Muscles

कोयल मोटर्स

प्रोप्रा.रशिदभाई
मो.: 9822743990
9511943990

आमच्याकडे सर्व प्रकारच्या
वाहनांची खरेदी-विक्री
खात्रीशीर केली जाईल.

वाहनांवर त्वरीत फायनान्स

शाखा नं.१	१७६, जुना मोटार स्टँड, कृष्णा टॉकीज समोर, दर्गा शेजारी, सातारा - ४१५ ००२	जहीर 9371312291 9922031428
शाखा नं.२	कवारे कॉलनी, मोळाचा ओढा, बुधवार नाका, सातारा - ४१५ ००२	साजिद 8087440300 9975187869

नोकरी व व्यवसायाची सुवर्णसंधी ती ही शासनमान्य कोर्सव्दारे हवी असेल तर आदर्शशिवाय पर्याय नाही.

नवीन बॅचसाठी प्रवेश सुरु!

- MS-CIT आंतरराष्ट्रीय दर्जाचा परिपूर्ण कंप्यूटर कोर्स
- GCC-TBC कॉम्प्युटर टायपिंग कोर्स
- GRAPHIC DESIGNING
- Tally POWER OF SIMPLICITY Prime 4.0
- HARDWARE & NETWORKING
- English Speaking
- MKCL KLiC Diploma gateway to knowledge lit careers...
- DATA ENTRY OPERATOR
- SHORTHAND स्टेनो पदासाठी
- ADVANCED EXCEL
- MKCL KLiC C
- MKCL KLiC C++
- python
- JAVA
- HTML CSS
- .Net PHP
- WEB PAGE DESIGNING

करिअर व व्यक्तिमत्व मार्गदर्शन

सांस्कृतिक कार्यक्रम

नोकरी व व्यवसाय मार्गदर्शन

शैक्षणिक सहल

कॉम्प्युटर कोर्सला प्रवेश आदर्शमध्येच का ??

- सर्वात जास्त प्रवेश
- यशस्वी निकाल
- नोटस्, बॅचेस
- अनुभवी शिक्षक वर्ग
- परीक्षेची तयारी
- व्यक्तिमत्व विकास शिबीरे
- करिअर मार्गदर्शन
- नोकरी सहाय्य व मार्गदर्शन
- जनरेटर सुविधा
- ब्रॉडबॅण्ड इंटरनेट सुविधा
- आदर्श क्रिकेट क्लब
- स.७ ते सायं.७ पर्यंत बॅचेस
- मराठी/इंग्रजी माध्यम
- शैक्षणिक सहल

दर्जेदार व शिस्तबध्द संगणक शिक्षण, कमीत कमी फी मध्ये तेही शासनमान्य कोर्सव्दारे हवे असेल तर

आदर्श शिवाय पर्याय नाही !

मागील ६ वर्षात ७०० विद्यार्थ्यांना नोकरी मिळवून देणारे सेंटर

मागील वर्षात नोकरीस लागलेल्या ७८ विद्यार्थ्यांच्या सत्कारप्रसंगी

आदर्श क्रिकेट क्लब

श्रमदान कार्यक्रम

स्वच्छता अभियान

वृक्षारोपण कार्यक्रम

महाराष्ट्र राज्य कौशल्य व्यवसाय शिक्षण व प्रशिक्षण मंडळ, MKCL मान्यताप्राप्त

MS-CIT चे अधिकृत सेंटर
आदर्श कॉम्प्युटर Adarsh Computers
शाखा १: गिते कॉम्प्लेक्स, पंताचा गोट, सातारा. फोन : ०२१६२ २३३०३७
शाखा २: कृष्णा एम्पायर, सायन्स कॉलेजसमोर, सातारा फोन : ०२१६२ २२१२३७

संस्था कोड : 42059
धनश्री कॉम्प्युटर टाईपरायटींग इन्स्टिट्युट
कृष्णा एम्पायर, सायन्स कॉलेजसमोर, सातारा
फोन : ०२१६२ २२१२३७

हॉटेल ऋतु प्युअर व्हेज
शाहु चौक, नगरपरिषद जवळ, सातारा.
मो. ९४२२६०००३७

SanDisk
mi
SAMSUNG
itel
oppo
TECNO Mobile
Jio
oraimo
vivo
POCO
moto
अधिक दमदार सेवेसाठी...
ESTD - 2009
भारत मोबाईल
सर्व कंपन्यांचे मोबाईल व ॲक्सेसरीज
होलसेल दरात उपलब्ध.
पे
G
9028931348
bharath57@gmail.com
अर्जंट मोबाईल दुरूस्ती
8888546959
सॉफ्टवेअर अपडेटिंग
UPDATE
ब्लुटूथ स्पिकर
एअर पॉड
सर्व कंपन्यांचे मोबाईल कव्हर्स
अधिक दमदार सेवेसाठी...
भारत मोबाईल
SAWKAR
भारत मोबाईल लवकरच नवीन जागेत स्थलांतर होत आहे.
जुन्या दुकानापासून २ मिनिटांच्या अंतरावर, शेटे चौक, सातारा.
Super D ग्लास
मोबाईल बॅक साईड रबर लॅमिनेशन
सर्व कंपन्यांचे चार्जर व केबल
सर्व कंपन्यांचे डाटा केबल
पेनड्राईव्ह / मेमरी कार्ड
सर्व कंपन्यांचे एअर फोन्स
पॉवर बँक
108 सदाशिव पेठ, (जुना मोटर स्टॅण्ड, मच्छिमार्केट समोर) सातारा
लवकरच नवीन पत्ता
६७७, गुरुवार पेठ, शेटे चौक, सावकार लक्ष्मी प्लाझा, शॉप नं.
यूजी-१ युजी -२, सावकार ट्रान्सपोर्ट शेजारी, सातारा.

With Best Compliments from

Akbar Shafik Pathan

Haji Shafik Mohammad Pathan

Samir Shafik Pathan

SAMXPRESS
Safe & Secure Express Service...

SHABANA TRANSPORT

Add.: 76, Malhar Peth, Plot No.13, Opp. UTI Bank, Radhika Road, Satara - 415 002 Ph.: 02162-231997 Mob.: 9850766667

QMS
ISO 9001
Approved Company

Dedicated to the Cause of Education & Betterment of Humanity

Haji Hashambahi Education Turst's

IQRA ENGLISH MEDIUM SCHOLL & JR. COLLEGE OF SCIENCE & COMMERCE, (FOR GIRLS), SATARA

(Cambridge English School)

**NURSERY TO 10th Std.
&
Jr. College
(Science & Commerce)**

ADMISSION OPEN

- Loving, Caring, Colourful, Healthy & child friendly environment
- Extensive & green play ground.
- Experienced & dedicated staff.
- Ventilated classroom
- Teaching & learning through advanced technology.
- Field rips, craft work, card sheets, flash cards & fun games to make learning effective
- Regular follow-up with parents.
- Well built infrasructure.
- Classes with LCD projector facility.
- Regular tests.
- Supply of RO+UV water
- Location in the heart of the city.

161, Pratapganj Peth, Stara | Enquiry: 02162-280767 | Email : iqraschoolsatara@yahoo.co.in
iqracessatara@gmail.com